हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 17.06.2024 ● वर्ष : 14 ● अंक : 324 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

25 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को मिलेगी पेंशन, 200 यूनिट बिजली भी देंगे फ्री : चम्पाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने रविवार को सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर प्रखंड स्थित मतकमबेड़ा ग्राम में लाभुकों के बीच 54 करोड़ 42 लाख 46 हजार 498 रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया। साथ ही 7000.759 लाख रुपये की 22 योजनाओं का उद्घाटन और 16709.805 लाख रुपये की लागत वाली 160 योजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हेमंत बाबू के नेतृत्व में बनी हमारी सरकार को विपक्ष भाजपा ने कभी स्थिर नहीं रहने दिया। वेबजह झूठा आरोप को लेकर सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया। आखिरकार 4 साल के अंदर वो लोग सफल रहो। लेकिन हमारा गठबंधन मजबूत है। युवा मुख्यमंत्री को वो लोग झूठा आरोप में जेल पहुंचा दिया। झारखंड अलग हुए 24 साल हो गया। भाजपा ने लंबा समय राज किया है। लेकिन ना यहां के आदिवासी के लिए सोचा ना मूलवासी के लिए, सिर्फ झूठ बोलकर राजनीति किया किया। यहां के आदिवासी मूलवासी को

परिसंपत्तियों का वितरण करते मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन

ठगने का काम किया। ये सरकार जो आपने चुना सरकार बनने के साथ ही कोरोना की वजह से हमलोग काम नहीं कर सके। हमलोग जंगल के बीज के गांव को भी सरकारी योजना से जोड़ा। आज का प्रोगाम यही है कि शहीद ग्राम के सभी गरीब का परिवार मकान बनेगा। हमलोग एक आर्दश शहीद गांव बनाएंगे।

सीएम ने कहा कि चुनाव में हमलोग 2, 3 महीना व्यस्त थे। चुनाव खत्म होते ही हम फिर से विकास को गति देने में लग गये हैं। अबुआ आवास फिर मिलेगा। किसी तरह का चयन में गड़बड़ी नहीं हो इसके लिए भी हमने तैयारी कर ली है। नहीं तो बिचौलिए बीच में आए तो किसी को बख्सा नही जाएगा। अबुआ आवास में तीन कमरा के साथ अटैच बाथरूम रहेगा। ताकि उसमें पानी की भी सुविधा रहे। किचन भी अलग रहेगा। 3 कमरा रहेगा, शौचालय रहेगा। किचन रहेगा। कोई बेघर नहीं रहे। अच्छा मकान में रहे। 2019 में हेमंत बाबू को जनादेश मिला। कोई आदिवासी कच्चा मकान में ना रहे इसके लिए हम योजना लाए। हमलोग भारत सरकार को बहुत ठगा। हमलोग को उसका इंतजार नहीं करना है। यहां की आर्थिक, सामाजदिक व्यवस्था को, शैक्षाणिक व्यवस्था को सुधार रहे हैं। अपना बल पर हमलोग झारखंड लड़ के लिया है। हम सब कुछ अपने बल पर देंगे। सत्ता में आने के साथ ही 125 यूनिट बिजली फ्री दिया। उसको संसोधन के साथ 200 यूनिट बिजली झारखड में उपयोग कीजिएगा। अगर किसी को गलत बिजली बिल मिला है तो उसको माफ किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि 50 साल से आगे की महिला को हम पेंशन दे रहे हैं। अब 25 साल से 49 साल की जितनी महिलाएं है उनको भी हम अगले महीने से पेंशन देंगे। झारखंड धनी प्रदेश है। यहां खनिज संपदा भरा हुआ है। आज झारखंड में विकास नहीं हुआ। यहां का आदिवासी मूलवासी यहां का गरीब गुरबा का भला नहीं हुआ। इसलिए हमलोग हर विद्यार्थी को हमलोग पढ़ाने के लिए हर तरह का मदद करेंगे। कोई इंजीनियरिंग, मेडिकल पढ़ना चाहता है तो उनको हर तरह का मदद हमलोग करेंगे। 10, 13 लाख 15 लाख से हमलोग मदद करेंगे। और जब तक उनको जॉब नहीं मिलेगा तब तक हम पैसा वापस नहीं लेंगे। सबका छात्रिवृति हमने बढ़ाया किसी विद्यार्थी का पढ़ाई ना रूके हम यही चाहते हैं। उसके साथ साथ भाजपा ने 11 लाख राशन कार्ड रद कर दिया था। और सरकार बनी तो 20 लाख लोगों को हमने राशन कार्ड दिया अब 25 लाख करेंगे। इस अवसर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री दीपक बिरुआ, आयुक्त कोल्हान प्रमंडल हरि प्रसाद केसरी, जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा एवं जिले के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक समेत तमाम पदाधिकारीगण मौजूद थे।

बकरीद आज, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में बकरीद को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। पुलिस मुख्यालय ने बताया है कि 4900 पुलिस बल, छह कंपनी रैपिड एक्शन पुलिस, पांच कंपनी सीआरपीएफ, एक कंपनी सीआरपीएफ की रैपिड एक्शन फोर्स के अलावा 5000 होमगार्ड जवानों की अतिरिक्त तैनाती विभिन्न जिलों में की गयी है। इसके अलावा सभी जोन के आईजी और डीआईजी के पास 1000 पुलिस बल रिजर्व में रखा गया है। डीजीपी के आदेश पर आईजी अभियान ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। राज्य भर के थानों में सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील स्थान चिह्नित किए गए हैं। रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, गिरिडीह में सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है, इन जिलों में रैपिड एक्शन फोर्स को लगाया गया है।

पुलिस मुख्यालय के तरफ से सभी जिले के एसपी को बकरीद के दौरान जवानों की प्रतिनियुक्त सभी सुरक्षा उपकरणों के साथ आवश्यकतानुसार स्थानों पर करने को कहा गया है। संवेदनशील इलाको में दंगा नियंत्रण उपकरणों, लाठी, हेलमेट, बाडी प्रोटेक्टर, केन शील्ड, टियर गैस गन सहित अन्य उपकरण के साथ जवान तैनात रहेंगे। ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी उपद्रवी तत्वों पर निगरानी रखी जाएगी। किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को

मुस्तैद रहने को कहा गया है। वहीं दूसरी ओर राजधानी रांची में बकरीद को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा को लेकर राजधानी रांची में लगभग 3000 जवानों की तैनाती की गई है।

इस संबंध में एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि राजधानी रांची में बकरीद को लेकर सुरक्षा के भुगतान इंतजाम किए गए हैं। सभी डीएसपी और थाना प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार पेट्रोलियम करने को कहा गया है। एसएसपी ने बताया कि सभी संवेदनशील जगहों पर रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती की गई है, इसके अलावा झारखंड पुलिस के रैप, जैप, आईआरबी के जवानों को भी राजधानी में तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि क्विक रिस्पांस टीम को भी अलर्ट पर रखा गया है, अगर कहीं से भी आपातकालीन व्यवस्था करनी होगी तो वहां दस्ता तुरंत मूव करेगा। इस बार पूरी राजधानी पर नजर रखने के लिए 70 जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं । इनकी निगरानी के लिए 50 से ज्यादा जवानों को तैनात किया गया है। रांची एसएसपी ने कहा कि अगर कोई शांति और सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करता है तो उसे गिरफ्तार कर जेल भेजने जा निर्देश दिया गया है।

रांची की मस्जिदों में बकरीद की नमाज का समय

- रांची ईदगाह हरमू रोड में सुबह 9 बजे।
- डोरंडा ईदगाह में सुबह 8 बजे
- पारसटोली ईदगाह डोरंडा में सुबह 7 बजे।
- बरियातू ईदगाह में सुबह 6:45 बजे।
- बड़गाई ईदगाह में सुबह 7 बजे।
- जामा मस्जिद बरियातू में सुबह 7:30 बजे।
- मस्जिदे आइशा बरियातू में सुबह 6:30 बजे।
- सिठियो ईदगाह में सुबह 6:30 बजे।
- चुट्टू ईदगाह में सुबह 7:30 बजे।
- पुंदाग ईदगाह में सुबह 8:45 बजे।
- नयासराय ईदगाह में सुबह 7:30 बजे।

झारखंड में आठ दिनों की देरी से दस्तक देगा मानसून

रांची : झारखंड में लोगों को गर्मी की मार अभी और झेलनी पड़ेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि झारखंड में मानसून प्रवेश की अनिश्चिचता बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 13 जून को मानसून झारखंड में दस्तक देने वाला था। लेकिन झारखंड में मानसून के प्रवेश में विलंभ की संभवना है। मानसून 23 से 25 जून के बीच झारखंड में प्रवेश करेगा। गौरतलब है कि पिछले एक दशक के दौरान झारखंड में मानसून केवल तीन बार समय पर आया वहीं आठ पर विलंभ से पहुंचा। झारखंड मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार मानसून आने की कोई एक निर्धारित तिथि नहीं होती। यह मानसून के प्रवेश और प्रस्थान की तिथि को लेकर अध्ययन के आधार पर एक औसत अवधि होती है, जिस बीच मानसून आगमन और प्रस्थान करता है।

वर्त्तमान व भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा संसद भवन का प्रेरणा स्थल : बिरला

एजेंसी

नयी दिल्ली : सत्रहवीं लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि मौजूदा समय में संसद भवन के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है और इसी के तहत परिसर में अलग-अलग जगहों पर लगी हुईं महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाकर प्रेरणा स्थल (बीजी-7, संविधान सदन के सामने) बनाया गया है, जो वर्त्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा।

श्री बिरला ने रविवार को यहां बताया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसके संसद का आने वाले समय में विश्व का सबसे अच्छा संसद भवन परिसर होगा। इसको लेकर कई बदलाव किये जा रहे हैं। इसी बदलाव के तहत संसद भवन में अलग-अलग स्थानों में लगी महापुरुषों की प्रतिमाओं को

एक स्थान पर लाया गया है और उस स्थल का नाम प्रेरणा स्थल रखा गया है, जो वर्त्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा।

उन्होंने बताया कि प्रेरणा स्थल संसद भवन को देखने आने वाले लोगों को रोमांचित करेगा क्योंकि अब उन्हें यहां प्रत्येक महापुरुषों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी भी मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रेरणा स्थल पर लगी हरेक महापुरुष की प्रतिमा के साथ उनके बारे जानकारी उपलब्ध करायी गयी है। इस दौरान उन्होंने संसद भवन लगीं महापुरुषों की प्रतिमाओं को हटाने के विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, संसद भवन में लगी किसी भी महापुरुष की प्रतिमा को हटाया नहीं लगाया है, बल्कि संसद भवन में अलग-अलग जगहों पर लगीं महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाकर उनके बारे में लोगों की विस्तृत रूप से जानकारी मुहैया कराने का काम किया गया है। अब आगंतुक प्रत्येक प्रतिमा के पास ही उस महापुरुष की कीर्ति और शौर्य के बारे में जानकारी हासिल कर पाएंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा को निर्धारित स्थान से हटाकर सरकार उनके आवाज के दबाने की कोशिश कर रही है।

भारत में ईवीएम ब्लैक बाक्स, किसी को उनकी जांच की इजाजत नहीं : राहुल गांधी

एजेंसी

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की हैकिंग की संभावित कमजोरी के बारे में चिंता को दोहराया। ईवीएम को 'ब्लैक बॉक्स' कहते हुए, राहुल ने चेतावनी दी कि जब संस्थानों में जवाबदेही का अभाव होता है, तो लोकतंत्र महज दिखावा बनकर रह जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे में धोखाधड़ी की गतिविधियां होने की आशंका होती है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स है, और किसी को भी उनकी जांच करने की अनुमति नहीं है।

राहुल ने ट्वीट में क्या कहा?

राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं। जब

- राहुल गांधी ने ईवीएम को बताया ब्लैक बॉक्स।
- एलन मस्क ने कही थी ईवीएम को खत्म करने की बात।
- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने मस्क के तर्क को किया खारिज।

संस्थाओं में जवाबदेही की कमी होती है, तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी की ओर प्रवृत्त होता है। इससे पहले एक्स पर एक हालिया पोस्ट में, एलन मस्क ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की थी। इसमें कहा गया था कि उन्हें मनुष्यों या एआई द्वारा हैक किए जाने के जोखिम के कारण समाप्त कर दिया जाना चाहिए, भले ही जोखिम छोटा हो। एलन मस्क ने प्यूर्टो रिको के प्राथमिक चुनावों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी, जिसमें कथित तौर पर मतदान में अनियमितताएं सामने आई थीं।विपक्षी दल जता चुके हैं चिंता विपक्षी दल पिछले कुछ समय से ईवीएम पर चिंता जता रहे हैं। विपक्षी दलों की तरफ से वीवीपैट पर्चियों की 100 प्रतिशत गणना की मांग कर रहे थे, जिसकी अनुमति नहीं दी गई। हालांकि, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मस्क के बयान का कड़ा विरोध किया। चंद्रशेखर ने यह एक बहुत बड़ा आम बयान है, जिसका मतलब है कि कोई भी सुरक्षित डिजिटल हार्डवेयर नहीं बना सकता। यह गलत है। चंद्रशेखर ने तर्क दिया कि हालांकि मस्क का दृष्टिकोण अमेरिका और अन्य देशों के लिए सही हो सकता है, जहां नियमित कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग 'इंटरनेट से जुड़ी वोटिंग मशीन' बनाने के लिए किया जाता है, यह भारत पर लागू नहीं होता है।पूर्व केंद्रीय मंत्री ने खारिज किया बयान चंद्रशेखर ने मस्क के बयान को खारिज करते हुए कहा कि भारतीय ईवीएम कस्टम-डिजाइन किए गए हैं। यह सुरक्षित हैं और किसी भी नेटवर्क या मीडिया से अलग हैं। इनकी कोई कनेक्टिविटी नहीं, कोई ब्लूटूथ, वाई-फाई, इंटरनेट नहीं। उन्होंने कहा कि फैक्ट्री-प्रोग्राम्ड कंट्रोलर जिन्हें दोबारा प्रोग्राम नहीं किया जा सकता है। चंद्रशेखर ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को ठीक उसी तरह से डिजाइन और बनाया जा सकता है, जैसा कि भारत ने किया है। चंद्रशेखर ने कहा कि टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को भारत आकर कुछ सीख लेनी चाहिए।

एक नजर

करंट की चपेट में आकर 30 वर्षीय व्यक्ति घायल

मेदिनीनगर (पलामू) : लेस्लीगंज थाना क्षेत्र शेहरा गांव निवाशीशिवनाथ यादव के पुत्र कमलेश कुमार यादव उम्र 30 वर्ष 11 हजार रिटर्निंग बिजली करेंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बारे में घायल के परिजनों ने बताया कि कमलेश मेदिनीनगर शहर में कन्नी राम चौक के पास पोल पर चढ़ कर बिजली का काम कर रहा था। तभी 11 हजार रिटर्निंगकरेंट के झटके से पोल से नीचे गिर कर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद उसके साथ काम कर रहे अन्य बिजली मिस्त्री के द्वारा उसे इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल में लाया गया। जहां इलाज के बाद भी उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।वही घटना की जानकारी मिलते पर परिजन सदर अस्पताल पहुंचकर अपने देखरेख में घायल का इलाज करवा रहे हैं। परिजनों ने बताया कि कॉन्टैक्टर के माध्यम से कमलेश बिजली का काम करता है। इसी बीच यह घटना हुई है।

सड़क दुर्घटना में 16 वर्षीय किशोर की मौत

मेदिनीनगर (पलामू) : चैनपुर थाना क्षेत्र के बेड़माबभंडीनिवाशी मिट्ठू मोची के पुत्र छोटू कुमार उम्र 16 वर्ष की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। इस घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि शनिवार की शाम छोटूचैनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नावाडीहबाइक पर सवार होकर अपने बहन के घर बहन को लेने जा रहा था। इसी बीच रास्ते में किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा उसे इलाज के लिए मेदनीनगर सदर अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। छोटू के मौत के बाद सदर अस्पताल में परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

नंदकिशोर मेहता बने जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष

बड़कागांव : जनसंख्या समाधान फाऊंडेशन के प्रदेश पदाधिकारी के के द्वारा जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई है। जिसमें बड़कागांव प्रखंड के गंगादोहर निवासी नंदकिशोर मेहता को हजारीबाग जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर नंदकिशोर मेहता ने मुख्य संरक्षक डॉक्टर इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी, राष्ट्रीय संयोजक ममता सहगल, मंत्री कृष्ण मुरारी सह संयोजक कौशल किशोर जी एवं प्रदेश अध्यक्ष सुचित्रा सिंह को आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया है। कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे मैं निष्ठा पूर्वक निर्वहन करुंगा। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य भारत में बढ़ते हुए जनसंख्या को कैसे नियंत्रित किया जाए, इसके लिए जागरुकता फैलाना है। वहीं कई लोगों ने नंदकिशोर मेहता के जिला अध्यक्ष बनने पर बधाई दिया।

बिजली-पानी देने में फेल साबित हो रही झारखंड सरकार : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पलामू सहित पूरे प्रदेश में बिजली और पानी देने में भी झारखंड सरकार फेल साबित हो रही है। केंद्र सरकार की नल जल योजना का लाभ दिलाने में भी राज्य सरकार फेल हो गई है। थोड़ा बहुत काम हुआ है लेकिन उसकी भी स्थिति ठीक नहीं है। लोगों को पर्याप्त बिजली-पानी मिले इसके लिए युद्ध स्तर पर अभी भी कार्य करने की जरूरत है। बिजली नहीं मिलने के कारण व्यवसाय ठप है। मरांडी ने कहा कि पलामू का अधिकतम तापमान हर दिन 45 डिग्री को पार कर रहा है। ऐसे में एसी तक काम करना बंद कर दिया है। अधिकारियों से जब पूछा जा रहा है तो वे सुधार करने की बात कहते हैं लेकिन रिजल्ट नहीं नजर आता। अभी जो स्थिति है उसमें हर एक जनमानस तक बिजली और पानी प्राथमिकता के तौर पर मिलनी चाहिए। बाबूलाल मरांडी लोकसभा चुनाव में मिली हार और जीत की समीक्षा के लिए रविवार को डालटनगंज पहुंचे। यहां परिसदन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि 400 सीटें लाने के लक्ष्य के साथ चुनाव लड़ने पर विपक्ष ने दुष्प्रचार किया। खासकर अनुसूचित जाति-जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लोगों को दिगभ्रमित किया गया। बताया गया कि भाजपा यदि इतनी सीटें ले आएगी तो देश का संविधान बदल दिया जाएगा। उनके हक अधिकार मारे जाएंगे। आरक्षण समाप्त हो जाएगा। इसका प्रभाव चुनाव में पड़ा और भाजपा को सीटें गंवानी पड़ी। मरांडी ने कहा कि लोकसभा चुनाव की समीक्षा के दौरान विधानसभा चुनाव की तैयारी पर भी चर्चा की गई। बाबूलाल ने कहा कि जिस सीट पर लोकसभा चुनाव में जीत मिली है, वहां समीक्षा कर यह जानने की कोशिश की जाएगी कि और अधिक वोट मिल सकते थे या नहीं। जहां हार हुई है वहां यह जानने की कोशिश की जाएगी कि हमारे उम्मीदवार को वोट किन कारणों से नहीं मिले।

संक्षिप्त खबरें

दुनिया के लिए वरदान साबित होंगे जलवायु परिवर्तन के संबंध में भारत के लक्ष्य : जयंत सिन्हा

हजारीबाग : हम सभी अवगत हैं कि आज भारत समेत पूरे विश्व के लिए जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस दिशा में दुनिया भर में अनेक कदम उठाये जा रहे हैं पूर्व सांसद हजारीबाग, जयंत सिन्हा ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में 15 जून को वैश्विक जलवायु परिवर्तन के संबंध में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दौरान विश्व भर के अनेक जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन के संबंध में कई आवश्यक मुद्दों पर विस्तृत संवाद किया गया। जयंत सिन्हा जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए अपने सुझावों, कार्यों व रिपोर्टों से लगातार विशेष योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्य देशों की तरह भारत भी जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना कर रहा है। इसके लिये हमें ग्रीन इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने की बेहद जरूरत है। हमें भारत में विदेश से निवेश बढ़ाना होगा ताकि हम पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का उपयोग कर सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार इस दिशा में आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने भारत के लिए जलवायु परिवर्तन के संबंध में जो लक्ष्य रखे हैं, वो दुनिया के लिए आने वाले समय में वरदान साबित होंगे।

अवैध बालू ले जा रहा ट्रैक्टर बिजली पोल को धक्का मारकर हुआ फरार, बिजली हुई बाधित

बड़कागांव : हजारीबाग मार्ग स्थित टी पी5 के पास रविवार अहले सुबह 5:00 बजे अवैध बालू ले जा रहा ट्रैक्टर ने 3000 बिजली करंट संचालित बिजली पोल को धक्का मार दिया। जिसके कारण 4 घंटे के लिए बिजली बाधित हो गई। इस दरमियान दो पोल क्षतिग्रस्त हो गया । ट्रैक्टर चालक ने सुनसान स्थल देख मौके का फायदा उठाते हुए बालू को अनलोड कर फरार हो गया। बिजली विभाग के कनीय अभियंता प्रभास कुमार ने बताया कि बिजली कर्मियों के द्वारा फिलहाल टेंपरेरी रूप से बिजली चालू कर दिया गया है हालांकि इसे पूर्ण रूप से मरम्मत करने में कई घंटे लग सकते हैं। बताते चले की आए दिन हमेशा बेकाबू वाहनों के द्वारा बिजली पोल को धक्का मार कर क्षतिग्रस्त करने का काम किया जा रहा है। विभाग को वाहन चालकों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है।

बकरीद को लेकर गर्म रहा बकरा बाजार

बरही : ईद उल अजहा अर्थात बकरीद का त्यौहार मनाया जाएगा। इस दिन इस्लामिक धमार्लंबियों के द्वारा बकरे की कुबार्नी देने की प्रथा है। इसे लेकर रविवार बाजार में बकरा बाजार गर्म रहा। इस्लाम धर्मावलंबी बकरे की खरीददारी को लेकर एक दुकान से दूसरे दुकान तक भटकते रहे। इससे बाजार में बकरे के भाव भी आकाश छू रहा था। पांच हजार से नीचे का बकरा बाजार में देखने को नहीं मिला। वही कुछ बकरा व्यवसाई 18 से 15 हजार में बकरा बेच रहे थे। वही पंचमाधव की मासोमत असगरी ने अपने पुत्र के साथ 38 हजार रुपए में बकरे खरीदने का काम किया। उन्होंने बताया कि अपने सामर्थ्य के अनुसार अल्लाह को बढ़ चढ़कर बकरे की कुबार्नी देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वे लोग किसान है और अल्लाताला पर पूरा भरोसा है।

चौपारण में आज मनाई जाएगी ईद-उल-अजहा

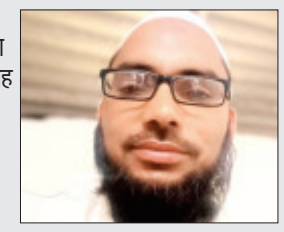

चौपारण : चौपारण प्रखंड के 26 पंचायतों में आज ईद-उल-अजहा का त्यौहार मनाई जाएगी। लोग एक सप्ताह पहले से ही ईद का समान एवं बकरा लेने में जुटे हुए है। प्रखंड के सभी पंचायत में सुबह-सुबह ही ईदगाह व मस्जिदों में नमाज अदा की जाएगी। कमलवार मदरसा दारूल कुरान के हाफिज हदीस ने कहा की कुबार्नी एक बहुत ही खास अमल है। अल्लाह के नजदीक बहुत पसंदीदा अमल है। कुबार्नी हर मालिके निसाब पर वाजिब है। कुबार्नी खालिस अल्लाह के लिए है। कुबार्नी के जानवर का खून जमीन पर गिरने से पहले अल्लाह कबूल करता है अल्लाह के पास न जानवर, न गोस्त, न खुन पहुंचता है, बल्कि हमारा तकवा अल्लाह के पास पहुंचता है। जानवर के बदन पर जितने बाल होते हैं अल्लाह ताला उतनी नेकिया अता करता है। कुबार्नी का जानवर बहुत अच्छा होना चाहिए यानी उसमे कोई येब नही होना चाहिए। कुबार्नी के जानवर को वक्त से पहले खिला पिला कर मजबूत करना चाहिए और अपने नजदीक करना चाहिए। कुबार्नी करने वाले सभी लोगों को बहुत ध्यान रखने की जरूरत है। अल्लाह हमलोगों को इस अमल को कुबूल फरमाए आमीन। ईद-उल-अजहा यानी बकरीद हजरत इब्राहिम की कुबार्नी की याद में ही मनाया जाता है। हजरत इब्राहिम अल्लाह के हुकुम पर अपनी वफादारी दिखाने के लिए बेटे इस्माइल की कुबार्नी देने को तैयार हुए थे।

सोलरबैटरी फटने से महिला घायल, स्थिति गंभीर

मेदिनीनगर (पलामू) : तरहसी थाना क्षेत्र के भालोगाड़ीनिवाशी स्वर्गीय कुलेश्वर ठाकुर की पत्नी गौरा कुंवर उम्र 55 वर्ष बैटरी फटने पर गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब 11:00 बजे सोलरबैटरी के बगल में गौरा कुंवर सोई हुई थी। इसी बीच बैटरी चार्ज होने के दौरान फट गई। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद परिजनों के द्वारा उन्हें इलाज के लिए तरहसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां इलाज के बाद भी चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए। उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेदनीनगर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के बाद भी महिला गौरा कुंवर की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

पुलिस ने अस्पताल से एक चोर को पकड़ा

मेदिनीनगर (पलामू) : शहर थाना की पुलिस ने सदर अस्पताल से एक चोर को पकड़ कर उससे पूछताछ के लिए थाना ले गई है।जानकारी के अनुशार सदर अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस इन दिनों नशेडियो का अड्डा बन चुका है। यहां प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में नशेड़ी नशा करने पहुंचते है।नशा के लिए जब इन्हें पैसा की कमी हो जाती है तो रात के समय सदर अस्पताल में घुस कर सोए हुवे मरीजों का मोबाइल पैसा सहित अन्य सामान की चोरी करते है। शुक्रवार की रात भी सदर अस्पताल में एक मरीज के परिजन का मोबाइल चोरी हुआ है। इन नशेड़ियों की वजह से आए दिन सदर अस्पताल में चोरी की घटना हो रही है। जिसके कारण अस्पताल में भर्ती मरीज और उनके परिजन काफी परेशान और भयभीत रह रहे है।

सरजू राम की हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू पुलिस ने हत्या के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में डीएसपी मणि भूषण प्रसाद ने बताया कि रामगढ़ थाना काण्ड संख्या 24/24 दिनांक - 15.05.2024 धारा-302/201/34 भा०द०वि० वादी सीता राम पे०- स्थ० सरजू राम सा०- इस्लामनगरबभंडी थाना रामगढ़ जिला पलामू के फर्दव्यान के आधार पर वादी के पिता स्व० सरजू राम की हत्या अज्ञात अपराधकमीर्यों के द्वारा किये जाने के पश्चात साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को घटनास्थल के पास के कुआं में डाल दिए जाने के आरोप में प्रतिवेदित कराया गया है। हत्या जैसे जघन्य अपराध का उद्भेदन हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, पलामूमणिभूषण प्रसाद के निदेर्शानुसार अनु०कर्ता द्वारा घटनास्थल के आस-पास के ग्राम चौपरिया, लमटी, बभंडी, इस्लाम नगर इत्यादि जगहों पर गुप्तचर की तैनाती किया गया। अनुसंधान के क्रम में गुप्तचर के माध्यम से ज्ञात हुआ की मृतक काफी दिनों पूर्व से ओझा-गुणी का काम करते आ रहा था तथा गाँव के लोगों के साथ पैसा का लेन-देन भी करता था । इसके अलावे मृतक के पत्नी की मृत्यु काफी दिनों पूर्व हो जाने के कारण मृतक की दोस्ती एवं प्रेम-प्रसंग ग्राम लमटी के भक्तिन से है। अनुसंधान के क्रम में गुप्तचर से प्राप्त हुए आसूचना का सत्यापन स्थानीय ग्रामीणों से किये जाने पर यह बात प्रकाश में आई की ग्राम लमटी की 1. भक्तिन, 2. किसुनदेवउराँव एवं 3. संतोष उराँव लोकसभा के मतदान के दिन बूथ पर मतदान करने के पश्चात अपने अपने घर से भाग गये हैं। 15 जून को गुप्तचरों के द्वारा किसुनदेवउराँव पिता स्व० नगुउराँव और संतोष उराँव पिता झ स्व० मेघराज उराँव दोनों पता लमटी थाना रामगढ़ जिला पलामू को अपने अपने घर पर बीते देर रात्रि को चोरी छिपे आता देखा गया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर मेदनीनगरपलामू के निर्देशन पर अनुसन्धानकर्ता द्वारा थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों के साथ मिलकर ससमय छापामारी कर उक्त दोनों अभियुक्तों को विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा भक्तिन के साथ मिलकर शराब में जहर स्टाल के सहारे मृतक सरजू राम की गला दबकर हत्या किये जाने की बात स्वीकार किया गया है।

बिहार भेजी जा रही शराब वाहन जब्त, दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू): गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार की शाम सबानो गांव के इमामबाड़ा के समीप से 14 पेटी देशी शराब लदा एक बोलेरो को जब्त किया गया। पुलिस ने इस कारोबार से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। इनमें लोटनिया गांव के मनीष यादव व एकौनी गांव के अलोक यादव शामिल हैं। इस संबंध में हुसैनाबाद थाना के एसआइ शशि शेखर पांडेय ने प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जपला, सबानो के रास्ते शराब की एक खेप बिहार जाने वाली है। इस सूचना पर वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर पुलिस सबानो गांव के इमामबाड़ा के समीप पहुंची। इसी क्रम में विपरीत दिशा से आ रहे एक बोलेरो को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक भागने की कोशिश करने लगा जिसे पुलिस जवानों ने दौड़कर वाहन में बैठे चालक समेत दो को गिरफ्तार कर लिया। जांच में बोलेरो से 14 पेटी में रखे टनाका देशी शराब की 672 बोतल बरामद की गयी। इसके बाद शराब सहित बोलेरो को जब्त कर थाना लाया गया। पुलिस गिरफ्त में आये दोनों युवकों ने पूछताछ में बताया कि बौलेरोएकौनी गांव के डब्लू गिरी का है। उसी के सहयोग से हुसैनाबादअनुमंडल क्षेत्र से शराब की खेप बिहार में भेजी जाती है। जबकि वाहन का रजिस्ट्रेशन जय प्रकाश प्रसाद के नाम है जिसका सभी कागजात फेल है। बोलेरोमलिक समेत तीन लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। वहीं गिरफ्तार लोगों को शनिवार को न्यायिक हिरासत में मेदिनीनगर भेज दिया गया है।

बैडमिंटन कोच के लिए वॉक इन इंटरव्यू का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बैडमिंटन खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला डीएमएफटी मद से एक अनुभवी एवं योग्य एनआईएस कोच की संविदा आधारित अस्थाई नियुक्ति हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया गया। 15 जून को समाहरणालय सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त श्रीमती प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में साक्षात्कार का आयोजन किया गया। इस साक्षात्कार में तीन अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। उप विकास आयुक्त ने बताया कि हजारीबाग में खेल की असीम संभावनाएं है तथा विभिन्न खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी का चयन हजारीबाग जिले से हुआ है,इसलिए खेल के क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण और माहौल प्रदान करने के उद्देश्य से यह साक्षात्कार आयोजित किया गया है। अनुभवी प्रशिक्षक के होने से खिलाड़ियों को खेल की बारीकियों को समझने में आसानी होगी और वें बेहतर खेल से जिले व राज्य का नाम रोशन कर सकेंगे। चयन समिति के द्वारा निर्णयोपरांत एक प्रशिक्षक का चयन किया जाएगा। 15 फरवरी को डीएमएफटी की न्यास परिषद की बैठक ठक्कर कोच की नियुक्ति को लेकर यह निर्णय लिया गया था।

रजरप्पा पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल ने चुनाव जितने के तुरंत बाद अपने लोकसभा क्षेत्र में जनता का आभार जताने के लिए धन्यवाद यात्रा की शुरूआत की। पिछले लोकसभा चुनाव में प्रचंड मतों से चुनाव जीताकर हजारीबाग संसदीय क्षेत्र से सांसद बनने के लिए मतदाताओं का आभार जाता रहे हैं। इसी कड़ी में बड़कागांव और मांडू विधानसभा क्षेत्र के बाद रविवार को रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में अपनी धन्यवाद यात्रा के साथ मनीष जायसवाल क्षेत्र में जनता के बीच दिखे । रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में धन्यवाद यात्रा निकालने से पहले सांसद मनीष जायसवाल रामगढ़ जिले के प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मां छिन्नमस्तिका का विशेष पूजा- अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मनीष जायसवाल के पूजा- अर्चना के पश्चात रजरप्पा मंदिर धार्मिक न्यास समिति के पदाधिकारी और सदस्य छोटू पंडा, राकेश पंडा, पोपेश कुमार पंडा सहित अन्य गणमान्य लोगों के द्वारा मां छिन्नमस्तिका मन्दिर का तस्वीर भेंटकर और चुनरी ओढ़ाकर स्वागत और सम्मान किया गया। यहां सांसद मनीष जायसवाल के साथ विशेषरूप से भाजपा के रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, वरिष्ठ नेता रणंजय कुमार कुण्टू, युवा भाजपा नेता राजीव जायसवाल, भाजपा महिला नेत्री सेफाली गुप्ता, प्रो. संजय सिंह, विजय जायसवाल, वसुध तिवारी, दिलीप सिंह, सरदार अनमोल सिंह, राजू चतुवेर्दी, रंजन सिंह फौजी, गणेश प्रसाद, नरेश कुमार, बबलू साव, राजीव जायसवाल, प्रवीण कुमार, अंकित सिंह, राहुल पासवान, शेफाली गुप्ता, वासुदेव प्रजापति, राहुल पासवान, सोनू कुमार, मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें । गोला, बरलंगा, चितरपुर, दुलमी और रामगढ़ के कई क्षेत्रों का किया तुफानी दौरा, लोगों ने किया अभूतपूर्व स्वागत, मतदाताओं का जताया आभार रजरप्पा में मां छिन्नमस्तिका का पूजा करने के उपरांत हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के नव निर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल ने रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गोला, बरलंगा, चितरपुर, दुलमी और रामगढ़ शहरी इलाके के कई क्षेत्रों का तूफानी दौरा किया।

पुलिस अधीक्षक ने रामनवमी संरक्षण समिति को किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हजारीबाग की श्री श्री चैत्र रामनवमी 2024 के सफल सम्पादन में महत्ती भूमिका निभाने को लेकर रामनवमी संरक्षण समिति को हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने अपने कार्यालय कक्ष में सम्मानित किया । सम्मान समारोह के दौरान श्री सिंह ने कहा की हजारीबाग की रामनवमी के सफल सम्पादन में रामनवमी संरक्षण समिति, रामनवमी महासमीति, सद्भावना विकास मंच सहित अन्य संगठनों का अतुलनीय योगदान रहा जिसके फलस्वरूप हजारीबाग की ऐतिहासिक रामनवमी को शांतिपूर्ण व नशामुक्त मनाया गया। आगे उन्होंने कहा की रामनवमी संरक्षण समिति जुलूस के दौरान सक्रिय रहा जिसके कारण रामनवमी जुलूस पारंपरिक जुलूस मार्ग से अपने गंतव्य तक पहुंचा । सम्मान समारोह के दौरान रामनवमी संरक्षण समिति अध्यक्ष प्रशांत कुमार प्रधान ने कहा की रामनवमी 2024 के शांतिपूर्ण समापन में उपायुक्त नैंसी सहाय पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह सहित जिले के सभी प्रशासनिक पदाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी का अहम योगदान रहा और इन सब के साथ साथ हजारीबाग के लाखों रामभक्त व श्रद्धालुओं ने भी धार्मिक आस्था से सराबोर अपने सामाजिक कर्तव्यनिष्ठा का पालन किया। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष निशांत कुमार प्रधान, परमेश्वर प्रसाद मेहता, राजकुमार यादव, राजेश गोप , अजय साव, ओमप्रकाश गोप , मोहन कुमार, केदार कुमार ,धर्मेंद्र शुक्ला, लब्बू गुप्ता, अमरेश कुमार सिंह, अमरजीत कुमार सिन्हा सहित रामनवमी संरक्षण समिति के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

शहर के तालाब, आहर, पोखर के अतिक्रमण से गहराया पेयजल संकट : आशीष भारद्वाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): जलस्तर को संरक्षित करने के लिए शहर के सभी तालाब,आहर, पोखरा को बचाने की आवश्यकता है। हमारे मेदिनीनगर नगर निगम के अन्तर्गत पड़ने वाले लगभग सभी पैराणिकपेयजल संचय श्रौत जैसे आहर, पोखर, तालाब, कुआँ का अतिक्रमण कर लिया गया है जिसके वजह से हमारे यहा आज भीषण पेयजल संकट उत्पन्न हो चुका है । वर्तमान परिपेक्ष्य में जलसंकट झेल रहे शहरवासियों को आने वाले समय में इस बड़ी विपदा से बचाने के लिए अभी से कार्य करना होगा । शासन, प्रशासन से अनुरोध है की जल्द से जल्द ऐसे सभी जलश्रोतों को अतिक्रमणमुक्त करवाये। पौधारोपण व जल सोख्ता के लिए खुद से सचेत रहने की जरुरत है वरना इससे बड़ी विपदा आने को है। उक्त बातें पानी यात्रा के पांचवें दिन आशीष भारद्वाज ने कहा। श्री भारद्वाज ने बताया कि निगम क्षेत्र में व्याप्त पेयजल संकट आने वाले समय में भयावह रुप लेने वाला है।इस संकट से निपटने के लिए वृहद स्तर पर पौधारोपण व सोख्ता निर्माण कार्य होगा तब जाकर स्थायी समाधान होगा। पानी यात्रा के पांचवें दिन युवाओं की टोली हाउसिंगकॉलोनी, सत्संग भवन, आंसिकबारलोटा व आंसिकबैरिया क्षेत्र में पहुँचकर हस्ताक्षर सह जन-जागरण अभियान चलाया। आज की यात्रा में आशा शर्मा, संध्या शेखर, वैजन्ती जी, वीणा जी, वंदना श्रीवास्तव, मधुकर शुक्ला, आशुतोष शुक्ला, संजीत तिवारी, गोलू दूबे, संजीव कुमार उपस्थित रहे।

एक नजर

जनजातीय भाषा के शिक्षकों की जल्द होगी नियुक्ति : मंत्री दीपक बिरुआ

रांची : राज्य के आदिवासी कल्याण सह परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के नेतृत्व में सरकार ने निर्णय लिया है कि जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं को अविलंब प्राथमिक स्तर पर शिक्षा के माध्यम से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। इसलिए मंत्रिमंडल से हम लोगों ने स्वीकृति दी है। 20 जून तक इसका विज्ञापन आएगा और सभी जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में घंटी आधारित शिक्षक आवेदन दे सकेंगे। नियुक्ति मिलेगी और बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़ाई कर सकेंगे। मंत्री ने कहा कि जनजातीय भाषा एकेडमी को भी जल्द मूर्त रूप देने का प्रयास किया जाएगा। पेसा ड्राफ्ट की समीक्षा की गई है। आने वाले दिनों में यहां के लोगों की बेहतरी के लिए उसे लागू करने का प्रयास किया जाएगा। अबुआ आवास योजना के तहत नौ लाख आवास की स्वीकृति मिलेगी। इसका लाभ यहां के जरूरतमंद लोगों को प्राप्त होगा। ग्राम गाड़ी योजना की समीक्षा की जा रही है ताकि जरूरतमंद के लिए पहचान पत्र जारी किया जा सके।

तीन अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

रांची : रांची के पुंदाग ओपी थाना पुलिस ने लूट कांड की घटना को अंजाम देने वाले तीन अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में चतरा निवासी मोहम्मद मजहर आलम, सुधीर कुमार विश्वकर्मा और मोहम्मद अमन अंसारी शामिल है। इनके पास से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा गोली, मैगजीन, पूर्व में लूटा गया अपाची बाइक, 19 मोबाइल, 1900 रुपये नकद, वायर कट्टर एक, दस लोहे का रिंच 13 सहित अन्य सामान बरामद किये गये है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पुन्दाग ओपी क्षेत्र अंतर्गत खरसीदाग में कुछ लोग कई अपराधिक घटना को अंजाम देकर घूम रहे है। साथ ही कोई अन्य घटना को अंजाम देने का प्लान बना रहे है। सभी हथियार के साथ लैस है। सुचना सूचना के बाद एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने छापेमारी कर कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया।

झारखंड के पार्थ सिंह ने 100 मीटर दौड़ में झटका स्वर्ण पदक

रांची : 19 वीं राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झारखंड के पार्थ सिंह ने 100 मीटर दौड़ में नेशनल मीट रिकॉर्ड के बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। भारतीय एथलेटिक्स संघ एवं छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वावधान में 15 से 17 जून तक प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर में किया गया है। रविवार को पार्थ सिंह ने 100 मीटर दौड़ को 10 .68 सेकेंड में पूरा किया। बता दें कि 100 मीटर दौड़ में बालक वर्ग का नेशनल रिकॉर्ड 10 .63 सेकेंड अंशु रजक का है, जो 2023 में बना था। बालिका जेवलिन थ्रो में जामताड़ा की सविता मुर्मू ने 41.09 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। वहीं इस स्पर्धा का स्वर्ण पंजाब की नवनीत कौर और रजत राजस्थान की नीलम चौधरी ने जीता। रांची साई के प्रशिक्षु साकेत मिंज अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाबजूद पदक से चूके और 48 .23 से . के साथ चौथे स्थान पर रहे। इस उपलब्धि पर भारतीय एथलेटिक्स संघ के कोषाध्यक्ष डॉ मधुकांत पाठक, झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सी .डी .सिंह, साई कोच बिनोद सिंह, योगेश यादव, मुकुल टोप्पो, टीम कोच आशु भाटिया,टीम मैनेजर नरेश कुजूर समेत राज्य के खेल प्रेमियों ने विजेता एथलीट को बधाई दी।

राज्य में मौजूदा हालात बदलने के लिए संकल्पित होकर करें काम : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य में मौजूदा राजनीतिक हालात बदलने के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता संकल्पित होकर काम करें। समय कम है और हमारी जिम्मेदारी बड़ी है। राज्य के विषय विचार और भावना की रक्षा करने की प्रतिबद्धता को मजबूती प्रदान करें। जनता के बीच अपनी मौजूदगी को रिश्ते में बदलना है।

सुदेश कुमार महतो रविवार को रांची कांके रिंग रोड स्थित सुनैना बैंक्वेट हॉल में आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक में बोल रहे थे। इस दौरान पार्टी की भावी रणनीतियों और कार्यक्रमों पर पार्टी पदाधिकारियों ने विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि संघर्ष ही हमारी पहचान है। संघर्ष के बूते ही हम अपने संकल्पों को पूरे करेंगे। इस राज्य ने पिछले साढ़े चार साल में खोया बहुत कुछ है। उसे वापस लाना है। इसलिए एक-एक कार्यकर्ता ईमानदारी से काम करें। पार्टी के पदाधिकारियों से भी उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्यकताओं के साथ समन्वय बनाकर वे हर वर्ग में पहुंचे।

महतो ने पूर्व में दिये गए निदेर्शों और तय कार्यक्रमों पर चर्चा की और कहा कि नेतृत्व तथा पार्टी के फैसले के साथ खड़े रहें। उन्होंने लोकसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए राज्यभर के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का आभार जताया। साथ ही कहा कि गिरिडीह लोकसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार चंद्रप्रकाश चौधरी को जीत दिलाने में कार्यकर्ताओं और गठबंधन के सहयोगी साथियों का साथ महत्वपूर्ण रहा है। यह कोई साधारण जीत नहीं है।

निष्ठा के साथ निभाएं जिम्मेदारी : चंद्र प्रकाश चौधरी

चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि हर चुनौती का सामना हम सभी को मिलकर करना है। चुनाव परिणामों की समीक्षा आवश्यक है। समीक्षा उपरांत उस कमी को दूर करना है। हम सभी को एक कार्यकर्ता के नाते अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ पूरा करना है।

राजनीति की प्रयोगशाला बना दी : राम चन्द्र सहिस

प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री रामचन्द्र सहिस ने कहा कि आजसू के पास स्पष्ट नीति और विचार है। हम सभी सामाजिक न्याय और विकास की अवधारणा पर चलने वाले लोग हैं। झारखंड को राजनीति का प्रयोगशाला बना दिया गया है। यह निराशाजनक है। पार्टी के विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि आजसू पार्टी सिर्फ जीत की नहीं विकास की बात करती है। पार्टी के भावी कार्यक्रम को हम भी मिलकर धरातल पर उतारने का काम करेंगे।

इससे पहले पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौधरी के गिरिडीह से एक बार फिर सांसद बनने पर स्वागत और अभिनंदन किया गया। 22 जून को आजसू पार्टी स्थापना दिवस राज्यभर में बलिदान दिवस के रूप में मनाएगी। इस दिन विधानसभा क्षेत्र स्तरीय युवा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

होटल मौर्या और स्पा सेंटर में छापेमारी दो युवतियां समेत तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पुलिस ने रविवार को अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित होटल मौर्या और स्पा सेंटर में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने दो युवतियों और एक युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लड़कियों में एक बिहार के हाजीपुर जबकि दूसरी बंगाल की रहने वाली है। सभी को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। हालांकि, कुछ लोग भागने में सफल रहे।

एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर हटिया डीएसपी पीके मिश्रा के नेतृव में यह छापेमारी की गई। अरगोड़ा चौक के पास सेक्स रैकेट संचालित होने की सूचना एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली थी, जिसके बाद पुलिस की टीम ने अरगोड़ा चौक के पास होटल मौर्या में रेड कर पुलिस ने दो लड़कियों सहित तीन को गिरफ्तार किया है। इसी क्रम में पुलिस ने मौर्य होटल के पास स्थित एक स्पा सेंटर में भी छापेमारी की लेकिन वहां कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला।

उल्लेखनीय है कि रांची पुलिस ने राजधानी में पिछले एक महीने के दौरान अलग-अलग इलाकों में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

समस्याओं की तह में जाकर संगठन की जमीनी हकीकत से हों रूबरू : प्रदीप बालमुचू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव के परिणामों की समीक्षा के लिए गठित चुनाव परिणाम समीक्षा समिति की बैठक अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार बालमुचू की अध्यक्षता में रविवार को कांग्रेस भवन में संपन्न हुई। बैठक में प्रदीप कुमार बालमुचु सहित सभी सदस्यों ने आपस में विचार कर जमीनी स्तर पर लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा के लिए पूरा खाका तैयार किया।

बालमुचु ने कहा कि कांग्रेस ने सात सीटों पर गठबंधन के तहत उम्मीदवार उतारे थे। इसमें हमें सिर्फ दो सीटों पर जीत मिली। बाकी पांच सीटों पर हार के कारणों की पड़ताल जरूरी है। उन्होंने कहा कि झारखंड महागठबंधन की सरकार के द्वारा जनहित में किए गए कार्य और केंद्र सरकार की विफलता, केंद्र सरकार द्वारा किसानों, महिला युवा और अन्य वर्गों के खिलाफ निर्णय लेने के बावजूद हार मिलना आगामी विधानसभा चुनाव में संगठन को और बेहतर करने की और प्रेरित करता है। अभी भी समय है कि हम समस्याओं की तह में जाकर संगठन की जमीनी हकीकत से रूबरू हों ताकि विधानसभा चुनाव तक संगठन को मजबूत कर हम 2019 से भी ज्यादा अच्छा परिणाम हासिल कर सके।

बैठक के निर्णय की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि प्रथम चरण में समिति गोड्डा, धनबाद, हजारीबाग, चतरा, रांची लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करेगी। इस दौरान लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक जिला मुख्यालयों में समिति के सदस्य पार्टी पदाधिकारियों और वरिष्ठ कांग्रेसजनों से जानकारी लेंगे कि चुनाव में किस प्रकार की चूक हुई। उन्होंने कहा कि समिति 20 जून को गोड्डा, 21 जून को धनबाद, 22 जून को हजारीबाग, 23 जून को चतरा और 24 जून को रांची लोकसभा क्षेत्र में चुनाव परिणाम की समीक्षा करेगी। बैठक में समिति के सदस्य प्रदीप तुलस्यान, भीम कुमार और सुल्तान अहमद उपस्थित थे।

आगजनी कर मजदूर को जिंदा जलाने वाला एक अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र में आगजनी कर मजदूर को जिंदा जलाने वाले एक अपराधी नरेश यादव को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक राइफल और तीन गोली बरामद किया गया है।

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गत 28 मई को मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के रात में चामा-मैक्लुस्कीगंज रोड में स्थित दुल्ली करमकोचा टोला के पास सड़क किनारे खडा सिंह इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के ड्रील मशीन लदा हुआ कंटेनर ट्रक जो बीएसएनल कंपनी का फाईबर केबल बिछाने का काम कर रही थी। उसे अज्ञात असामाजिक तत्वों के द्वारा आग लगा कर जला दिया गया था। घटना में संजय भुईयां नामक मजदूर की जल कर मौत हो गई थी। इस संबंध में कंपनी के चालक अखिलेश ठाकुर के लिखित आवेदन के आधार पर मैक्लुस्कीगंज थाना में प्राथमिक की दर्ज की गई थी। मामले में एक अपराधी नरेश यादव को गुप्त सूचना के आधार पर दुल्ली जंगल से हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अपराधी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि थाना क्षेत्र एवं आस-पास के सीमावर्ती थाना क्षेत्रों में लगातार हथियार का भय दिखाकर अपने साथियों के साथ रंगदारी स्वरूप पैसे की उगाही कर रहा था। कडाई पूछताछ करने पर इसके द्वारा आगजनी की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार नरेश यादव ने पूछताछ में बताया कि 13 मई को कंपनी के साईट पर जाकर मजदूर लोगों को धमकाये थे तथा चालक का मोबाईल लेकर चले गये थे। उसी मोबाईल से ठेकेदार से दो लाख की रंगदारी की मांग किये थे । अंत में ठेकेदार द्वारा 20 हजार रूपया देने का बात तय हुआ था। ठेकेदार के द्वारा पैसा नहीं देने के कारण ही गुस्सा होकर अन्य साथियों के साथ मिलकर आगजनी की घटना को अंजाम दिये थे।

समाज जागरण का कार्य करती है सेवा भारती : मुकुंद नायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सेवा भारती, रांची भाग - 3 का एक दिवसीय समर कैंप चुटिया, साई कॉलोनी, मंदिर परिसर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मौके पर सेवा भारती, रांची महानगर सचिव श्याम टोरका ने बताया कि सेवा भारती द्वारा रांची महानगर की सेवा बस्तियों में विगत 24 वर्षों से सेवा कार्यों के माध्यम से मानव जीवन निर्माण कर सामाजिक उन्नयन किया जा रहा है। सेवा भारती, रांची भाग - 3 (चुटिया, कृष्णा पुरी, नामकुम) में संचालित बाल संस्कार केंद्रों के बच्चों का एक दिवसीय समर कैंप आनंददायक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बच्चों ने खेल-कूद, नृत्य, योगासन, प्रश्नोत्तरी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री मुकुन्द नायक ने कहा कि सेवा भारती अपने सेवा कार्यों से समाजिक, सांस्कृतिक जागरूकता का प्रेरक रचना कर रही है। सेवा बस्तियों के बच्चों को संस्कारित शिक्षा और अभावग्रस्त महिलाओं को स्वावलंबन प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज का नवनिर्माण किया जा रहा है। समर कैंप में समाजसेवी मुनचुन राय ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। समर कैंप में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया साथ ही कार्यक्रम में आये सभी बच्चों को चित्रकला सामग्री भेंट की गई।

हमारा प्रयास होगा कि असहायों को मदद करने में सहयोगी बने झालसा : जस्टिस अम्बुज नाथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्रीकृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम दिव्यांग आश्रम, पुंदाग में रविवार को अपना घर का शुभारंभ हुआ। साथ ही 21 निराश्रितों को अपना घर की सौगात भी मिल गयी। हाई कोर्ट के जस्टिस अम्बुज नाथ ने इसका उद्घाटन किया। पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह मुख्य अतिथि, मुख्य आयकर आयुक्त कुमार संजय और डीसी राहुल कुमार सिन्हा बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जस्टिस अम्बुज नाथ ने कहा कि बेसहारों का सहारा बनना, लोगों की मदद करना सब चाहते हैं लेकिन कई कारणों से ऐसा कर नहीं पाते। उन्होंने कहा कि झालसा पहले सिर्फ असमर्थों को कानूनी सलाह से मदद करता था लेकिन अब इसका दायरा बढ़ गया है। यह मानसिक असहायों को भी लाभ पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि इस पुनीत कार्य में झालसा भी सहयोगी बने। डॉ माधुरी भारद्वाज ने कहा कि संतश्री के सार्थक पहल से देशभर में आठ आश्रम पहले से संचालित किये जा रहे हैं। राजधानी में यह नौवां अपना घर है। उन्होंने कहा कि यहां शारीरिक और मानसिक रूप से असहायों को चिकित्सा से लेकर जीवन उपयोगी सारी सुविधाएं मुफ्त दी जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

'एक शाम बुजुर्गों के नाम' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रांची : एक शाम पूज्य बुजुर्गो के नाम कार्यक्रम का आयोजन जेसीआई यूथ रांची ने बरियातू स्थित सीनियर सिटीजन ओल्ड ऐज होम मे आयोजित किया गया। संस्था की अध्यक्ष सोनल अग्रवाल ने कहा की वृद्धों को भोजन करा कर सेवा कर सभी वृद्धजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया।वृद्ध जनों के सम्मान एवं मनोरंजन हेतु कार्यकम प्रस्तुत किए।जिसमें गाने गाए, उनके साथ डांस,अंताक्षरी खेली। अपनो के प्यार से दूर वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गो को जब मनोरंजन के साथ अपनेपन का प्रेम माहौल मिला तो उनकी खुशी का ठिकाना न रहा।जो लोग बुजुर्गों की सेवा करते हैं, उनकी आयु, विद्या, यश और बल में वृद्धि होती है। जिसके मार्ग दर्शन मे हम काफी उन्नति कर सकते है। यदि हमारा धरती पर कोई वजूद है तो उसमे हमारे माता पिता एवं बुजुर्ग का योगदान है। कार्यक्रम को सफल बनाने मे कार्यक्रम संयोजक सचिन ड्रोलिया, मोनिका गोयनका, विकास झाजारिया व अन्य सदस्य मौजूद थे।

लॉ वर्कशाप में आरपीएफ कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

रांची : शहर के हटिया डीआरएम बिल्डिंग के सेमिनार हॉल में रविवार को लॉ वर्कशाप का आयोजन हुआ। वर्कशाप में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही रांची मंडल के आरपीएफ अफसरों और स्टाफ को पुराने कानून में हुए संशोधन का प्रशिक्षण दिया गया। वर्कशॉप में रांची लॉ कॉलेज के प्रोफेसर एस श्रीवास्तव और उत्कर्ष वर्मा एवं अधिवक्ता प्रदीप सरकार ने आरपीएफ कर्मियों को जानकारी दी। वर्कशॉप की अध्यक्षता रांची मंडल के सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार सिंह ने की। प्रशिक्षण के दौरान भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के पहलुओं के बारे में पूरी जानकारी दी गई। कानून में नए संशोधन की मंजूरी 25 दिसंबर, 2023 को मिली, जिसे एक जुलाई को देशभर में लागू किया जाना है।

सीएमपीडीआई के सीएमडी ने कर्मियों को दिलाई शपथ, स्वच्छता पखवाड़ा शुरू

रांची : केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत सीएमपीडीआई 16 से 30 जून तक स्वच्छता पखवाड़ा माना रही है। इसी कड़ी में रविवार को सीएमपीडीआई के चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज कुमार ने कर्मियों को शपथ दिलाकर स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत की। सीएमपीडीआई में स्वच्छता पखवाडा के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक को खत्म करने के लिए जागरुकता अभियान, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ पेयजल आदि और स्वच्छता अभियान, अपशिष्ट, कचरे का निपटान जैसी गतिविधियां की जायेंगी। लोगों के बीच स्वच्छता के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए प्रश्नोत्तरी (क्वीज), निबंध लेखन (एस्से राइटिंग) और ड्राइंग प्रतियोगिताएं (ड्राइंग कॉम्पीटिशन) आयोजित की जायेंगी। इस मौके पर सीएमपीडीआई के निदेशक शंकर नागाचारी और क्षेत्रीय संस्थान-3 के क्षेत्रीय निदेशक जयंत चक्रवर्ती, मुख्यालय व क्षेत्रीय संस्थान-3 के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण, वरीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

योगदा सत्संग आश्रम रांची ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

रांची : रविवार को दसवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इण्डिया (वाईएसएस) के रांची आश्रम ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें 450 से भी अधिक लोगों ने भाग लिया, जिनमें से अनेक लोग पहली बार आये थे। कार्यक्रम में आगन्तुकों को योग-ध्यान के मूल सिद्धान्तों से परिचित कराया गया। वरिष्ठ वाईएसएस संन्यासी स्वामी ईश्वरानन्द गिरि ने 'ध्यान-योग द्वारा संतुलन एवं शांति प्राप्त करना' विषय पर बोलते हुए सत्यान्वेषियों को आन्तरिक प्रशान्ति को खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो हम सब के अन्दर विद्यमान है। इस शान्त आश्रम में एक रविवार को प्रातःकाल उत्साहपूर्ण ढंग से अनेक सत्यान्वेषियों को आकर्षित करते हुए, यह अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम श्री श्री परमहंस योगानन्द—वाईएसएस के संस्थापक और अत्यन्त लोकप्रिय पुस्तक योगी कथामृत के लेखक—के परिचय के साथ प्रारम्भ हुआ। नवागन्तुकों को योग के माध्यम से अनुभव की जा सकने वाली शान्ति से परिचित कराने के लिए, स्वामीजी ने हिन्दी में एक निर्देशित ध्यान सत्र का संचालन किया, जिसमें सही मुद्रा का अभ्यास, प्रारम्भिक श्वसन व्यायाम, एक प्रतिज्ञापन और एक मानसदर्शन सम्मिलित था। इस कार्यक्रम के यूट्यूब से सीधे प्रसारण के माध्यम से भी इस आध्यात्मिक संस्था के देशव्यापी आश्रमों, केन्द्रों और मण्डलियों से लगभग 400 लोगों ने भाग लिया। और अंत मे वाईएसएस ने सत्य की खोज करने वालों को आमन्त्रित किया कि वे वाईएसएस मार्ग द्वारा गृह-अध्ययन पाठमाला के माध्यम से प्रदान की जाने वाली इन क्रियायोग शिक्षाओं के विषय में वाईएसएस वेबसाइट के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

21 जून को जारी होगा खेलगांव से नामकुम आरोबी का टेंडर

रांची : राजधानी रांची में खेल गांव से नामकुम आरोबी सड़क को इनर रिंग रोड के रूप में विकसित किया जाएगा। 21 जून को इस सड़क के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया जाएगा। बताते चलें कि आचार संहित लगने के पहले हुए कैबिनेट की बैठक में इस सड़क के निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति मिल चुकी है। इस सड़क के निर्माण में 53 ।64 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस सड़क का निर्माण कार्य एक साल तीन महीने में पूरा होगा। इस सड़क के बनने से नामकुम की ओर से आने वाले वाहनों को काफी फायदा होगा।

एक नजर

घर का इकलौता चिराग पलायन की भेंट चढ़ा

बोकारो : इन दिनो प्रवासी मजदूरों की मौत की खबर ने गांव समाज को झकझोर कर रख दे रहा है। झारखंड के बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, पलामू आदि जिला के युवा अपने आशियाने को बचाये रखने तथा परिजनों की बेहतरी को लेकर लगातार पलायन करने को मजबूर है। इसी क्रम में बीते दिनों एकबार फिर एक युवा पलायन की भेंट चढ़ गया। जानकारी के अनुसार बोकारो जिला के हद में नावाडीह प्रखंड पेंक-नारायणपुर थाना क्षेत्र उपरघाट के मुंगोरंगामाटी पारटांड़ रहिवासी 21 वर्षीय युवक भुनेश्वर महतो की मौत हैदराबाद में काम करने के दौरान बीते 13 जून को हो गई। मृतक घर का इकलौता कमाऊ पुत्र था। जिसका शव 15 जून की संध्या उसके गांव पहुंचने हीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है, जबकि गांव के ग्रामीणों में शोक व्याप्त है। बताया जाता है कि मृतक युवक अपने पिता चितामणि महतो का इकलौता कमाऊ पुत्र था। मृतक के पिता की पूर्व में ही मृत्यु हो चुका है। इस संबंध में मृतक की पत्नी बबिता देवी ने बताया कि उसका एक महीना का एक पुत्री है। मृतक की पत्नी ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहने तथा नजदीकी बोकारो थर्मल प्लांट में रोजगार नहीं मिलने के कारण वह 11 माह पूर्व हैदराबाद रोजगार के लिए गया था। वहां वह पोकलेन मशीन में उप चालक के रूप में कार्य कर रहा था।

बस्ताकोला सोनार बस्ती की जल समस्या जल्द दूर होगी : राजकुमार अग्रवाल

झरिया : बस्ताकोला सोनार बस्ती में वर्षों से पानी की समस्या से लोग त्रस्त हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए शनिवार को लोग भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल से मिले। इस दौरान अग्रवाल ने लोगों से कहा कि जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा। मिलने वालों में काफी संख्या में पुरुष और महिलाएं शामिल थी। लोगों ने अग्रावाल को क्षेत्र में वर्षों से हो रही पानी की समस्या से अवगत कराया और निवेदन किया कि जल्द से जल्द उनके क्षेत्र में पानी का कनेक्शन करवाया जाए। ताकि उन्हें पानी मिल सके। राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि यहां के स्थानीय लोगों को पानी की घोर किल्लत है। लोगों ने अपनी समस्याएं मेरे पास रखी है। मैं बहुत जल्द इस क्षेत्र में पीट वाटर के लिए नल चालू करवा कर लोगों को समस्या से निजात दिलाने का काम करूंगा।

लूट कांड में श्यामडीह का आजाद हुसैन समेत 2 अरोपी गिरफ्तार

धनबाद : पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय दो धनबाद के कार्यालय में रविवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें बताया गया कि उत्तर प्रदेश प्रयागराज निवासी राम लोटन सिंह के आवेदन पर कार्रवाई करते हुए तोपचांची थाना कांड संख्या 81/ 2024 दिनांक 25. 5. 2024 धारा 392 भा दं वि के अंतर्गत तीन अज्ञात अपराधकर्मियों के विरुद्ध दर्ज कांड में अग्रतर अनुसंधान के क्रम में तकनीकी शाखा धनबाद के सहयोग से कांड में लूटी गई मोबाइल के संबंध में पता चला। जिसके बाद वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद के निदेर्शानुसार उक्त कांड में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी तोंपचाची थाना के नेतृत्व में एक छापेमारी दल गठित किया गया । जिसके आधार पर कांड में अप्राथमिकी अभियुक्त आजाद हुसैन पिता मोहम्मद शमसुद्दीन अंसारी पता श्यामडीह नियर ज्योत्सना मैरिज हॉल के बगल घर पर छापामारी किया गया।

पड़हा जतरा आदिवासी संस्कृति की पहचान, इसे बचाये रखना हमारा कर्त्तव्य : कालीचरण मुंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी सदर प्रखंड के डुंगरा गांव में रविवार को पड़हा जतरा सह सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद कालीचरण मुंडा शामिल हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि पड़हा व्यवस्था मुंडा मानकी व्यवस्था आदि युग का है। उस युग में संविधान नहीं था, सरकार भी नहीं थी। पड़हा के राजा, गांव के मुंडा, पाहन के हाथों में समाज संचालित करने का नियम-कानून, कायदा था। उन्हीं के द्वारा शासन चलता था और अच्छे ढ़ंग से चलता था। पड़हा में राजा-महाराजा व्यवस्था को आज भी आप निभा रहे हैं। उन्होंने कहा हमारी सांस्कृति, पड़हा व्यवस्था और नियम कानून थे, उसे नहीं छोड़ना है। उन्होंने कहा कि जो

पड़हा जतरा लगता है, उसमें हमें अपने परम्परागत दैविक स्थल, पूजा पाठ, वेशभूषा के साथ नृत्य व संस्कृति को बचानें का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक परम्परा, संस्कृति और रीति-रिवाज ही हमारी पहचान है। संस्कृति और रीति-रिवाज को बचाये रखना हम सभी का कर्तव्य है। सांसद ने कहा कि आदिवासियों की पड़हा व्यवस्था त्रिस्तरीय सामाजिक व्यवस्था की धरोहर है। इसे अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए आदिवासी समाज को एकजुट होना होगा। आदिवासियों की रक्षा करके ही विश्व को बचाया जा सकता है। सदियों से चली आ रही इस पड़हा जतरा में लोगों की उपस्थिति इस बात को दशार्ता है, कि आज भी समाज के लोग अपनी धरोहर की रक्षा के लिए गंभीर है। सम्मेलन में दयामनी बारला, महादेव मुंडा, पीटर मुंडू, विजय कुमार स्वांसी आदि उपस्थित थे।

बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में हम होंगे अव्वल, बनाएंगे अलग पहचान : सूरज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कतरास (धनबाद): जनशक्त दल के प्रधान कार्यालय कांको में आज संगठन के भारी संख्या में कार्यकताओं का महाजुटान हुआ। बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के समस्त पंचायतों एवं सभी वार्ड से आए कार्यकताओं के बीच संगठन के सुप्रीमो सह बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी सूरज महतो ने चुनावी रणनीति का आगाज कर दिया। उन्होंने कार्यक्रम का शंखनाद करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के खिलाड़ी और विजेता हम होंगे। हमारा संगठन अव्वल होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में वे जीत का परचम लहराते हुए बाघमारा का अलग पहचान बनाएंगे। इसके लिए वे अभी से ही अपनी मजबूत रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। श्री महतो ने अपने सभी सक्रिय कार्यकताओं को आह्वान करते हुए कमर कस लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनशक्त दल के गठन से महज एक साल के भीतर पूरे बाघमारा में आस्था रखने वाले 20 हजार लोगों को संगठन से जोड़कर एक कृतिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि आज से एक साल पहले हमलोगों ने जिस उद्देश्य के तहत संगठन की नीव रखी थी वह साकार होता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे सुधी कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ की हड्डी हैं। इसके बिना संगठन का सपना पूर्ण कर पाना असंभव है। उन्होंने अभियान में जोरशोर के साथ में जुटते हुए पंचायत व वार्ड के एक-एक घर पहुंचने का आह्वान किया।

भाकपा माले की महिला मोर्चा की जिला संयोजक बनीं आरती पासवान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : भाकपा माले महिला मोर्चा की बैंक मोड़ स्थित कार्यालय में एक आवश्यक बैठक हुई। कॉमरेड संदीप कौशल मुख्य रूप से बैठक में हुए उपस्थित। सभी महिलाओं को लाल अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। बैठक में माले पार्टी की जिला महिला मोर्चा का गठन हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से आरती पासवान को जिला संजोजक मनोनीत किया गया। मनोनयन होने के बाद कॉमरेड आरती पासवान ने कहा कि हम सभी एकजुटता के साथ पार्टी हित में गरीब -शोषित महिलाओं के उत्थान के लिए काम करेंगे। साथ ही पार्टी द्वारा निर्देशित कार्यों व अनुशासन का सभी पालन करेंगे। कॉमरेड संदीप कौशल ने कहा कि जिला में महिला मोर्चा के

गठन होने के बाद पार्टी और मजबूती से जिलें में जमीनी स्तर पर काम करेंगी। आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से मजबूत माले प्रत्याशी चुनाव लडेंगे। मौके पर कॉमरेड संदीप कौशल सहित कॉमरेड आरती पासवान, निभा पासवान, चंदा देवी, कंचन देवी,नमिता कुमारी, अनु देवी, बबिता देवी, शकुंतला देवी, इंदु देवी, जागो देवी, बालिका देवी, सुशिला देवी उपस्थित थीं।

बोकारो जिला कबड्डी के समर कोचिंग कैंप का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला कबड्डी का समर कोचिंग कैंप का समापन रविवार को सेक्टर 9 सी क्लब मैदान में किया गया। कबड्डी के समर कैंप में कुल 60 बच्चों ने उत्साह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया। छोटे बच्चें में लड़के व लड़कियों ने कबड्डी खेल में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कबड्डी प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लेकर काफी लाभन्वित हुए। समर कैंप में कोच मनोज शर्मा समेत अमरेंद्र कुमार ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेत्री श्वेता सिंह ने खेल का शुभारंभ किया और बच्चों के बीच मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा इस तरह का आयोजन से बच्चों को कबड्डी खेलने से मानसिक व शारीरिक विकास होता है। इस जमाने में बच्चे लोग के ऊपर पढ़ाई को लेकर काफी तनाव रहता है और बच्चे को खेलने का समय नहीं मिलता है। उन्होंने अभिभावक को अपने बच्चों के लिए खेलने के लिए समय देने को कहा। बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास के लिए राष्ट्रीय खेल कबड्डी में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कविता सिंह ने भी कबड्डी खेल में बच्चों का उत्साह देखकर बहुत ही प्रभावित हुए। इस तरह का प्रतियोगिता बच्चों के बीच में करवाते रहने से काफी लाभन्वित होंगे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि व श्वेता सिंह ने मेडल व प्रमाण पत्र देकर सभी 60 कबड्डी खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

कूदा तिरुलडीह मैदान में नाइट फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सराइकेला जिला के कुकडू प्रखण्ड क्षेत्र के कूदा तिरुलडीह फुटबॉल मैदान में सोलोआना समिति कूदा तिरुलडीह के तत्वाधान में नाइट फुटबॉल टूर्नामेंट शुभारंभ हुआ।इस टूर्नामेंट में कुल 24 फुटबॉल टीम ने भाग लिया है। जिसमे कुल छह पुरस्कार रखा गया है, प्रथम पुरस्कार 28000, द्वितीय पुरस्कार 23000, तृतीय पुरस्कार 15000, चौथा, पांचवा और छठा पुरस्कार 11000 रुपया तथा ट्रॉफी रखा गया है।

टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन समाजसेवी खगेन चंद्र महतो ने किया टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन समाजसेवी खगेन चंद्र महतो ने फुटबॉल को किक मारकर किया। संबोधन करते हुए श्री खगेन चंद्र महतो ने कहा की इस क्षेत्र में इस तरह का नाइट टूर्नामेंट ये पहला है। कमिटी को धन्यवाद देते हुए

कहा की इस तरह का आयोजन समाज के हित में है। जहां खेल के प्रति जागरूकता होगी । समाचार लिखे जाने तक पहला मुकाबला ऋछ तिरुलडीह और संजीत स्पोर्टिंग के बीच हुआ जिसमे FC तिरुलडीह ने पेनल्टी शूट आउट के द्वारा विजई हुआ। मौके पर तिरुलडीह पंचायत के मुखिया सुधीर सिंह, चौड़ा पंचायत के मुखिया रामबालक सिंह, तिरुलडीह थाना के अरक रंजीत प्रसाद, डॉ बरूण महतो, राजू कुडमी, MDअंसार अली, समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

झारखंड मजदूर समाज की हड़ताल 11 जुलाई को : बिके चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 मे नन एन. जे. सी .एस मोर्चा की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता युनियन के महामंत्री एवं मोर्चा के संयोजक बि के चौधरी ने किया। ठेकाकर्मियों को ब्लड शुगर एवं ब्लडप्रेशर के नाम पर काम से निकाले जा रहे पर चिन्ता एवं आक्रोश ब्यक्त किया गया। बैठक मे जनता मजदूर सभा के अध्यक्ष साधु सरण गोप ने बोकारो स्टील प्लांट के प्रबंधन को हिटलर से तुलना करते हुए कहा कि बोकारो जेनरल अस्पताल द्वारा मजदूरों का मेडिकल जांच स्वास्थ्य योगय है लेकिन काम से निकालना तुगलकी फरमान की तरह है। होना यह चाहिए कि डाक्टर द्वारा मजदूर को पर्ची पर सुगर और ब्लडप्रेशर का मेजरमेन्ट के साथ साथ दबा और

खोराक भी लिखना चाहिए जो नही किया जा रहा है। मजदूरों को कुछ पता नही चलता है कि मुझे अनफिट कर काम से क्यों निकाला गया। इस तुगलकी फरमान से प्रबंधन के बिस्थापित मूलबासी के प्रति उनकी मंसा स्पष्ट हो रहा है कि अभी भी प्रबंधन बिस्थापित मूलबासी बिरोधी है जो कि सरासर गलत और उनके प्रति अमानवीय है। एक्टू के नेता जे एन सिंह ने कहा कि जिन मजदूरों के मेहनत और लगन से प्लांट के उत्पादन एवं मुनाफे मे 90% योगदान है उन मजदूरों को साधारण सा बिमारी मे काम से निकाले जाने से मजदूरों मे भारी आक्रोश है और प्लांट के चिमनी का धुंआ बन्द करने को तैयार है। प्रबंधन को चाहिए था कि बड़ा से बड़ा बिमारी के पश्चात उनका मुफ्त ईलाज करें। आज के समय मे ब्लडप्रेशर और सुगर आम बिमारी है। सेल अध्यक्ष से लेकर कर्मचारी तक 75% प्रभावित है उन्हें तो दबा का सेवन करते काम करने का प्रावधान है तो मजदूरों के साथ सौतेला ब्यबहार क्यों। जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी ने कहा कि इस बिमारी के चलते सेल के किसी भी प्लांट मे अनफिट नही किया जा रहा है तो बोकारो मे क्यों प्रबंधन गंभीर रूप से भूल कर रही है उन्हें पता होना चाहिए कि झारखंडी झूकता नही और नही डरता है क्योंकि यह सभी ठेकाकर्मी झारखंडी है। एक तरफ झारखंड के पूर्व कर्मठ इमानदार मुख्यमंत्री ने जहां संबिदा मे 75% को नियोजन देने का सरकारी आदेश जारी किया है उनके आदेश का पालन नही करते हुए पहले से काम कर रहे मजदूरों को छोटा सा बहाना बनाकर काम से निकालना उनका झारखंडी बिरोधी मंसा को दसार्ता है जिसे झारखंड मुक्ति मोर्चा कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। अब आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए ठेकाकर्मी कमर कस चूका है इसलिए अनफिट करना बन्द करते हुए जिन मजदूर को काम से निकाला गया है उसे वापस लेने,समान काम का समान बेतन, नाईट सिफ्ट एलाउन्स, साईकिल एलाउन्स, प्रोफिट लिंक रिवार्ड स्कीम, एक्सग्रेसिया बोनस, आवास की सुबिधा,चार बर्ष पर यू एस डब्लू से एस एस डब्लू फिर एस डब्लू बनाने,ठेकेदार बदले लेकिन मजदूर नहीं,मिनिमम वेज, ई एल ,बोनस का पूरा मांगने पर काम से निकाले जाने पर रोक, ठेकेदार द्वारा बैंक मे गये बेतन मे से पैसा वापसी पर रोक, प्लांट मे किसी भी कारण से हुए मौत के बदले उनके आश्रित को नियोजन, बायोमेट्रिक लागू करने सहित अन्य मांगो के लिए दिनांक-19 जून को गेट पास सेक्सन के पास हड़ताल का नोटिस देकर 11 जूलाई को प्लांट का चक्का जाम का निर्णय लिया गया।

संक्षिप्त खबरें

ओबीसी, एससी, एसटी व माइनॉरिटी मोर्चा ने ढुल्लू महतो को किया सम्मानित

धनबाद : रविवार को ओबीसी, एससी,एसटी माइनॉरिटी मोर्चा व पटेल सेवा संघ के पदाधिकारीओं ने धनबाद की नवनिर्वाचित सांसद ढुलू महतो के साथ चिटाही धाम में पूजा अर्चना की और उनके आवासीय कार्यालय में अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर भारी बहुमत से जीत की खुशी में सम्मानित किया।वहीं सांसद ढुलू महतो ने मोर्चा के सभी सदस्यों का स्वागत अभिनंदन किया। मोर्चा के महासचिव गोपाल यादव ने ढुलू महतो के समक्ष ओबीसी, एससी, एसटी व माइनॉरिटी एकजुटता एवं मजबूती के लिए उनके मार्ग निर्देशन की आशा व्यक्त की। जिस पर ढुलू महतो ने मोर्चा को हर समय साथ देने का आश्वासन दिया।ट्रस्ट के अध्यक्ष दामोदर प्रसाद, मोर्चा के महासचिव गोपाल यादव, बसंत कुमार यादव, सुधिष्ट कुमार, सचिव अरुण प्रसाद नवल प्रसाद, मुकेश यादव, यादव रामस्वरूप प्रसाद, बरमेश्वर चौधरी, इंद्र नारायण महतो, मणिलाल महतो समेत सभी लोगों ने सांसद ढुलू महतो के ओबीसी, एससी, एसटी, व माइनॉरिटी के हित में मुख्यत बच्चों के उच्च शिक्षा व समग्र विकास के मद्देनजर इस 5 वर्षीय मंगलमय कार्यकाल की कामना की। साथ ही धनबादवासियों की लिए अपने प्रयासों से सुविधाओं व विकास का नया आयाम, नई रोशनी और दिशा देने के लिए शुभकामनाएं दी।

कारा में जेल अदालत एवं कर्तव्य परियोजना पर जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

धनबाद : माननीय झालसा के दिशा निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार राम शर्मा के आदेशानुसार रविवार को मंडल कारा धनबाद में जेल अदालत का आयोजन किया गया। इस बाबत जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन ने बताया कि आज जेल अदालत में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला,न्यायिक दंडाधिकारी हेमंत कुमार सिंह के उपस्थिति में मंडल कारा पाल दिनेश वर्मा के द्वारा जेल अदालत के लिए चिन्हित कूल चार बंदियों को पीठासीन न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष हाजिर कराया गया।जिसमें चार बंदी मनोज कर्मकार,नरेश तूरी,पन्नू रजवार,बसंत माली को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला और न्यायिक दंडाधिकारी हेमंत कुमार सिंह के न्यायालय से रिहा किया गया।इस दौरान न्यायिक पदाधिकारी ने बंदीयों के बीच विभिन्न कानून की जानकारी दी। इस मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल नीरज गोयल,स्वाति कुमरी,सहायक अरविंद कुमार,सौरव सरकार, अरूण कुमार पीएलवी उज्जवल कुमार,शिबू समेत अन्य उपस्थित थे।

कॉलोनी के कर्मियों ने बिजली की लाइन काटी लाइन जुड़वाने के लिए ग्रामीणों ने किया हंगामा

कतरास (धनबाद): कतरास तिलाटांड महिला थाना के निकट बिजली काटने और जोड़ने के सवाल पर ग्रामीण और बीसीसीएल में कार्यरत कॉलोनी निवासी आमने-सामने हो गए। हो हंगामा की खबर सुनकर कतरास पुलिस पहुंची। कतरास पुलिस के पहुंचते ही ग्रामीण भाग खड़े हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीसीसीएल कतरास क्षेत्र के अंतर्गत तिलाटांड कॉलोनी में एक महीना से बीसीसीएल कर्मी अनियमित विद्युत आपूर्ति से त्रस्त है। बीसीसीएल कार्यरत कर्मी त्रस्त होकर ग्रामीणों का लाइन काट दिया। जिससे उत्तेजित ग्रामीण लाइन जुड़वाने के लिए पहुंच गए. ग्रामीणों के पहुंचने के साथ ही बीसीसीएल कर्मी और ग्रामीण आमने सामने हो गए दोनों के बीच मामला बिगड़ता की पुलिस समय पर पहुंच गयी। पुलिस को देखते ही ग्रामीण वहां से भाग निकले। अब भी ग्रामीणों का लाइन कटा हुआ है और ग्रामीण लाइन जुड़वाने के लिए अड़े हुए हैं। बरहाल ग्रामीण और बीसीसीएल कर्मियों में स्थिति तनाव पूर्ण हो गई है।यहां कभी भी हिंसक झड़प हो सकती है। तत्काल कतरास पुलिस वहां कैंप किए हुए हैं। हंगामा के बाद बाद स्थिति वहां तनावपूर्ण है।

कसमार से गायब चारो आदिवासी किशोर डुमरीबिहार के जंगल में मिले

बोकारो : कसमार थाना क्षेत्र के पोंडा गांव के चार आदिवासी किशोर पिछले 4 दिन आज अभिवावको को मिले। इनमे से कल एक तथा आज 3 बच्चें अभिवावको ने अथक प्रायक से गोमीया के डुमरी विहार के जंगल से खोज निकाला। परेशान घर वाले गांव- गांव ,जंगल- जंगल बच्चों की तलाश कर सफलता पाई है। अभिभावकों ने थाना में गुमशुदगी तथा बाल तस्करी की आशंका से संबंधित लिखित शिकायत भी दी थी ।कल शाम को उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र गोमिया के डुमरिविह के पास द्वार जंगल में एक किशोर शशिकांत हांसदा उम्र 13 वर्ष जो कक्षा सातवीं का छात्र है मिल गया। बाकी तीन किशोर डुमरी बिहार के द्वार जंगल में अभिभावकों को देखकर फरार हो गए थे। वहां के ग्रामीणों के सहयोग से बच्चों के माता-पिता जंगल में देर रात तक बच्चों को तलाशते रहे। आज पुनः जंगल तीनों बच्चे पोंडा गांव के सागर हंसदा 12 वर्ष , पिता रोहित कुमार हंसदा, राजू बेसरा 14 वर्ष ,पिता बाबू दास मांझी , निखिल सोरेन, 13 वर्ष, पिता रोमन मांझी पाए। चारों आदिवासी बच्चों के गायब होने के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है । कसमार से डुमरीबिहार की दूरी 60 किलोमीटर है ,जो उग्रवाद प्रभावित संवेदनशील क्षेत्र है । देर शाम तक बच्चे अपने गांव पोंडा नही पहुंच पाए है।

एक नजर

इको सेंसेटिव जोन से अवैध बालू लोड करते तीन ट्रैक्टर जब्त

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित बसिया थाना स्थित कोयल नदी पतरा टोली इको सेंसेटिव जोन में आने के बावजूद कोयल नदी पतराटोली नदी से लगातार दिन रात अवैध बालू का उठाव किया जाता हैं इसी क्रम में बसिया प्रखण्ड क्षेत्र इको सेंसेटिव जोन क्षेत्र से रेत माफियाओं द्वारा अवैध रूप से बालू उठाव के क्रम में वनपाल लिबनुस टेटे ने अवैध बालू लोड तीन ट्रैक्टर और दर्जनों बालू उठाव करने वाले औजार बेलचा जब्त करते हुए बसिया थाना में संबंधित ट्रैक्टर मालिक ट्रैक्टर चालक पर मामला दर्ज कर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई हैं । पुलिस मामले की छानबीन शुरू कर दी गई हैं।

गुमला में चेकडैम में नहाने के दौरान दो बहनें डूबीं, एक की मौत

गुमला : जिले के पालकोट प्रखंड स्थित उत्तरी भाग पंचायत के शाही चट्टान गांव की दो सगी बहनें रविवार की सुबह गांव के चेकडैम में नहाने के दौरान डूब गयीं। इस हादसे में छोटी बहन अंजेला कुल्लू (7) की मौत हो गयी जबकि अलमा कुल्लू (12) की हालत गंभीर है। घटना के संबंध में बताया गया कि बसिया थाना क्षेत्र के कोनबीर भंडारटोली गांव निवासी जोहन कुल्लू की दो बेटियां अलमा कुल्लू व अंजेला कुल्लू नाना-नानी के घर शाही चट्टान आई थीं। दोनों बहनें रविवार की दोपहर गांव के बगल चेकडैम में नहाने गयीं थीं। दोनों नहाते हुए गहरे पानी में चली गई और डूबने लगीं। इसी बीच ग्रामीणों को किसी ने सूचना दी। ग्रामीणों ने दोनों बच्चियों को चेकडैम से बाहर निकाला और आनन-फानन में उन्हें सीएचसी पालकोट में भरती कराया गया, जहां चिकित्सक के नहीं होने पर नर्स ने इलाज शुरू किया लेकिन अंजेला कुल्लू की मौत हो गयी। बड़ी बहन अलमा कुल्लू को एंबुलेंस से सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कराया गया। अस्पताल से डॉक्टर के गायब रहने से लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि अस्पताल में डॉक्टर रहते तो बच्ची की जान बचायी जा सकती थी। लोगों ने यह भी कहा कि अस्पताल से अक्सर डॉक्टर गायब रहते हैं लेकिन गुमला प्रशासन ने कभी कोई कार्रवाई नहीं की।

आपसी भाईचारा के साथ बकरीद का त्योहार मनाने का लिया संकल्प

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय स्थित गुमला सदर थाना परिसर में बकरीद - ईद उल अजहा त्योहार को लेकर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुआ संपन्न, आज थाना परिसर गुमला में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक ईद - उल अजहा त्योहार को लेकर सदर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुआ सम्पन्न, इस मौके पर विभिन्न समुदाय के समाजसेवी लोगों की उपस्थिति में,अंजुमन इस्लामिया गुमला , चैंबर ऑफ कॉमर्स आदि के प्रतिनिधि शामिल हुए , उक्त बैठक में मुख तीन बिंदुओं पर शांति समिति के सदस्यों द्वारा पेयजल बिजली एवं सफाई जैसे बुनियादी मुद्दों पर बातें रखी गई। इस मौके पर अंजुमन इस्लामिया के सदर, सचिव द्वारा गुमला शहर में विभिन्न मस्जिदों और सिसई रोड स्थित ईदगाह में नमाज का समय सारणी बताया गया। साथ ही इस मौके पर वार्ड नंबर 4 के नालियों में गंदगी और लंबे-लंबे झड़ी को हटाने की बात कही गई , इसी प्रकार घाटो बगीचा कब्रिस्तान के समीप पूरा करकट हटाने और आजाद बस्ती के गौसुल वारा मस्जिद राजा कॉलोनी के ट्रांसफार्मर के समीप बाजार टांड एवं अन्य जगह पर सफाई कराने की बात रखी गई। साथी ही विभिन्न महलों में बिजली के तार आदि को दुरुस्त कर लाइट की बात रखी गई।

ट्रक और बाइक की टक्कर में मां-बेटी की मौत, दामाद घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-23 पर व्यवहार न्यायालय के समीप एक ट्रक ने एक बाइक पर सवार तीन लोगों को कुचल दिया। इस सड़क हादसे में बाइक पर सवार मां और बेटी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहा दामाद गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने घायल व्यक्ति को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया है।

रजरप्पा से हजारीबाग जा रहे थे तीनों लोग

जानकारी के अनुसार रजरप्पा कडराडी से चुरचू , बेलगड्डा बाइक पर सवार होकर पति-पत्नी और सास जा रहे थे। इसी दौरान छत्तरमाण्डू स्थित व्यवहार न्यायालय के समीप एनएच-23 धर्मकांटा के पास ट्रक ने बाईक सवार तीनो को बुरी तरह से धक्का मार दिया। जिसमे सास मूर्ति टुडू की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बेटी सूरजमुनि सोरेन और दामाद सोनाराम मुर्मू गंभीर रूप से घायल हो गए । इलाज के के दौरान सूरज मुनि सोरेन ने भी दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल सोनाराम मुर्मू को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया।

घटनास्थल पर पहुंचे रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू ने बताया कि घटना की जानकारी मिली थी। मौके पर पेट्रोलिंग पुलिस को भेजा गया था और खुद मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को कब्जे में लेकर हटाया गया। घटनास्थल पर ही एक महिला की मौत हो गई थी। जबकि एक महिला की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हो गई । दोनों मृत महिलाओं के शव को पोस्टमार्टम हाउस पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रक और बाइक दोनों को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

काली मंदिर के समीप श्रद्धा स्थल को प्रशासन द्वारा कराया गया अतिक्रमण मुक्त

बोकारो : जिला के हद में गोमियां मोड़ स्थित काली मंदिर के समीप श्रद्धा स्थल को अतिक्रमण मुक्त करा लिया गया। अतिक्रमण मुक्त करने के दौरान गोमियां अंचल कर्मी सहित स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर मौजूद रही। जानकारी के अनुसार गोमियां प्रखंड के हद में पलिहारी गुरूडीह पंचायत के काली मंदिर के समीप 15 जून की शाम सीओ प्रदीप कुमार महतो के आदेश पर वहां अतिक्रमण कर लगाये गये दुकान आदि को हटाया गया। अतिक्रमण हटाने के लिए अंचल निरीक्षक हरिहर प्रसाद को मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। वहीं मौके पर विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर गोमियां थाना के पुलिस अवर निरीक्षक बिरसा बाड़ा सशस्त्र बलों के साथ मौजूद थे। इस संबंध में जिप सदस्य डॉ सुरेंद्र राज ने बताया कि उक्त स्थल हजारीबाग माइंस बोर्ड की जमीन है। उन्होंने बताया कि बीते तीन फरवरी को जिला परिषद अंतर्गत आबद्ध अनुदान योजना के तहत पेवर ब्लॉक का लगाया जाना था, जिसका शिलान्यास जिप अध्यक्ष सुनीता देवी तथा उनके द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में मना फादर्स डे

अनगड़ा : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के प्रांगण में फादर्स डे आयोजित किया गया जिसमें बच्चों ने पिता के नि:स्वार्थ प्रेम के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने पिता को हस्तनिर्मित कार्ड भेंट करके पितृ-संतान के अनमोल बंधन को प्रगाढ़ बनाया। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा एक वर्चुअल सभा आयोजित की गई जिसमें सभी छात्रों ने अपनी सहभागिता दर्शाई। बच्चों ने अपने पिता संग ह्यटग ऑफ वॉरह्य खेल में उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही अभिभावकों ने आज के दिन के महत्व को अपने बच्चों से साझा किया। स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अभिभावकों के लिए एक योग सत्र भी आयोजित की गई। अभिभावकों ने प्रधानाचार्या के संग पौधारोपण अभियान में भी भाग लिया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने अभिभावकों का स्वागत किया और छात्रों को यह याद दिलाया कि उन्हें, माता-पिता के निस्वार्थ प्रेम, समर्थन और बलिदान के लिए हमेशा आभारी रहना चाहिए। उन्होंने उन सभी अभिभावकों को धन्यवाद दिया जिन्होंने इस कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाने में अपनी भागीदारी निभाई।

बीसा पंचायत में संपन्न हुआ महाशिव मंडा पूजा

अनगड़ा : प्रखण्ड अंतर्गत बीसा पंचायत पाहन टोली में विगत रात भव्य महाशिव उपासना के साथ आग पर चल कर फुलखुन्दी कार्यक्रम को सोकता और भोगता ने अपना शिवभक्ति का परिचय दिए इस मौके पर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उराँव ने कहा शिव की महिमा पूजा पाठ करने से एवं इस तरह का गॉव में मण्डा पूजा करने से ग्रामीणों के बीच शिव भक्तों में विश्वास बढेगा,जिससे समाज में आपराधिक घटना और समाज में बढ़ रहे कुरीतियों का अंत होगा इसी बीच छः निर्त्य की शुरूआत केंद्रीय सचिव पारसनाथ उराँव के साथ सामुहिक रूप से फीता काटकर पंचायत के मुखिया मनज्योति देवी,सत्यदेव भोगता, उमेश बड़ाईक और मण्डा पूजा समिति के संचालन दिलीप कुमार पाहन,अध्यक्ष समल मुंडा,सचिव सलिखराम बड़ाईक, कोषाध्यक्ष जगु महली,संजय भोगता,मानेश्वर मुंडा, योगेंद्र महतो,सम्भु बड़ाईक, कपिल बड़ाईक,हरिहर बड़ाईक,रान्तु भोकता, पसुवा लोहरा,बिनोद पाहन,बुधराम बेदिया,फागु बेदिया आदि लोग मिलकर मेला की शुरूआत किये।

करंट की चपेट में आने से तीन मवेशियों की हुई मौत

चैनपुर : थाना क्षेत्र के बेंदोरा गांव स्थित स्वास्थ्य उप केंद्र के पास रविवार की दोपहर 12:00 के करीब विद्युत तार की चपेट में आने से तीन गरीब किसानों के तीन मवेशियों की मौत हो गई। जिसमें सरखि गांव के किसान अलेक्सिउस टोप्पो का एक भैंस कुलाही गांव के किसान राजन मांझी का एक बैल एवं रुक्मिणी देवी का एक गाय की मौत विद्युत तार की चपेट में आने से हो गई। गरीब किसानों ने प्रखंड प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। प्राप्त जानकारी अनुसार बेंदोरा गांव के स्वास्थ्य उपकेंद्र के पास रविवार की सुबह लगभग 9:00 बजे विद्युत तार टूट कर गिर गया ग्रामीणों ने बताया कि जिसकी जानकारी मुखिया एवं पावर हाउस को दी गई पर विद्युत सप्लाई नहीं काटी गई इसी दौरान वहां चर रहे मवेशी में से एक के बाद एक कर तीन मवेशी विद्युत तार की चपेट में आगये और मौके पर ही तीनों मवेशियों की मौत हो गई। किसानों ने कहा की फसल लगाने का समय नजदीक आ गया है और उनके मवेशियों की मौत हो जाने से वे फसल भी नहीं लगा पाएंगे।

बकरीद को लेकर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

चैनपुर : चैनपुर थाना परिसर में बकरीद पर्व को लेकर रविवार को शांति समिति की बैठक चैनपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमिता लकड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान एसडीपीओ अमित लकड़ा ने उपस्थित लोगों से बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और भाईचारे के माहौल में मनाने की अपील की। साथी उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के अफवाह पर ध्यान ना दें कहीं भी कोई आपका पहले तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें। उन्होंने कहा की कुर्बानी के बाद बचे अवशेष को अत्र तत्र ना फेके सही जगह में गड्ढा खोदकर उसे डाल दें। वही मौके पर उपस्थित चैनपुर थाना प्रभारी अजय यादव एवं जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने भी उपस्थित शांति समिति के सदस्यों से बकरीद पर शांतिपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की है। जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा कि चैनपुर में सभी पर्व त्यौहार हमेशा शांतिपूर्ण माहौल में ही मनाया गया है उन्होंने इसे बरकरार रखने की अपील की है। मौके पर मुख्य रूप से उप प्रमुख प्रमोद खलखो, चैनपुर मुखिया सोभा देवी, रश्मी भारती, पुरषोत्तम जयसवाल, जावेद खान, अफरोज खान, जहरुद्दीन अंसारी,रंजीत कुमार, अल्बर्ट तिग्गा, इमरान खान सहित कई लोग उपस्थित थे।

नहाय खाय के साथ निर्जला एकादशी व्रत शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

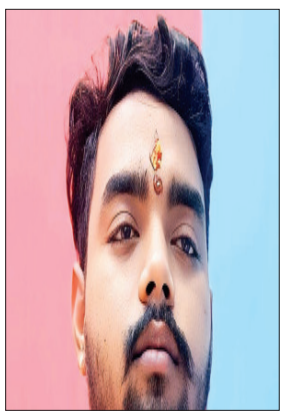

सरिया(गिरिडीह) : प्रत्येक वर्ष जेष्ठ माह से शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को निर्जला एकादशी व्रत मनाया जाता है। इस वर्ष यह व्रत सोमवार 17 जून को मनाया जाएगा। इसे लेकर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु रविवार की सुबह सरिया के प्रसिद्ध राजदह धाम पहुंचे। उत्तर वाहिनी बराकर नदी में स्नान कर विभिन्न मंदिरों में स्थापित देवी देवताओं की पूजा कर प्रसाद ग्रहण किया। कई श्रद्धालु अपने घरों में ही एकादशी व्रत को लेकर रविवार को नहाए खाए किए। राजदह धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना उठाना पड़े। इसे लेकर तपस्वी मौनी बाबा राजदह धाम समिति के लोग काफी सजग दिख। पूरे मंदिर परिसर की साफ सफाई की गई है। उसे आकर्षक ढंग से सजाया गया है। पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है। वहीं मंदिर परिसर में लोगों को पूजा अर्चना में दिक्कत ना हो इसे लेकर मंदिर परिसर में अवस्थित छोटे-मोटे सभी दुकानदारों को हटाकर व्यवस्थित ढंग से बाजार सजाया गया। इसे लेकर कमेटी के लोग काफी सक्रिय दिखे। इस संबंध में पौराणिक कथा के अनुसार आरपीएफ हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन स्थित पंच मंदिर पुजारी सब्यसाची पांडेय ने बताया कि माता कुंती तथा उनके पुत्र युधिष्ठिर अर्जुन नकुल व सहदेव पूरे वर्ष भर के सभी 24 एकादशी व्रत किया करते थ। परंतु उनके एक पुत्र भीम जी को उपवास रहना मुश्किल सा था। महर्षि वेदव्यास के निदेर्शानुसार मां कुंती के आग्रह पर महाबली भीम जी ने पूरे साल भर में सिर्फ निर्जला एकादशी व्रत को करना प्रारंभ किया। जिस कारण निर्जला एकादशी को भी सैनी एकादशी भी कहा जाता है। बताया जाता है कि 23 एकादशी व्रत करने से जो पुण्य की प्राप्ति होती है वह लाभ निर्जला एकादशी करने से ही मिल जाता है। इस व्रत को करने वाले लोगों को सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है। मृत्योप्रांत मोक्ष लाभ मिलता है।

वन विभाग ने की कार्रवाई, अवैध लकड़ी समेत ट्रैक्टर को किया जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया(गिरिडीह): शनिवार की देर शाम सरिया वन विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक ट्रेक्टर लकड़ी और ट्रैक्टर को जप्त किया गया । बताते चले की उक्त कार्रवाई सरिया वन विभाग के कार्यालय के सामने महज एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित पिपराटांड़ में किया गया । ऊक्त कार्रवाई के संबध में फॉरेस्टर अंशु पांडेय ने बताया कि विभाग को गुप्त सूचना मिला था की पिपराटांड़ गांव में गलत ढंग से शीशम का पेड़ की कटाई कर चिरान के लिए ट्रेक्टर के माध्यम से ले जाया जा रहा है । जिस पर विभाग के द्वारा सूचना पर जांच किया गया तो एक ट्रैक्टर के माध्यम से लगभग 65 हजार मूल्य का शीशम का लकड़ी आरा मील ले जाने की तयारी में है । जिस पर कार्रवाई करते हुए ट्रेक्टर समेत लकड़ी को जब्त कर सरिया वन विभाग कार्यालय ले आया गया । वही जांच के क्रम में उक्त लकड़ी और वाहन की पहचान सरिया में निमाटांड़ निवासी ईश्वर महतो के रूप में किया गया । जिस पर वन विभाग की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है । इस कार्रवाई के दौरान विभाग के कुंदन कुमार, देवनारायण दास,सोमनाथ मोदक, हैदर अली, अमन राजकुमार,नंदकिशोर समेत कई कर्मी शामिल थे ।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

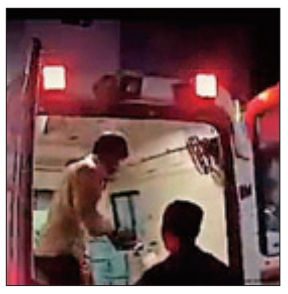

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा थाना क्षेत्र के मलगो ग्राम में शनिवार के देर संध्या में बिशुनपुर थाना स्थित लपगा ग्राम निवासी विनय उरांव और अनुज उरांव एक बाइक में सवार होकर अनियंत्रित तेज रफ्तार से घाघरा थाना स्थित मलगो ग्राम निवासी मालती देवी अपने घर के बाहर टहल रही थी इसी क्रम में उक्त बाइक सवारों ने मालती देवी को बाइक से जोरदार टक्कर मारकर दिया फलस्वरूप मालती देवी की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। और स्वयं भी बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये। आनन-फानन में उक्त तीनों को घटनास्थल पर उपस्थित ग्रामीणों के सहयोग से 108 एंबुलेंस के द्वारा इलाज के लिये घाघरा उप स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टर ने मालती देवी को मृत घोषित कर दिया। जबकि उक्त दोनों बाइक सवार विनय उरांव और अनुज उरांव को प्राथमिक उपचार के बाद, बेहतर इलाज के लिये गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया हैं जहां डॉक्टरों के देखरेख में उसका इलाज चल रहा हैं, घाघरा पुलिस को उक्त घटना की सूचना मिलते ही। घाघरा थाना पुलिस घाघरा उप स्वास्थ्य केंद्र पहूंचकर उक्त शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु गुमला सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया गया जहां आज पोस्टमार्टम के बाद उक्त शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया हैं, घाघरा थाना पुलिस उक्त मामले की गहराई से छानबीन और पुछताछ शुरू कर दी हैं।

ठेकेदार की लापरवाही से खेतों में पानी पहुंचना हुआ बंद, किसान परेशान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित बिशुनपुर क्षेत्र में पिछले एक वर्षों से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत नरमा से तेंदार तक सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। जिसमें कई संवेदक पेटी में पुलिया निर्माण का काम कर रहे हैं । परंतु उक्त संवेदकों द्वारा कछुआ की गति से कार्य किया जा रहा है । जिससे छोटकी एवं बड़की संमदरी, व बेंदी, तेतर टोली, आम्बा टोली, ढाड़ टोली, गांव के किसान अपने खेतों में इस वर्ष सिंचाई को लेकर परेशान है। उक्त गांव के लोग एकत्रित होकर घूघ्घिया नाला के समीप बैठक की और कहा खूंटी निवासी संवेदक अनूप महतो के द्वारा घूघ्घिया नाला में तीन माह पूर्व पुलिया बनाने के लिए सिर्फ गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है जिससे नला के माध्यम से सिंचाई के लिए पहुंचने वाला पानी का दिशा बदल गया है और कई किसानों के खेतों को बर्बाद करते हुए सीधा पानी नदी में चला जाएगा है और उक्त पानी अबतक हम लोगों के खेत तक नहीं पहुंच पाएगा और इस वर्ष हम लोग अपने खेतों में फसल नहीं उगा पाएंगे। अगर उक्त पुलिया का निर्माण या बांध का निर्माण नहीं हुआ तो , हम लोगों के समक्ष खाने के लाले पड़ जाएंगे और हम किसान अपने परिवार सहित पलायन के लिए विवश होंगे और जिसका जिम्मेवार प्रशासन पर होगी। जिसके उपरांत बैठक में ग्रामीणों ने सर्व समिति से निर्णय लेते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपने की बात कही गयी और उक्त ज्ञापन में किसानों ने कहा है कि अगर अभिलंब घूघ्घिया नाला में पुलिया निर्माण समय पर हो और अगर समय पर उक्त बांध निर्माण नहीं किया जाता है।

मैट्रिक व इंटर की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : जिला मुख्यालय स्थित ग्राम विकास समिति टैसेरा गुमला के तत्वावधान में रविवार को टैसेरा ग्राम के चामा बगीचा में इस वर्ष मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा सम्मान सह अभिप्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों द्वारा मां शारदे की चित्र पर पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कार्तिक उरांव कॉलेज गुमला के पूर्व प्राचार्य डा. पुरुषोत्तम राम ने सभी बच्चों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है परंतु एक अच्छी सोच और पढ़ाई के प्रति ईमानदार होकर आगे बढ़ने से आप जरूर अपने मंजिल को प्राप्त करेंगे। साथ ही अभिभावकों को कहा कि आप अपने बच्चों को पढ़ाई एवं अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करें और नशा पान एवं गलत संगति से दूर रखें। मिशन बदलाव के संस्थापक श्री भूषण भगत ने कहा कि आप ऐस्त्री१ङ्ख१ होकर पढ़ाई करें और सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए बहुत सी छात्रवृत्ति योजनाएं चलाई जाती है। उन योजनाओं का लाभ उठाएं। वृंदा पंचायत के मुखिया श्रीमती सत्यवती देवी ने कार्यक्रम की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह का कार्यक्रम करने से निश्चित ही हमारे क्षेत्र के बच्चों के लिए काफी लाभदायक होगा। और एक सकारात्मक माहौल तैयार होगा। जिससे आने वाले समय में बच्चों को काफी लाभ होगा। श्री अमित कुमार झा कैप्टन मर्चेंट नेवी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम ऐसे क्षेत्र में करना काफी सराहनीय एवं काबिले तारीफ कार्य है। बच्चों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ाने के लिए कहा। डॉ सुभाष ने सभी बच्चों को बधाई देते हुए उन्हें पढ़ाई के प्रति ईमानदार होकर एवं गलत संगति से दूर रहकर अपने मंजिल की ओर आगे बढ़ाने के लिए कहा। सांसद प्रतिनिधि श्री भोला चौधरी के द्वारा कहा गया कि आज के बच्चे कल के भविष्य है। बुरी संगति एवं मोबाइल से दूर होकर पूरे मनोयोग से पढ़ाई करें और जीवन में आगे बढ़े। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ग्राम विकास समिति टैसेरा के अध्यक्ष श्री रामनाथ साहू, सचिव श्री रविंद्र गोप, कोषाध्यक्ष श्री राजेंद्र साहू, सह सचिव श्री बसंत उराँव, सदस्य श्री मनोज कुमार साहू, राहुल साहू,श्री यदुनंदन प्रसाद, श्री शिबू साहू,सहित ग्रामवासी उपस्थित थे। प्रतिभा सम्मान प्राप्त करने वालों में दीपिका कुमारी निशा कुमारी कर्णावती कुमारी रितु कुमारी रुक्मणी कुमारी श्याम साहू स्नेहा कुमारी चंचल कुमार यादव शिवानी कुमारी प्रतिमा कुमारी निशांत उरांव ज्ञान प्रकाश सिंह कृष्णा साहू कंचन कुमारी, विनोद उरांव खुशबू कुमारी सुलेखा कुमारी रितु कुमारी विक्रम साहू उपस्थित थे।

रचनात्मक राजनीति समय की जरुरत

सुरेश हिंदुस्थानी

इस बार के चुनावों में जनता ने क्षेत्रीय दलों को भी बहुत अच्छा महत्व दिया है। क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व में आने के बाद देश में गठबंधन की राजनीति का युग फिर से आ गया है। राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा और कांग्रेस की उपस्थिति देश के अधिकतर राज्यों में है। बाकी सभी दल राष्ट्रीय फलक पर प्रभाव दिखाने वाले नहीं हैं। इसके अलावा विपक्ष में अभी से बिखराव प्रारम्भ हो गया है।

भारत एक लोकतांत्रिक है। इसका तात्पर्य यही है कि देश की जनता ही भारत की असली सरकार है। लोकसभा चुनावों के बाद अब देश में सरकार और विपक्ष की भूमिका भी तय हो गई है। जनता ने जहां नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए राजग को बहुमत दिया है, वहीं कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष को एक बार फिर से सत्ता से दूर कर दिया है। अब चुनाव हो चुके हैं, इसलिए लोकतांत्रिक देश होने के नाते आवश्यक है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष को जनता की भावनाओं को ध्यान में रखकर ही काम करना चाहिए। क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान जिस प्रकार के बयान दिए गए, उससे यही लगता है कि इसकी प्रतिध्वनि आगे भी सुनाई देगी। आज के राजनीतिक हालातों का अध्ययन किया जाए तो यह कहना सर्वथा उचित ही होगा कि दलीय आधार की राजनीति करना केवल चुनाव तक ही सीमित रहना चाहिए। उसका असर अगर संसद की कार्यवाही में दिखाई देगा तो यह देश के साथ अन्याय ही होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को ही चाहिए कि वह अब देश हित की राजनीति करने वाले ही कदम उठाए। जहां तक राजनीतिक विश्लेषण की बात है तो यही कहा जाएगा कि भारत की जनता ने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता सौंपी है और कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन को विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है। दोनों पक्ष की अलग भूमिका होती है।

संसद के माध्यम से देश का संचालन किया जाता है। यह राजनीतिक जोर आजमाईश का मैदान नहीं है, इसलिए संसद की गरिमा का भी सभी राजनीतिक दल ध्यान रखें, ऐसी भूमिका सभी मिलकर तय करें। सरकार और विपक्ष दोनों को चाहिए कि वह रचनात्मक राजनीति करके देश हित पर ध्यान दें, क्योंकि लोकतंत्र में लड़ाई सिर्फ चुनाव तक ही सीमित रहना चाहिए। भारत की राजनीति का उद्देश्य भी यही है कि इसके माध्यम से जनसेवा की जाए। अगर दलीय आधार पर संसद में राजनीति की जाए तो फिर देश बनाने की आशा किससे की जाए। उल्लेखनीय है कि जनता की पसंद और नापसन्द जानने के लिए ही देश में लोकतंत्र है। चुनाव के बाद निर्वाचित हुए प्रतिनिधि वास्तव में जनता के ही प्रतिनिधि हैं, इसलिए अब सभी को जनता

के लिए ही जिम्मेदार होना चाहिए। चुनाव तक ही भाजपा और कांग्रेस की राजनीति रहती है, अब विपक्ष को भी चाहिए कि वह अच्छे कार्यों में सरकार का साथ दे, क्योंकि अब सरकार राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि भारत की सरकार है। भारत की सरकार का आशय हम सबकी सरकार ही है।

कहने को देश में लोकतंत्र है, लेकिन ऐसा लगता है कि राजनीतिक दलों के जो नेता जनप्रतिनिधि बनकर दिल्ली या प्रदेश की राजधानियों में बैठते हैं, उनको केवल अपने दल के अनुसार ही काम करना होता है। जिसमें लोक की भावनाओं का समावेश बिलकुल भी नहीं रहता। हमेशा यही देखा जाता है कि लोकतंत्र को कमजोर करने वाले हमारे राजनेता केवल विरोध करने के लिए ही विरोध करने की शैली को अपनाने के लिए ही बाध्य होते हैं। पिछली बार हम सबने देखा कि संसद की कार्यवाही को कई बार बाधित किया गया। लोकतंत्र की व्यवस्था के अनुसार विपक्ष का होना भी अत्यंत जरूरी है, लेकिन जो विपक्ष रचनात्मक भूमिका का पालन नहीं करता ऐसे विपक्ष से तो विपक्ष का न होना ही सही है। सत्ता पक्ष की निरंकुशता पर लगाम स्थापित करने के लिए ही विपक्ष का काम होता है, लेकिन भारत में प्रायः देखा जाता है कि सत्ता पक्ष के हर कार्य के लिए विपक्ष अपना विरोधी रुख अपनाता है। सरकार के हर कार्य का विरोध करना भी ठीक नहीं है।

यह बात सही है कि इस बार लोकसभा में मजबूत विपक्ष है। इसलिए विपक्ष अपने आपको मजबूत ही दिखाएगा, यह स्वाभाविक ही है। पिछले समय जब विपक्ष बिखरा हुआ था, तब भी विपक्ष ने अपनी ताकत दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। लेकिन इस बार राजनीतिक स्थितियाँ बदली हुई हैं। सरकार की ताकत भी कम हुई है, गठबंधन के सहयोगी दल भी अपनी उपस्थिति का अहसास हमेशा कराते रहेंगे। ऐसे में सरकार जनता के किए गए कितने वादों पर अमल कर पाएगी, यह देखने वाली बात होगी। वहीं विपक्षी दलों की परेशानी यह है कि उसने जनता से जो वादे किए हैं, उसका क्या होगा, क्योंकि विपक्ष ने यह प्रचारित करके अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही काम किया है कि उसने भाजपा की जीत के रथ को रोक दिया है, जबकि यथार्थ में ऐसा नहीं है। जनता के बीच विपक्ष ने अपनी जीत का ही सन्देश दिया है, इससे जनता एक बार फिर से भ्रमित होती दिखाई दे रही है और इसीलिए ही कांग्रेस के कार्यालयों पर जनता की भीड़ उमड़ रही है। यह जनता कांग्रेस से अपने वादे पूरे करने की मांग कर रही है। क्योंकि उनके सामने यही सन्देश दिया है कि कांग्रेस सहित विपक्ष की बड़ी जीत हुई है। वर्तमान स्थिति का राजनीतिक विश्लेषण किया जाए तो यही कहना उचित होगा कि भाजपा आज भी जनता की पहली पसंद है। भाजपा को जितनी सीट मिली हैं, उसके आधे भी विपक्ष के किसी दल को नहीं मिली। प्रचार में पूरी ताकत झोंकने के बाद भी कांग्रेस सौ के आंकड़े को नहीं छू सकी, यह गहन चिंता का विषय है, लेकिन कांग्रेस इस सत्य को स्वीकार करने की मानसिकता नहीं बना पाई। राजनीति में सीटों की संख्या का महत्व होता है और सीटों के मामले में भाजपा बहुत आगे है। यह अलग बात है कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई, लेकिन इस बार भाजपा ने दक्षिण के कुछ राज्यों में अपनी उपस्थिति का अहसास कराया है। यह भाजपा के लिए आनंद की ही बात है। जिस दक्षिण के लिए भाजपा अछूत मानी जाती थी, वहां भाजपा स्वीकार होने लगी है।

एक खास बात यह भी है कि इस बार के चुनावों में जनता ने क्षेत्रीय दलों को भी बहुत अच्छा महत्व दिया है। क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व में आने के बाद देश में गठबंधन की राजनीति का युग फिर से आ गया है। राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा और कांग्रेस की उपस्थिति देश के अधिकतर राज्यों में है। बाकी सभी दल राष्ट्रीय फलक पर प्रभाव दिखाने वाले नहीं हैं। इसके अलावा विपक्ष में अभी से बिखराव प्रारम्भ हो गया है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से पूरी तरह से किनारा कर लिया है। ऐसे में विपक्षी गठबंधन पर फिर से सवाल उठने लगे हैं। खैर.. यह राजनीति है, राजनीति में कब क्या हो जाए कहा नहीं जा सकता। लेकिन जहां देश हित की बात आती है तो वहां राजनीति नहीं होना चाहिए। राजनीति रचनात्मक होगी तो ही देश चलेगा, विरोध की राजनीति तो अवरोध पैदा करने वाली होती है।

संपादकीय

दुरुस्त हो योजना

अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों की तीन सेवाओं में सैनिकों की भर्ती के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई योजना है, जिसकी घोषणा जून 2022 में की गई। योजना के तहत भर्ती जवानों को अग्निवीर कहा जाता है। सरकार ने अब इस योजना की समीक्षा का कार्य दस अलग-अलग मंत्रालयों के सचिवों को सौंपा है। वे इस भर्ती को अधिक आकषर्क बनाने के सुझाव भी देंगे। इसकी कमियों को दूर भी किया जा सकता है। यह भर्ती चार साल के लिए होती है, जिसमें नियमित वेतन के अतिरिक्त चार साल पूरे होने के बाद अग्निवीरों को लगभग बारह लाख रुपए मिलते हैं। निश्चित संख्या में तकरीबन पच्चीस फीसद अग्निवीरों को स्थायी सेवा का अवसर भी मिलता है। माना जा रहा है कि अग्निवीर योजना के अंतर्गत वेतन भत्तों में बढ़ोतरी व अन्य लाभ का प्रस्ताव दिया जा सकता है। चूंकि यह योजना सरकार के प्रथम सौ दिन के एजेंडे में शामिल है इसलिए अधिकारी अपनी विस्तृत प्रस्तुति जल्दी ही प्रधानमंत्री कार्यालय को देंगे। आम चुनाव के दौरान इस योजना को विपक्ष द्वारा लगातार निशाने पर रखा गया था। वे अग्निवीर योजना को युवाओं के भविष्य के प्रति खिलवाड़ की तरह पेश कर रहे थे। साथ ही सत्ता में आने पर इसे समाप्त करने की भी बात की जा रही थी। यह मोदी सरकार की रोजगार योजना का अभिन्न हिस्सा है। हालांकि विशेषज्ञों व पूर्व सैनिकों की दलील है कि मात्र छह माह के प्रशिक्षण से सैनिक नहीं तैयार होता। दूसरे, पूर्व-अग्निवीरों को अर्ध-सैनिक बलों या पुलिस बलों जैसी सेवाओं में शामिल न किए जाने को लेकर सरकार की बहुत आलोचना हो रही है। इतना ही नहीं बल्कि इसे मायावी रोजगार कहा जा रहा है। इन्हें देश के सशस्त्र बलों में सेवा के लिए अयोग्य भी घोषित किए जाने को लेकर विवाद है। सेवा की इस अल्प अवधि यानी चार साल बाद ये युवा पुनः बेरोजगारों की श्रेणी में आ जाएंगे। ऐसे में इन्हें अप्रशिक्षित कामगारों के तौर पर काम के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। बाइस साल उम्र में जब ये युवा सेवा से बाहर होंगे तो नए सिरे से इन्हें काम की तलाश में भटकना पड़ सकता है। लाजमी है, सरकार ने इसी तरह की समस्याओं को सुलझाने के लिए समीक्षा व सुझाव की कोशिश की है।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरुरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा।

वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका।

बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा।

विवेक ने कहा-बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

नीट की परीक्षा, हजारों करोड़ रुपए की अवैध कमाई का जरिया

सनत जैन

लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर....

नीट 2024 की परीक्षा में लगभग 24 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए। चिकित्सा शिक्षा को लेकर पिछले कई वर्षों से युवाओं में क्रेज बना हुआ है। दसवीं पास करने के बाद युवा अपने करियर बनाने को लेकर नीट और जेईई मेंन्स जैसे प्रोफेशनल कोर्स की परीक्षा देने की तैयारी शुरू कर देते हैं। इसके लिए 16 वर्ष से लेकर 20 वर्ष तक के बच्चे कोचिंग ज्वाइन करते हैं। बच्चों के माता-पिता कोचिंग संस्थानों को लाखों रुपया प्रतिवर्ष फीस के रूप में देते हैं। जो बच्चे उपरोक्त कोर्स की तैयारी करते हैं, वो दिन-रात पढ़ाई करते हैं। उनका लक्ष्य बड़ा होता है। वह इस प्रतिस्पर्धा के युग में सीमित सीटों पर अपना स्थान बनाकर प्रवेश ले पाएं, इसके लिए जी-जान लगाकर मेहनत करते हैं। अपना परिवार छोड़कर अन्य शहरों में जाकर कोचिंग लेते हैं। पिछले तीन दशक से डिग्री से रोजगार और करियर का जो नया कांसेप्ट सामने आया है, उसके बाद लाखों की संख्या में बच्चे परीक्षा की वर्षों तक तैयारी करते हैं। मांग और आपूर्ति के सिद्धांत में बहुत ज्यादा अंतर होने के कारण, लाखों करोड़ों रुपए की कमाई का जरिया, इस तरह की प्रवेश परीक्षा बन गई है।

नीट वर्ष 2024 में 23 लाख 33297 परीक्षार्थी शामिल हुए। 58263 परीक्षार्थियों ने 620 से लेकर 720 अंक प्राप्त किये। 520 से 620 अंक लाने वाले परीक्षार्थियों की संख्या 1,02,640 है। पिछले 5 वर्षों में 620 से 720 अंक वाले परीक्षार्थियों की संख्या मात्र 13 से 15000 के बीच रही है। इस बार यह संख्या बढ़कर 58263 हो गई है। देशभर में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में लगभग 55000 सीट हैं। इसमें एम्स की सीटें भी शामिल हैं। एम्स एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों में सबसे ज्यादा नंबर पाने वालों को प्राथमिकता से नेशनल काउंसलिंग में प्रवेश मिल जाता है। यहां पढ़ने वाले छात्रों की फीस बहुत कम होती है। उसके बाद राज्यों के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में राज्यों के प्रतियोगियों को प्रवेश मिलता है। इस साल नीट के जो परिणाम आए हैं, उसमें नामांकन से लेकर प्रवेश परीक्षा में कई विसंगतियां सामने आई हैं। रजिस्ट्रेशन विंडो 16 मार्च को बंद कर दी गई थी। इसके बाद रजिस्ट्रेशन विंडो को अप्रैल माह में 1 दिन के लिए खोल दिया गया। इस 1 दिन में करीब 24240 बच्चों ने अपना पंजीयन कराया। इसकी जानकारी छात्रों को नहीं थी। इसका फायदा कुछ कोचिंग सेंटरों के द्वारा उठाया गया। यह कार्य प्रक्रिया पहली बार नेशनल टेस्ट एजेंसी द्वारा अपनाई गई। इस वर्ष एजेंसी द्वारा जो छात्र लेट प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए थे। उन्हें ग्रेस मार्क्स देने का नया नियम बनाया गया। छात्रों को मनपसंद सेंटर चुनने का प्रावधान किया गया। हरियाणा के परीक्षार्थियों ने बिहार के सेंटर चुने। इसी तरह अन्य राज्यों के हजारों परीक्षार्थियों ने दूसरे राज्यों के हजारों किलोमीटर दूर परीक्षा सेंटर में जाकर परीक्षा दी। नीट की परीक्षा में पहली बार 67 छात्रों को 100 फीसदी 720 अंक प्राप्त हुए। वहीं 58263 परीक्षार्थी 620 अंक से लेकर 720 अंक लेकर सफल हुए। सरकारी मेडिकल कॉलेज में इनका एडमिशन नीट के परीक्षा परिणाम के कारण होना तय हो गया। 2023 में 620 से लेकर 720 अंक पाने वालों की संख्या मात्र 13291 थी। परीक्षा परिणाम निर्धारित तिथि के पहले घोषित होने के बाद, बिहार में पेपर लीक करने का मामला तूल पकड़ गया। बिहार में जांच एजेंसी ने 13 आरोपी गिरफ्तार किए, जिन्होंने स्वीकार किया कि पेपर लीक हुआ था। उन्हें पेपर के संबंध में जानकारी देने एक अलग स्थान पर ले जाकर प्रश्नों के उत्तर को याद कराया गया। इसके बाद गुजरात के गोधरा में भी इसी तरह का एक मामला सामने आया। धीरे-धीरे प्याज की परतों की तरह एक-एक परत खुलती गई। बिहार में जो आरोपी गिरफ्तार हुए, उन्होंने 30 से 40 लाख रुपए देने का पुलिस को बयान दिया। जिससे यह प्रमाणित हुआ कि परीक्षा के पहले पेपर लीक हुआ है। कोचिंग चलाने वाले सेंटर एवं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के बीच कोई ना कोई संबंध जरूर है। जिसके कारण कोचिंग सेंटर के परीक्षार्थियों ने 30 से 40 लाख रुपया देकर, प्रवेश परीक्षा परिणाम में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। नीट की परीक्षा के जो परिणाम सामने आए हैं, उसके अनुसार देश में करीब 100000 सीटों पर एमबीबीएस के लिए प्रवेश होना है। उसमें से 55000 सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सीट हैं। लगभग 45000 सीटों पर निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस के लिए प्रवेश होना है। इस परीक्षा परिणाम से सबसे ज्यादा नुकसान एसटी, एससी और मेधावी परीक्षार्थियों को हो रहा है। निजी मेडिकल कॉलेज में भी उन्हें प्रवेश मिलना संभव नहीं होगा। जिस तरह से परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। पूरे देश के सभी राज्यों में कोचिंग सेंटर्स का मकडजाल फैल गया है। इसमें परीक्षार्थियों के माता-पिताओं को दिवा-स्वप्न दिखाकर कोचिंग के नाम पर लाखों रुपए पहले वसूल किए जाते हैं। उसके बाद एडमिशन कराने के नाम पर प्रति छात्र लाखों रुपए की वसूली इन कोचिंग सेंटरों के माध्यम से की जा रही है। हजारों करोड़ रुपए का लेन-देन, हर साल मेडिकल में प्रवेश दिलाने के नाम पर घोटाले और घपले हो रहे हैं। इसमें नेशनल टेस्ट एजेंसी और कोचिंग सेंटर की मिलीभगत के आरोप लगते आ रहे हैं। राजनीतिक संरक्षण के कारण शिक्षा माफिया का यह धंधा बड़ी तेजी के साथ फल-फूल रहा है। हर साल लाखों छात्र-छात्रा इस दौड़ में शामिल होते हैं। कोचिंग में लाखों रुपए प्रति छात्र खर्च करते हैं। नेशनल टेस्ट एजेंसी भी परीक्षा फीस के नाम पर अरबों रुपए छात्रों से वसूल करती है। लाखों रुपए की मोटी फीस देने के बाद ही एमबीबीएस के लिए प्रवेश मिल पाता है। इस साल नेशनल टेस्ट एजेंसी ने अपनी सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। जिसके कारण यह देश का शिक्षा माफिया का सबसे बड़ा घोटाला बन गया है। इसी तरह के घोटाले मध्य प्रदेश में व्यापम के माध्यम से हुए थे, जिसकी सीबीआई जांच हुई, लेकिन गाज छात्रों और उनके परिवारजनों पर गिरी। एक दशक बीत जाने के बाद भी व्यापम घोटाले के मुख्य आरोपियों को सजा नहीं मिल पाई। जांच के नाम पर सभी मगरमच्छ राजनेताओं और अधिकारियों को बचा लिया गया। कुछ इसी तरह की स्थिति नीट 2024 के परीक्षा परिणाम के बाद देखने को मिल रही है। नीट परीक्षा परिणाम के बाद अब इसमें भी लीपापोती के प्रयास शुरू हो गए हैं। इस घपले घोटाले में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, नेशनल टेस्ट एजेंसी और कोचिंग संचालकों की कथित मिली भगत है। करीब 24 लाख परीक्षार्थियों के करोडों परिवारजन परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं। जिन लोगों द्वारा पेपर लीक कराया गया है, उन्हें कड़ी सजा देने की मांग की जा रही है। देश भर में आंदोलन हो रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने नेशनल टेस्ट एजेंसी के प्रमुख को ही अध्यक्ष बनाकर, जांच कराने की बात कही है। सरकार स्वीकार नहीं कर रही है कि कोई गड़बड़ी हुई है। इससे स्पष्ट है, लीपा-पोती करने के प्रयास शुरू हो गए हैं। परीक्षा में बैठे हुए छात्र-छात्राओं में भयंकर रोष है। देखना यह है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या रुख अख्तियार करता है। 8 जुलाई को इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। 6 जुलाई से काउंसलिंग शुरू हो जाएगी। जिसके कारण छात्रों में गुस्सा बढ़ रहा है। विपक्षी राजनीतिक दलों ने भी इस परीक्षा परिणाम को निरस्त करने की मांग की है। पुनः परीक्षा कराया जाना ही इसका एकमात्र विकल्प है। इस परीक्षा को निरस्त कर जो अगली प्रवेश परीक्षा हो, वह पूरी पारदर्शिता और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो। तभी नेशनल टेस्ट एजेंसी और सरकार के ऊपर भरोसा कायम हो सकता है। देशभर में हजारों याचिकाएं हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई हैं। न्यायपालिका के ऊपर सभी की आशा की निगाहें टिकी हुई हैं। नीट एग्जाम के वर्तमान परीक्षा परिणाम को तुरंत निरस्त नहीं किया गया, तो इसके बड़े विनाशकारी परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

वैश्विक शांति में भारत की भूमिका

संजीव ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद पांचवीं बार जी-7 सेवन की महत्त्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए हैं। निश्चित तौर पर यह बैठक वैश्विक परिदृश्य के लिए महत्त्वपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने अभी तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, खंस के राष्ट्रपति इमानुएल मेंक्रो एवं इटली की राष्ट्र प्रमुख मेलोनी तथा यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्सकी से अलग-अलग मुद्दों पर द्विपक्षी बैठक संपन्न की है। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी मुलाकात संभावित है। जी-7 के सदस्य देशों ने चीन पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की बैठक में पुरजोर कोशिश की गई है। इसके अलावा पुतिन पर यूक्रेन के साथ युद्ध विराम करने के लिए भरसक प्रयास किया गया। पर भारत और अन्य जी-7 के सदस्य देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर गंभीर मुद्दों पर नए पहलुओं पर विचार कर रहे हैं।

भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहार्द का सर्वकालिक समर्थक रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध

विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी हुए हैं। यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेंस्की अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक-दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े हैं। अब इस्त्राइल-हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है।

भारत ने आतंकवादी संगठन हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है। दूसरी तरफ इस्त्राइल की बमबारी से घायल हुए फिलिस्तिनी नागरिकों के लिए सैकड़ो टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध रूस के साथ-साथ जी-7 के सदस्य देश अमेरिका, ब्रिटेन, खंस, इटली जापान, कनाडा और नाटो देशों से भी मधुर हैं। इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया, 120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता जबकि भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत के लिए आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आहूत शांति प्रयासों तथा शांति निर्वहन संक्रियाओं का समर्थन कर रचनात्मक सहयोग हरसंभव किया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आह्वान पर कोरिया, वियतनाम, लागोस, मिस्त्र, सीरिया, लाइबेरिया, युगोस्लाविया, नामीबिया, सोमालिया, सूडान सहित अनिगनत देशों में अपनी सेनाएं वहां पर शांति बहाली के लिए अलग-अलग समय में उपलब्ध करवाई थी। भारत द्वारा विश्व शांति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ शांति अभियानों में अनथक एवं बहुत बड़ा सहयोग किया है। उन्होंने कई देशों के मध्य पर्यवेक्षक की भूमिका भी सफलतापूर्वक निभाई है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत को शांति निरीक्षण आयोगों, समितियों तथा अंतरिम विभास बहाली कार्यक्रमों में बतौर सदस्य नामित भी किया है। इस भूमिका को भी भारत ने बहुत सफलतापूर्वक निर्वहन किया है, वैसे भी भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का प्रबल पक्षधर रही है। इसीलिए भारत सरकार ने न सिर्फ संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति बहाल अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया बल्कि विश्व के अनेक तनावग्रस्त संकटग्रस्त एवं युद्ध देशों के मध्य अपनी कूटनीतिक राजनैतिक भूमिका भी कर्मठता से निभाई है। संयुक्त राष्ट्र संघ बहुत महत्त्वपूर्ण होकर जटिल भी होते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की हर भूमिका को बड़े ही शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में निपटाने का कार्य बखूबी निभाया है। और भारत राष्ट्र जिस तरीके से आत्मनिर्भर होकर विदेश की सरकारों से अपने संबंध स्थापित किए हैं, उससे यह दिन दूर नहीं जब भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्य बनाकर, वैश्विक शांति के लिए शांतिदूत का दर्जा दिया जाएगा।

एक नजर

एसडीपीओ ने मिर्जाचौकी में किया दो कांडों का पर्यवेक्षण

मंडरो : अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किशोर तिर्की ने रविवार को मिजाचौकी थाना क्षेत्र के दामिनभीठा एवं गोसाईचक गांव पहुंचकर दो अलग-अलग कांड पहला डायन बिसाही से संबंधित और दूसरा गोसाईचक में हुई हत्या से संबंधित मामला का पर्यवेक्षक किया। एसडीपीओ ने कांड से संबंधित स्थल का निरीक्षण किया और उन्होंने कांड से संबंधित विस्तृत जानकारी लिया। मिजाचौकी थाना में लंबित कई कांडों को निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। बकरीद पर्व को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिया। इस मौके पर एसआई पवन कुमार, एएसआई राजा राम उपस्थित थे।

ऑटो स्टैंड के पास प्रतिदिन रात में लगता है शराबियों का जमावड़ा

मंडरो : मिजाचौकी थाना क्षेत्र के सीमावर्ती ठाकुरगंगटी थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडरो बाजार स्थित यात्री विश्राम गृह में शाम ढलते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है। उक्त ताजा तस्वीर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि चारों तरफ फैली शराब की दर्जनों बोतलों का अंबार लगा हुआ है जबकि भगैया-मंडरो बाजार मुख्य सड़क के रास्ते ठाकुरगंगटी और मिजाचौकी थाना की पुलिस नियमित रात्रि में पेट्रोलिंग करती है इसके बावजूद देर रात तक शराबी शराब पीते हुए देखे जाते हैं। सबसे आश्चर्य की बात है कि जिस स्थान पर शराबियों का जमावड़ा लगता है उससे महज 10 कदम की दूरी में ठाकुरगंगटी प्रखंड के विद्या का मंदिर सरकारी स्कूल संचालित है। जहां की प्रतिदिन हजारों बच्चे शिक्षा ग्रहण करने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे शराबियों के विरुद्ध कार्रवाई के बदले ठाकुरगंगटी थाने एवं सीमावर्ती मिजाचौकी थाना की पुलिस मुख दर्शक बनी हुई है। जिस स्थान पर शराबियों का जमावड़ा लगता है वह स्थान यात्रियों को बैठने के लिए विश्राम स्थल बताया जा रहा है।

21 को मनाया जाएगा 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बरहेट : आगामी 21 जून को दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। अत: योग शिक्षक राजू साह ने भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी प्रारंभ कर दी है। इन्होंने रविवार को लगभग 100 बच्चों के साथ योगाभ्यास किया। इसके साथ ही विभिन्न आसनों को कराते वक्त उनके फायदे भी गिनाए। योग शिक्षक राजू साह ने कहा कि आज समाज में बढ़ती शारीरिक व मानसिक समस्या से लोग काफी परेशान हैं। ऐसे समय में योग ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा लोग इन सारी समस्याओं से बाहर आ सकते हैं। आज सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में योग को लोग अपना रहे हैं और अपनी शारीरिक व मानसिक समस्याओं से निजात पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पूरे विश्व पटल पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दिलाने के पश्चात योग का प्रचलन और बढ़ गया है। सभी लोग योग को अपना रहे हैं।

बकरीद आज, लोगों में उत्साह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : त्याग और बलिदान का महापर्व बकरीद पूरे क्षेत्र में उत्साह के साथ गले से गले मिलाकर मनाया जाएगा। इस दौरान साहिबगांज जिला के सभी स्थानों पर स्थित ईदगाहों में बकरीद पर्व का विशेष नमाज पढा.जाएगा। जहां काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग सोमवार सुबह पवित्र बकरीद की नमाज अदा कर एक-दूसरे को गले मिलकर आपसी सौहार्द एवं भाईचारा का संदेश देगें। इसके बाद त्याग और बलिदान के प्रतीक अपने पसंदीदा पशुओं की कुबार्नी दी जाएगी। पर्व को लेकर स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन के द्वारा चौकसी बढ़ा दी गई है। ईदगाहों में नमाज के वक्त पुलिस पदाधिकारी के साथ-साथ पुलिस के जवान को तैनात किया जाएगा। इस मौके पर जिला के सभी थाना प्रभारी ने

बकरीद का पर्व शांति पूर्वक मनाने का अपील किया है। बताया जाता है कि बकरीद का तात्पर्य सिर्फ कुबार्नी देना ही है बल्कि अल्लाह ताला एवं खुदा के समक्ष अपनी अजीज इच्छाओं एवं भावनाओं को समर्पण करने का पर्व है। लोग हजरत इब्राहिम की कुर्बानियों का अपने जीवन में अमल करें। जिसने खुदा के समक्ष अपने एकलौते पुत्र की कुबार्नी देकर दुनिया को त्याग और बलिदान का संदेश दिया था।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए बकरीद

मंडरो : मिजाचौकी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक रविवार को हुई। बैठक में मिजाचौकी थाना के एसआई सुबोध मरांडी ने ग्रामीणों व थाना क्षेत्र में रहने वाले लोगों से बकरीद पर्व को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने, बकरीद पर्व में होने वाली कुबार्नी को घरों में नियम के साथ करने की अपील की। वहीं, कहा कि कुछ शरारती तत्वों के कारण दोनों पक्ष के लोगों को झेलना पड़ता है। सोशल मीडिया में दिखाए जाने वाले झगड़ा व तनाव से माहौल खराब होने की शुरूआत होती है। इसलिए लोग किसी तरह की अफवाह में न आएं। खासकर सोशल मीडिया में किसी भी अफवाह के दिखाई देने वाले मैसेज को एक-दूसरे के पास फॉरवर्ड न करें। ऐसे लोगों पर प्रशासन और पुलिस की पैनी नजर रहेगी। ऐसे लोगों को चिन्हित कर उस पर गाड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शांति समिति की बैठक में पहुंचे विभिन्न गांव से दोनों समुदाय के लोगों ने सर्व सहमति से बकरीद पर्व को भाईचारे पूर्ण वातावरण में मनाने का निर्णय लिया।

सिंचाई कूप में अनियमितता की शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददात

साहिबगंज : जिला बरहरवा प्रखंड अंतर्गत पंचायत बड़ासोनाकर में सरकारी राशि का कर रहे हैं दुरुपयोग 2 साल पहले सिंचाई कुआं बनाया गया था अब उसी जगह ठीक 3 फीट की दूरी पर पेयजल के लिए कूप निर्माण किया जा रहा है, लेकिन कूप निर्माण में खुदाई की गई मिट्टी को 2 साल पहले बने सिंचाई कुआं में मिट्टी फेंक कर सिंचाई कुआं का नामोनिशान मिटाने का पूर्ण प्रयास कर रहे हैं। ग्राम पंचायत के बिचौलिया इस तरह से कर रहे हैं मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार के साथ ही साथ ऐसा प्रतीत होता है कि योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिकारियों पदाधिकारी द्वारा योजनाओं एवं स्थल का भौतिक सत्यापन नहीं किया जा रहा है। योजनाएं सिर्फ खानापूर्ति और भ्रष्टाचार के लिए किया जा रहा है। ग्राम पंचायत बड़ासोनाकर के पंचायत समिति मिस्टर अंसारी ने बताया कि इस तरह का योजना प्रखंड के अधिकारी पदाधिकारी ग्राम के बिचौलिया को ही लाभ मिलता है। मैंने रोजगार सेवक को इस तरह के योजना पर रोक लगाने की बात कही तो उन्होंने साफ-साफ मना कर दिया और इसी तरह से मनरेगा योजना में व्यापक पैमाने में भ्रष्टाचार कर रहे हैं। जिला प्रशासन को जांच कर कार्रवाई करना चाहिए।

मादक पदार्थ के उपयोग के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग अंतर्गत खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची के निर्देश पर जिला खेल कार्यालय, साहिबगंज के द्वारा आज दिनांक 16 जून 2024 को सिद्धू कान्हू स्टेडियम, साहिबगंज में मादक पदार्थ दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहिबगंज जिला में संचालित आवासीय, डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र एवं खेलो इंडिया सेंटर के सभी खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मैराथन दौड़, पेंटिंग प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता कराया गया। मैराथन दौड़ के बालक वर्ग में विजेता खिलाड़ियों ने जीत हासिल की सनोते मरांडी, अमन, भुवन कुमार, छाकू टुडू, जमशेद अंसारी, मिथुन कुमार सिंह मैराथन दौड़ के बालिका वर्ग

में विजेता खिलाड़ियों ने जीत हासिल की क्रांति कुमारी, सीमा हेंब्रम, अनोखी कुमारी, रोशनी कुमारी, रोशनी महाल्दार, चुम्की कुमारी। पेंटिंग प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों के ने जीत हासिल की सिमरन कुमारी, कृष्ण कुमार यादव। भाषण प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों ने जीत हासिल की रिद्धिमा दुबे, सानू कुमार, क्विज में विजेता खिलाड़ियों ने जीत हासिल की अनीश कुमार, कृष्ण कुमार यादव। कार्यक्रम में जिला खेल पदाधिकारी, साहिबगंज राजेश कुमार चौधरी ने जानकारी दी कि सभी प्रशिक्षण केन्द्रो में मादक पदार्थ दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर गौतम कुमार झा, लिपिक जिला खेल कार्यालय, आलोक कुमार प्रशिक्षक आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, आलोक कुमार प्रशिक्षक डे बोर्डिंग बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, प्रकाश सिंह बादल प्रशिक्षक खेलो इंडिया कुश्ती सेंटर, साहिबगंज, निमाई चौधरी, जिला खेल कार्यालय के सभी कर्मी एवं खेल प्रेमी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मादक द्रव्यों के विरुद्ध उन्मुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड शिक्षा परियोजना साहिबगंज के द्वारा मादक द्रव्यों के दुरुपयोग हेतु जागरूकता अभियान जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन नगर पालिका कन्या उच्च विद्यालय में किया गया। उक्त कार्यशाला का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमार हर्ष के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी मनोज कुमार के द्वारा मादक द्रव्यों के प्रकार और हानिकारक प्रभाव के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमार हर्ष के द्वारा बताया गया कि ट्रांजिशन बच्चे ड्रॉप आउट होना एक गंभीर समस्या है जिसको समाप्त करना है, प्रोजेक्ट रेल एवं पंजी संधारण करते हुए उत्तर की प्रविष्टि ई विद्या वाहिनी में समय पर करना, जय गुरुजी एप्स को सभी सीआरपी, बीआरपी के साथ-साथ विद्यालय के सभी शिक्षकों को अपने

मोबाइल में इंस्टॉल करना है, विद्यालय स्तर पर जिम्मेदारी पंजी संधारित हो, प्रोजेक्ट इपैक्ट संबंधित विद्यालय जिनका लो कॉस्ट नो कॉस्ट एवं हाई कास्ट स्कोर कम हो सभी विद्यालय अपना स्थिति को सुधार करते हुए दोबारा मूल्यांकन करेंगे।अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव के द्वारा बताया गया कि मादक द्रव्यों तथा नसा के दुष्परिणाम से निपटने के लिए समाज एवं शिक्षा प्रतिष्ठानों को जागरूक किया जाए एवं तिथि वार विद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधि कराया जाए जिससे समाज में अच्छा प्रभाव डाला जा सके। सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार के द्वारा निपुण भारत एवं टी एल एम के बारे में बताया गया। अंतिम में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आशीष कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुए एकदिवसीय कार्यशाला का समापन किया गया। इस कार्यशाला में उपस्थित जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमार हर्ष, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव, जिला एमआईएस मनीष कुमार, क्षेत्र प्रबंधक जयंत कुमार और सभी प्रखंड से आए हुए बीपीओ, बीआरपी एवं सीआरपी उपस्थित थे।

स्वाधीनता पार्टी की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : निजी होटल शांति इंटरनेशनल होटल देवघर झारखंड में स्वाधीनता पार्टी का आगाज किया गया। स्वाधीनता पार्टी की एक बैठक कुंदन कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसका मंच संचालन धीरेंद्र कुमार गुप्ता एवं कृष्ण कुमार गुप्ता ने किया।कुंदन कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में समाज को संगठित होने पर बल दिया। इस बैठक में स्वाधीनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमर शंकर प्रभात, राष्ट्रीय महासचिव राजेश कुमार गुप्ता ,उपाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता एवं अन्य सक्रिय कार्यकारी सदस्ययों ने हिस्सा लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी का विस्तार करते हुए झारखंड में पार्टी के लिए प्रदेश अध्यक्ष ,प्रदेश उपाध्यक्ष,प्रदेश महासचिव ,प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रवक्ता का चयन सभी के सर्वसम्मति से किया। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष कुंदन कुमार गुप्ता देवघर, उपाध्यक्ष संदीप विवेक देवघर, सचिव संजीव कुमार गुप्ता गोड्डा, कोषाध्यक्ष राजेश साह धनबाद एवं प्रवक्ता राजेश कुमार साह

पालोजोरी को चुन कर स्वाधीनता पार्टी का नीव रखा गया। उन्होंने आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी को झारखंड में प्रत्येक बूथ लेवल तक ले जाने की जिम्मेदारी तय की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्वाधीनता पार्टी के बायलॉज के बारे में विस्तार से सभा के बीच साझा किया और अपने समाज को जितनी भागीदारी उतनी हिस्सेदारी का नारा देते हुए सभी सक्रिय वैश्य सभा के लोगों को एकजुट होकर मजबूती के साथ स्वाधीनता पार्टी को आगे ले जाने पर बल दिया। झारखंड प्रदेश के सभी जिला से आए हुए अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा के पदाधिकारियों ने अपना अपना विचार परकट करते हुए स्वाधीनता पार्टी को समर्थन दिया।

दून्दीबाग के नागरिकों ने सांसद ढुल्लू महतो का किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद नवनिर्वाचित धनबाद लोकसभा के सांसद ढुलू महतो का बोकारो विधानसभा क्षेत्र के कोऑपरेटिव मंडल के दून्दीबाद मे नागरिकों द्वारा भव्य स्वागत व अभिनंदन समारोह मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह के अध्यक्षता में हुई। नागरिको द्वारा नवनिर्वाचित सांसद ढुलू महतो को पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।बोकारो विधानसभा क्षेत्र में शहरी हो या ग्रामीण क्षेत्र भाजपा को अधिकतर बूथों पर जीत मिली। झारखंड के पहला विधानसभा जहाँ सर्वाधिक मत 1 लाख 67 हजार से भी अधिक भाजपा प्रत्याशी को मिला। बोकारो विधानसभा के सभी 9 मंडलों मे भाजपा ने लीड देकर धनबाद लोकसभा के सभी 6 विधानसभा में सबसे अधिक मतों से लीड दिला कर

ढुलू महतो को 650065 वोटो से जीत मे अहम योगदान दिया। नवनिर्वाचित सांसद ढुलू महतो में सभी का आभार जताते हुए कहा कि आपने जो भरोसा भाजपा पर जताया है उस भरोसे को कायम रखूँगा। मे भी आपके तरह गरीब परिवार मे जन्म लिया ओर संघर्ष कर आज आपके बीच हूँ। दून्दी बाद का चौमुखी विकास करूँगा हर जरूरी सुविधाओं से इस क्षेत्र का विकास करूँगा। मे व आपके विधायक मिलकर आपके सुख दुख के साथी बनूंगा। बहुत जल्द बोकारो विधायक के प्रयास से यहां रोड का अनुशंसा हुई थी उसका शिलान्यास होगा। आपके लिये 24 घण्टे आपके साथ हूँ। बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने दून्दी बाद के जनता का आभार प्रकट किया। उन्होनें कहा कि आपके बिसवास से ही आज धनबाद मे लगातर चौथी बार कमल खिला है। यह क्षेत्र हमेशा भाजपा के पक्ष मे अपना समर्थन दिया है। आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करूंगा। आपका बिसवास सदैव बना रहे। भाजपा नेता निवारण प्रसाद महतो , संचालन श्री मनोज सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में मूल रूप से उपस्थित देव शंकर वर्मा जी, शंकर गुप्ता जी, प्रभुनाथ शाह जी, नीरज ठाकुर जी, नवीन कुमार जी, कमलेश सिंह जी, चंद्रबली सोनकर जी, राजेश कुमार जी, प्रहलाद प्रसाद वर्मा जी, जिला के महामंत्री श्री संजय त्यागी जी,वरीय उपाध्यक्ष श्री दिलीप श्रीवास्तव जी,उपाध्यक्ष श्री कमलेश राय जी, कार्यालय मंत्री इंद्र कुमार झा जी,उमेश शर्मा जी,अमर स्वर्णकार जी, माथुर मंडल जी, हरला मंडल के सम्मानित अध्यक्ष विनय किशोर जी को-ऑपरेटिव मंडल के महामंत्री जितेंद्र साव जी,वरीय उपाध्यक्ष प्रकाश चटर्जी जी,उपाध्यक्ष सुमंत सिंह जी, पिंकु सिंह जी,सतीश सिंह,अभिषेक मिश्रा जी,आदित्य सिन्हा जी,दीपक सिंह जी, आनंद जी एवं गंदी बात बाजार के सैकड़ो व्यवसाय गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

महानगर जिलाध्यक्ष का स्वागत, बासुदेव मंडल को अध्यक्ष बनाने की कार्यकर्ताओं ने रखी मांग

पटमदा : लोकसभा चुनाव के बाद दौरे के क्रम में पहली बार पटमदा पहुंचने पर रविवार को भाजपा पटमदा मंडल के पुराने कार्यकर्ता बाबलु दत्त के नेतृत्व में कार्यकताओं ने जमशेदपुर महानगर के जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा का बेलटांड़ चौक पर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने सभी कार्यकताओं से मिलकर हालचाल जाना और क्षेत्र की सांगठनिक जानकारी ली। मौके पर मौजूद कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष से भाजपा पटमदा मंडल के पूर्व मंडल अध्यक्ष सह पूर्व बीस सूत्री सदस्य बासुदेव मंडल को विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले मंडल अध्यक्ष चुनाव में पुन: पटमदा मंडल अध्यक्ष बनाने की मांग रखी। जिलाध्यक्ष ने कार्यकताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपलोगों की मांग को मैं पार्टी के वरीय पदाधिकारियों के समक्ष रखूंगा। इस दौरान मुख्य रूप से बाबलु दत्त, निरंजन रजक, विमल मंडल, सुभाष माहली, गोपाल माहली, रेवती महतो, बंकिम महतो, मंगल सिंह, समीर कैवर्त, सुनील रजक, विमल कैवर्त, कन्हाई प्रमाणिक, कृष्णपद महतो, आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चीन के गलवान घाटी में शहीद कुंदन ओझा की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई

साहेबगंज : जिला के सदर प्रखंड के डिहारी गाँव के रहने वाले वीर शहीद जवान कुंदन ओझा की बनी स्मारक पर शनिवार को डिहारी एनएच 80 के पास स्मारक को काफी अच्छे तरीके के साथ फूलों की माला से सजाया सांवरा गया था। जहाँ वीर शहीद कुंदन ओझा 16 जून को ही चीन की घाटी में चीनी सेना के साथ लडाई मे शहीद हो गए थे। वह अपनी जान की प्रवाह किए बीना लड़ाई मे वीरगति को प्राप्त हुए थे। अपने भारत माता की रक्षा के लिए अपनी जान की बलिदान दे दिए। आज उसे पुरा देश नमन करता है। शहीद कुंदन ओझा अपने पीछे एक पुत्री दीक्षा कुमारी उर्फ (लाल) व पत्नी नर्मता कुमारी और बूढ़े माँ बाप को छोड़कर दुनिया से चल बसे।लेकिन अपनी एक छाप आने वाले पीढ़ी के लिए छोड़कर गए हैं, जिन्हें लोग हमेशा याद करते रहेगे। वही इस पुण्यतिथि के कार्य क्रम मे साहेबगंज पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने शहीद कुंदन ओझा के पिता रविशंकर ओझा को अंग वस्त्र व पुष्प देकर सम्मानित किए। जहाँ रवि शंकर ओझा ने बुलंद आवाज मे भारत माता की जयकारा भी लगाए।इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव व जिला वन पदाधिकारी मनीष कुमार को अंग वस्त्र व पुष्प देकर सम्मानित किया। उसके उपरांत शाहिद कुंदन ओझा की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित कर उन्हे नमन किया गया। वही पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है, कि अपने भारत माता की रक्षा करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दिए। इस तरह के वीर सपूत हर मां पिता को मिले जिससे कि हमारे देश की रक्षा हो सके व हर एक माता पिता को अपने पुत्रो के कर्मो से गौरवान्वित महसूस कर सके। वही इस कार्यक्रम में सूबेदार मेजर नागेंद्र नाथ साहा, सूबेदार गौतम गिरी, सूबेदार दिन दयाल कुसवाहा, भुलन दुबे, गंगा सागर यादव, वकील यादव, व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

100 साल बाद दुर्लभ संयोग पर श्रद्धालुओं ने धूमधाम से मनाया गंगा दशहरा

साहिबगंज : सनातन धर्म के पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा का पावन पर्व मनाया जाता है। गंगा दशहरा को गंगा अवतरण के नाम से भी जाना जाता है। गंगा दशहरा का पावन पर्व माँ गंगा को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन माँ गंगा भगवान भोलेनाथ की जटाओं से पृथ्वी पर अवतरित हुई थी। इस वर्ष गंगा दशहरा के पावन पर्व को बहुत ही खास माना जा रहा है। ज्योतिष शास्त्रों के मुताबिक गंगा दशहरा के पावन पर्व पर हस्त नक्षत्र, सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग तथा रवि सिद्धि योग का विशेष संयोग का निर्माण होने वाला है। गंगा स्नान करके पूजन करके दीप दान करने का विशेष महत्व है। जहां शहर सहित जिला के गंगा घाटों में श्रद्धालुओं की भीड़ आस्था की डुबकी लगाने उमड़ने लगी। मुक्तेश्वरधाम बिजली सीढ़ी गंगा घाट तट पर मां गंगा की प्रतिमा स्थापित करके विधिवत पूजन हो किया गया। आज गंगा में आम चढ़ाया और लुटाया गया। मां गंगा को दीप दान भी किया गया। आज भक्त गंगा में हजारों दीप दान करके मां गंगा से मन वांछित मनोकामना मांगे। साहिबगंज के मुक्तेश्वरधाम बिजली सीढ़ी गंगा घाट और राजमहल के सिंघी दालान गंगा घाट में आरती के लिए बनारस से गंगा आरती करने वाली टीम अपने साजो सामग्री के साथ पहुंचा। साहिबगंज में लगभग 3 दर्जन से ज्यादा टीम जिसमे आरती, चवर वादक, डमरू वादक, शंख वादक, भजन करने वाले थे। वही शाम 6 बजे से साहिबगंज के बिजली घाट पर गंगा आरती की और आरती लगभग एक से डेढ़ घंटा चली। इससे पूर्व मां गंगा की विशेष पूजन अर्चना किया गया। गंगा घाट के रास्ते के सभी मंदिरों को सजाया गया है।

सेंसेक्स के 82000 के पार जाने की उम्मीद: रेटिंग एजेंसी

- बाजार में एक साल में मिल सकता है 14 फीसदी का रिटर्न

नई दिल्ली ।

एक रेटिंग एजेंसी का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को एक साल में 14 फीसदी तक का रिटर्न मिल सकता है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स इस दौरान 82,000 के पार जा सकता है। यह भारत का अब तक का सबसे लंबा और मजबूत तेजी वाला बाजार होगा। सेंसेक्स अभी 77,000 के करीब है। रे टिंग एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय शेयर बाजार लगातार नई ऊंचाईयां बना रहा है। अब यह देखना है कि बाजार को भौतिक रूप से ऊपर कैसे ले जाया जा सकता है। नई सरकार में नीतिगत बदलाव होने की संभावना है। इससे बाजार आश्चर्यचकित कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में यह दशक भारत का दशक रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के फिर से सत्ता में आने से बाजार को अनुमान है कि नीतिगत फैसले बरकरार रहेंगे। यह फैसले आने वाले पांच वर्षों में विकास और इक्विटी रिटर्न को प्रभावित करेंगे। हमारा मानना है कि सरकार नीति को बनाए रखने के लिए वृहद स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करना जारी रख सकती है। रिपोर्ट के अनुसार सरकार की निरंतरता के साथ, बाजार

संरचनात्मक सुधारों की उम्मीद कर सकता है।

बढ़ती जीडीपी वृद्धि के साथ मैक्रो स्थिरता को उभरते बाजारों की तुलना में भारत के बेहतर प्रदर्शन को बढ़ाना चाहिए। रेटिंग एजेंसी ने इससे पहले 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर के अनुमान को संशोधित कर 6.8 प्रतिशत कर दिया था। पिछले दशक में महत्वपूर्ण फैसलों में नीतिगत सुधार, महंगाई घटाने पर जोर, जीएसटी कानून, दिवालियापन कोड, रेरा और कॉरपोरेट की कम कर दरों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक सुधार और बुनियादी ढांचे शामिल हैं।

मोदी 3.0 के सत्ता में आने से अगले पांच वर्षों में सकारात्मक संरचनात्मक बदलाव के रूप में और भी बहुत कुछ हो सकता है।

इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख पर निर्भर करेगी: विश्लेषक

- कच्चे तेल के भाव और रुपए का उतार-चढ़ाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा

मुंबई ।

घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख संकेतक के अभाव में इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख पर निर्भर करेगी। कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान बाजार मुख्य रूप से विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से दिशा लेगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाला है और किसी बड़े संकेतक का अभाव है। हालांकि, बजट को लेकर चर्चा के बीच हमें क्षेत्र विशेष के शेयरों में गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मुख्य रूप से बाजार का रुख मानसून की प्रगति तथा संस्थागत निवेशकों के प्रवाह पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर चीन के आंकड़े, डॉलर सूचकांक का उतार-चढ़ाव तथा अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। सोमवार को बकरीद के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि सोमवार की अवकाश के कारण यह कम कारोबारी सत्रों वाला सप्ताह है। सप्ताह के दौरान बाजार भागीदारों की निगाह वैश्विक बाजारों, विशेषरूप से अमेरिकी बाजार पर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू बाजार सोमवार को बंद रहेंगे, जबकि वैश्विक स्तर पर निवेशकों की निगाह बैंक ऑफ इंग्लैंड के ब्याज दर को लेकर निर्णय पर रहेगी। हमें उम्मीद है कि सकारात्मक वृहद रुझान, सरकारी खर्च जारी रहने और नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता की उम्मीद के बीच बाजार में तेजी का रुख कायम रहेगा।

इस सप्ताह आईपीओ बाजार में रहेगी चहल-पहल

17 जून से शुरू हो रहे सप्ताह में 9 आईपीओ लॉन्च होंगे

नई दिल्ली ।

अगले सप्ताह आईपीओ बाजार में खूब हलचल रहेगी। 17 जून से शुरू हो रहे सप्ताह में 9 आईपीओ लॉन्च होंगे। इनमें मेनबोर्ड के 3 तो एसएमई सेगमेंट के 6 इशे यू शामिल हैं। 17 जून को शेयर बाजार बकरीद पर बंद हैं। इसलिए शेयर बाजार के लिए सप्ताह की शुरुआत 18 जून से होगी। नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी एकमेफिनट्रेड इंडिया का आईपीओ 19 जून को खुलेगा तथा 21 जून को बंद होगा।

इश्यू का प्राइस बैंड 114 से 120 रुपये प्रति शेयर है। लॉट साइज 125 शेयर है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 132 करोड़ रुपये जुटाने चाहती है। शेयरों की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर 26 जून को होगी। मेनबोर्ड आईपीओ डी पाइपिंग सिस्टम्स आईपीओ भी 19 जून को खुलेगा। 418.01 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में 21 जून तक पैसे लगा सकेंगे। इशे यू का प्राइस बैंड 193 से 203 रुपये प्रति शेयर और लॉट साइज 73 शेयर है। लग्जरी फर्नीचर ब्रांड स्टैनली लाइफस्टाइल्स भी इस सप्ताह अपना इश्यू लॉन्च करेगा। स्टैनली लाइफस्टाइल आईपीओ का साइज 537 करोड़ रुपये है। यह इश्यू 21 जून को खुलेगा। आईपीओ का प्राइस बैंड 351-369 रुपये प्रति शेयर है और एक लॉट में 40 शेयर हैं। इश्यू के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर 28 जून को हो सकती है।फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया आईपीओ 19 जून को खुलेगा और 21 को बंद होगा।

13.69 करोड़ रुपये के इस इश्यू का प्राइस बैंड 92 रुपये प्रति शेयर है। शेयरों की लिस्टिंग एनएसई एसएमई पर 26 जून को होगी। डूरलेक्स टॉप सर्फेस आईपीओ भी 19 जून को खुलेगा और 21 जून तक निवेशक इसके शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। 40.80 करोड़ रुपये के इस इश्यू का प्राइस बैंड 65 से 68 रुपये प्रति शेयर और एक लॉट में 2000 शेयर हैं। शेयरों की लिस्टिंग एनएसई एसएमई पर 26 जून को होगी।

जेम एनवायरो आईपीओ 19 जून को खुलेगा और 21 जून को बंद हो जाएगा। इस इशे यू के जरिए कंपनी 44.93 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इशे यू का प्राइस बैंड 71 से 75 रुपये प्रति शेयर तय किया गया। विन्नी इमिग्रेशन आईपीओ 20 जून को खुलेगा और 24 जून बंद होगा। इसका प्राइस बैंड 140 रुपये प्रति शेयर है।

चीनी हो जाएगी महंगी, बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एनएफसीएसएफ) ने सरकार से चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर कम से कम 42 रुपए प्रति किलोग्राम करने का आग्रह किया ताकि बढ़ती उत्पादन लागत के बीच मिलों को परिचालन जारी रखने में मदद मिल सके। एक रिपोर्ट से पता चला है कि सरकार 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2024-25 के आगामी सीजन के लिए चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाने पर विचार कर रही है। अगर सरकार चीनी की एमएसपी में बढ़ोतरी करती है तो इसका असर खुदरा बाजार में देखने को मिलेगा। चीनी की प्रति किलो कीमत बढ़ सकती है। जानकारों का कहना है कि चीनी की कीमत प्रति किलो 3 से 4 रुपए बढ़ सकती है। न्यूनतम बिक्री मूल्य वर्ष 2019 से 31 रुपए प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित रखा गया है, जबकि सरकार ने हर साल गन्ना उत्पादकों को दिए जाने वाले उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में वृद्धि की है। एनएफसीएसएफ के वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक बयान में कहा कि महासंघ ने खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों को आंकड़े सौंपे हैं, जिसमें चीनी उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि दिखाई दे रही है, जिससे न्यूनतम विक्रय मूल्य को गन्ने के एफआरपी के साथ तालमेल बिठाना आवश्यक हो गया है। यदि चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर 42 रुपए प्रति किलोग्राम कर दिया जाता है, तो चीनी उद्योग को लाभ हो सकता है।

विदेशी निवेशकों ने पिछले सप्ताह शेयर बाजार में 11,730 करोड़ डाले

- पिछले सप्ताह एफपीआई ने शेयरों से 14,794 करोड़ रुपये निकाले थे

नई दिल्ली ।

घरेलू और वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 14 जून को समाप्त सप्ताह में घरेलू शेयर बाजारों में 11,730 करोड़ रुपये का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले यानी तीन से सात जून के सप्ताह के दौरान एफपीआई ने शेयरों से 14,794 करोड़ रुपये निकाले थे। ताजा निवेश के बाद इस महीने अब तक एफपीआई की शेयरों से निकासी 3,064 करोड़ रुपये रही है। बाजार के जानकारों ने कहा कि जून के पहले सप्ताह में उतार-चढ़ाव के बाद बाजार में स्थिरता लौटी है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार की सरकार सहयोगी दलों पर निर्भर है, लेकिन लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने से नीतिगत सुधारों और आर्थिक वृद्धि के जारी रहने की उम्मीद बनी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका में उम्मीद से कम मुद्रास्फीति के आंकड़ों ने भी इस साल दर कटौती की उम्मीद बढ़ा दी है। इससे पहले मई में एफपीआई ने चुनावी नतीजों से पहले शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। वहीं मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के कारण अप्रैल में उन्होंने 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। वहीं एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जबकि जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे। इस महीने 14 जून तक एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 5,700 करोड़ रुपये डाले हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक एफपीआई शेयरों से 26,428 करोड़ रुपये निकाले चुके हैं। इस दौरान उन्होंने बॉन्ड बाजार में 59,373 करोड़ रुपये डाले हैं।

वेदांता के शेयरों में 60 रुपए से अधिक उछाल की उम्मीद

नई दिल्ली ।

जाने-माने उद्योगपति अनिल अग्रवाल की अगुआई वाली वेदांता के शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है। बीएसई पर अभी शेयर की कीमत 447.10 रुपये है। ब्रोकरेज इसमें 60 रुपये से अधिक के उछाल की उम्मीद जता रहे हैं। इस साल अब तक ये शेयर करीब 74 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। सीधे रिटर्न के अलावा इसी साल मई में कंपनी ने हर शेयर पर 11 रुपये के डिविडेंड का भी ऐलान किया था। पिछले 1 महीने में ये शेयर 3.15 फीसदी आगे बढ़ा है। वहीं पिछले 1 साल में इसने निवेशकों को केवल 59 फीसदी के करीब रिटर्न दिया है। 5 साल में ये शेयर 163 फीसदी से अधिक चढ़ा है। कई ब्रोकरेज इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। हांग कांग के एक ब्रोकरेज ने कहा है कि कंपनी अपनी एलुमिना रिफाइनरी की क्षमता बढ़ाने और लागत घटाने पर विचार कर रही है। यह शेयर मजबूर मांग और सेक्टोरल स्ट्रेंथ दिखा रहा है। स्टॉक्सबॉक्स ने इस शेयर को 508 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने की सलाह दी है। साथ ही 421 रुपये हो स्टॉप लॉस बनाने को कहा है। इन्वेस्टेक ने 473 टारेगट और 270 का स्टॉप लॉस दिया है।

देश का कोयला आयात अप्रैल में बढ़कर 2.61 करोड़ टन पहुंचा

नई दिल्ली । देश का कोयला आयात अप्रैल में 13.2 प्रतिशत बढ़कर 2.61 करोड़ टन पर पहुंच गया है। गर्मियों की शुरुआत के साथ खरीदारों द्वारा नए सौदे करने से कोयला आयात बढ़ा है। बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक साल पहले समान महीने में कोयला आयात 2.30 करोड़ टन रहा था। आयात में यह बढ़ोतरी ऐसे समय हुई है जबकि कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और आयात में कमी लानी चाहिए। आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहों के माध्यम से भारत का कोयला और कोक आयात एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 13.2 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल में कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.74 करोड़ टन रहा। एक साल पहले समान महीने में यह आंकड़ा 1.51 करोड़ टन था। वहीं कोकिंग कोयले का आयात 47.7 लाख टन से बढ़कर 49.7 लाख टन पर पहुंच गया।

सेल विनिर्माण के लिए साझेदारी पर विचार करेंगे: महिंद्रा समूह

नई दिल्ली । भारत में बैटरी सेल उत्पादन के लिए महिंद्रा समूह एक वै श्विक कंपनी से हाथ मिलाने पर विचार कर रहा है। आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बढ़ती मांग को पूरा करने को समूह ऐसा कर सकता है। महिंद्रा समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक साक्षात्कार में यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि कंपनी अपनी इलेक्ट्रिक वाहन इकाई महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल लिमिटेड (एमईएएल) की संभावित सूचीबद्धता के लिए 2030 की समयसीमा पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि एक क्षेत्र जिस पर हम अधिक बारीकी से गौर कर रहे हैं वह सेल विनिर्माण है और यह एक ऐसी चीज है जहां विभिन्न विचार हैं। अगर हमें लगता है कि यह हमारे लिए जरूरी है, तो हम सेल विनिर्माण के लिए साझेदारी पर विचार करेंगे। हम एक वैश्विक प्रौद्योगिकी भागीदार और संभावित रूप से निजी इक्विटी भागीदारों पर भी गौर करेंगे क्योंकि हम पूरी पूंजी नहीं लगाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि हम इस पहल को अमलीजामा पहना पाते हैं, तो देश में बैटरी सेल का स्थानीय उत्पादन शुरू हो सकेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या इसके लिए उत्पादन सुविधा भारत में बनेगी, उन्होंने कहा कि हमारे लिए ऐसा करने का एकमात्र कारण स्वदेशीकरण करना है। इसलिए अगर हम उस रास्ते पर चलते हैं, तो यह भारत में ही होगा। एमईएएल को सूचीबद्ध करने की योजना पर शाह ने कहा कि यह कम से कम अगले तीन से पांच साल में नहीं होने वाला है। अ धिकारी ने कहा कि इलेक्ट्रिक खंड को आगे बढ़ने के लिए समय चाहिए। इसके लिए हम संभवत: 2030 की समयसीमा पर विचार करेंगे।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केट कैप 85,582 करोड़ बढ़ा

- भारतीय जीवन बीमा निगम सबसे अधिक लाभ में रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 85,582.21 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार के सकारात्मक रुख के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सबसे अधिक लाभ में रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का मूल्यांकन घट गया। इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में कुल मिलाकर 84,704.81 करोड़ रुपये का नुकसान रहा। सप्ताह के दौरान एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 46,425.48 करोड़ रुपये बढ़कर 6,74,877.25 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में एलआईसी ही रही। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,639.61 करोड़ रुपये बढ़कर 12,14,965.13 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 10,216.41 करोड़ रुपये जोड़े और उसका मूल्यांकन 19,98,957.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 9,192.35 करोड़ रुपये बढ़कर 7,49,845.89 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं भारती एयरटेल का पूंजीकरण 1,108.36 करोड़ रुपये बढ़कर 8,11,524.37 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 22,885.02 करोड़ रुपये घटकर 5,82,522.41 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस की बाजार हैसियत 22,052.24 करोड़ रुपये घटकर 13,86,433.05 करोड़ रुपये पर आ गई। इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,600.5 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,18,030.37 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 11,179.27 करोड़ रुपये घटकर 7,77,795.90 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 9,987.78 करोड़ रुपये घटकर 5,38,216.34 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमश: टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

टाटा मोटर्स का वाहनों की बिक्री में 40 फीसदी का योगदान

-10 में से 4 कार ग्राहक ग्रामीण इलाकों से

नईदिल्ली (ईएमएस)। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण इलाकों में लोगों को ये देसी कार क्यों पसंद आ रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में ग्रामीण इलाकों में जबरदस्त बिक्री की है। ग्रामीण इलाकों की बिक्री ने कंपनी के कुल यात्री वाहनों की बिक्री में 40 फीसदी का योगदान दिया है। यानी 100 में से हर 40 कारें ग्रामीण इलाकों में बिकी हैं। ग्रामीण उपभोक्ताओं के बीच टाटा मोटर्स की कारों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। कंपनी की कारें पहली बार खरीदने वाले लोगों की संख्या 70 फीसदी के आस-पास है। देश में बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटलीकरण और परचेजिंग पावर बढ़ने से ग्रामीण और शहरी ग्राहकों के बीच का अंतर कम हो रहा है। टाटा कार और एसयूवी रेंज में मल्टी पावरट्रेन ऑप्शन (पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और ईवी) उपलब्ध है, जो ग्राहक को उनकी जरूरतों के हिसाब से बेहतर विकल्प चुनने की आजादी देता है। ग्रामीण बाजार में टाटा मोटर्स ने तेजी से विस्तार किया है जिसके चलते एसयूवी की बिक्री 35 फीसदी से बढ़कर 70 फीसदी हो गई है। अल्टरनेट फ्यूल (सीएनजी/ईवी) से चलने वाले वाहनों की बिक्री वित्त वर्ष 2022 के 5 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 23 फीसदी हो गई। ट्विन-सिलेंडर सीएनजी कारों की डिमांड बढ़ी है। ग्रामीण बाजारों में 100 में से 16 कारें सीएनजी हैं। ग्रामीण बाजारों में ग्राहक एमटी से एएमटी/एटी में शिफ्ट कर रहे हैं। ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में 14 फीसदी से ज्यादा की ग्रोथ देखने को मिली है। बता दें कि टाटा मोटर्स ने अपनी पैसेंजर कारों की बिक्री के दिलचस्प आंकड़े साझा किये हैं। कंपनी की कारें सिर्फ बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और गांव में भी तेजी से पॉपुलर हो रही हैं।

बीते सप्ताह बिनौला को छोड़कर सभी तेल-तिलहन गिरावट पर बंद

- मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चे पामतेल के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में बिनौला तेल में आई मामूली तेजी को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चे पामतेल (सीपीओ) के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि सहकारी संस्था हाफेड की ओर से सरसों बिक्री की पहल के बीच बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन कीमतों पर दबाव रहा और इनके दाम गिरावट के साथ बंद हुए। किसानों के पास सरसों का स्टॉक बचा हुआ है और वे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दाम पर बिकवाली नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की पेराई मिलों को सरसों, सोयाबीन, मूंगफली, सूरजमुखी, बिनौला आदि की पेराई करने में नुकसान हो रहा है क्योंकि पहले से बेपड़ता तेल-तिलहन की पेराई के बाद लागत बढ़ने की वजह से इनका खपना मुश्किल है। बाजार में सस्ते आयातित खाद्य तेल के दाम ने बाजार घारणा को खराब कर रखा है जिससे देशी तेल-तिलहनों का बुरा हाल है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 30 रुपये की गिरावट के साथ 5,920-5,980 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 50 रुपये घटकर 11,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 15-15 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 1,850-1,950 रुपये और 1,850-1,975 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमश: 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 4,710-4,730 रुपये प्रति क्विंटल और 4,510-4,630 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली और सोयाबीन इंदौर के दाम क्रमश: 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 10,325 रुपये तथा 10,140 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सोयाबीन डीगम तेल का भाव 8,850 रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में ऊंचे भाव की वजह से कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन कीमतें अपरिवर्तित रहीं। मूंगफली तिलहन 6,125-6,400 रुपये क्विंटल, मूंगफली गुजरात 14,650 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव भी 2,220-2,520 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रहे। वहीं कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 8,775 रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 9,925 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 8,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। रविवार सुबह डब्ल्यूटीआई क्रूड 78.5 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.62 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। कुछेक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को छोड़कर बाकी कहीं पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश के चारों प्रमुख शहरों में ईंधन की कीमतों में यथास्थिति बनी हुई है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

महिंद्रा ने मई में की थार की 5,750 यूनिट्स की बिक्री

-लोग डीजल वेरिएंट को कर रहे है ज्यादा पसंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते मई महीने में महिंद्रा ने थार की 5,750 यूनिट्स की बिक्री की है। इनमें से 5,207 डीजल वेरिएंट थे, जबकि केवल 543 पेट्रोल वेरिएंट थे। ये पिछले साल मई की तुलना में महत्वपूर्ण ग्रोथ को दर्शाता है। पिछले साल मई के महीने में 3,190 डीजल और 1,106 पेट्रोल यूनिट्स की बिक्री की गई थी। यानी यहां देखा जा सकता है कि लोग डीजल वेरिएंट को खरीदना ज्यादा पसंद कर रहे हैं और इनकी बिक्री के आंकड़ें भी ज्यादा हैं। जबकि पेट्रोल वेरिएंट की बिक्री के आंकड़ों में गिरावट आई है। वहीं, अप्रैल के आंकड़ों की बात करें तो महिंद्रा ने 524 डीजल और 481 पेट्रोल थार यूनिट्स की बिक्री की थी। यानी पिछले महीने भी थार के डीजल वेरिएंट्स की बिक्री ज्यादा हुई थी और यही ट्रेंड इस महीने भी जारी है। हालांकि, सेल के आंकड़े मई के महीने में अप्रैल की तुलना में काफी ज्यादा हैं।इस बीच आपको ये भी बता दें कि महिंद्रा ने थार एसयूवी की प्रोडक्शन को थोड़ा कम कर दिया है। ये एडजस्टमेंट इसलिए किया जा रहा है क्योंकि कंपनी थारह के नए 5-डोर वर्जन को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।

गंगा स्नान के लिए घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सबसे अधिक भीड़ सिमरिया गंगा घाट पर, नेपाल से भी बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

बेगूसराय। गंगा दशहरा के अवसर गंगा स्नान करने के लिए बेगूसराय के गंगा घाटों पर देश-विदेश के श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा पड़ा है। जिले के चमथा से लेकर साहेबपुर कमाल तक के घाटों पर अहले सुबह से ही दूर-दूर से आए श्रद्धालु गंगा स्नान कर रहे हैं। सबसे अधिक भीड़ सिमरिया गंगा घाट पर उमड़ी हुई है। यहां रात से ही श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए जुटे हुए थे। सुबह 3:00 बजे से हर-हर गंगे के जयकारा के बीच स्नान का सिलसिला लगातार जारी है। यहां बिहार के विभिन्न जिलों के अलावा नेपाल से भी

बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए आए हुए हैं। अनुमान के मुताबिक दो लाख से अधिक श्रद्धालु यहां गंगा स्नान कर चुके हैं। हालांकि इस बार प्रशासनिक स्तर पर कोई विशेष व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण श्रद्धालु भगवान भरोसे स्नान कर रहे हैं। यहां सबसे अधिक भीड़ मिथिला से क्षेत्र के श्रद्धालुओं की है।मिथिला-दरभंगा साइड से आने वाली सभी ट्रेन बरौनी और सिमरिया पुल स्टेशन पर खाली हो जा रही है। मगध क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में लोग जुटे हुए हैं। लोग गंगा स्नान के बाद गंगा पूजन कर विभिन्न मंदिरों में भी पूजा-अर्चना कर रहे हैं। इसके बाद गंगाजल लेकर प्रस्थान करते हैं।

गिरिराज बोले- सार्वजनिक जगहों पर बकरा काटने पर लगे रोक

बेगूसराय । से सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने बकरीद पर पब्लिक प्लेस में बकरा काटने पर रोक लगाने की मांग की है। गिरिराज ने कहा कि मैं बेगूसराय सहित देश के सभी एडमिनिस्ट्रेशन, डीएम और एसपी से आग्रह कर रहा हूं कि सामाजिक सौहार्द बना रहे, इसलिए जरूरी है कि सार्वजनिक जगहों पर बकरे की कटाई नहीं हो। गिरिराज सिंह ने कहा कि आपसी भाईचारा बनाने का काम प्रशासन को करना चाहिए। क्योंकि सामाजिक सौहार्द सबसे बड़ी चीज है। नीट परीक्षा रिजल्ट को लेकर हो रहे बवाल पर गिरिराज सिंह ने कहा कि देश के

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विद्यार्थियों और अभिभावकों के प्रतिनिधि सबसे बात की है, सौहार्दपूर्ण बातें हुई हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने नीट रिजल्ट से प्रभावित जो बच्चे हैं, उनके लिए सार्थक निर्णय लिया है। उम्मीद है कि धर्मेंद्र प्रधान इसमें बड़े ही गंभीरता से काम करेंगे। एग्रीकल्चर के बाद टेक्सटाइल सबसे बड़ा रोजगार देने वाला सेक्टर इसके अलावा कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाकर काम शुरू कर दिया गया है। एग्रीकल्चर के बाद टेक्सटाइल सबसे बड़ा रोजगार देने वाला सेक्टर है। क्योंकि इसमें किसान का कॉटन है, टेक्सटाइल है, होजियरी है, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट है। यह एक रोजगार देने वाला बड़ा सेक्टर है अधिकारियों के साथ मिलकर बैठक कर रहे हैं, देश में यह एक सर्वाधिक एक्सपोर्ट वाला विभाग है। बिहार में कल ही विभाग के मंत्री और सचिव के साथ हमने बैठक की है। आज सभी अधिकारी बेगूसराय आए हैं, कल हम लोगों ने रोड मैप बनाया है कि बिहार में क्या-क्या करना है।

दो बाइक के बीच टक्कर एक की मौत, दूसरा जख्मी

अररिया। से कुसार्काटा सिकटी जाने वाली मार्ग में पीरगंज पुल के पास दो बाइक के बीच आमने-सामने भिड़त हो गई। इस हादसे में एक बाइक पर सवार भाई और बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय लोगों के सहयोग से कुसार्काटा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल अररिया रेफर कर दिया। जहां सदर अस्पताल अररिया लाने के दौरान बाइक सवार युवक की रास्ते में मौत हो गई। जबकि जख्मी लड़की को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। मृतक की पहचान सिकटी प्रखंड क्षेत्र के डैनिया खुटहरा वार्ड संख्या 5 निवासी सुधांशु मंडल के

पुत्र शिवम कुमार(17) के रूप में हुई हैं। जबकि घायल किशोरी की पहचान सुधांशु मंडल की पुत्री बताई जा रही है। घटना शनिवार देर शाम की बताई जा रही है। एग्जाम दिलाने जा रहा था मृतक के मामा रोहित मंडल ने बताया कि उनका भांजा शिवम शनिवार को अपनी बहन को लेकर फारबिसगंज कॉलेज बीए पार्ट वन का एग्जाम दिलवाने गया था।

छात्रा की मौत परिवार से मिलीं लवली आनंद

औरंगाबाद। में 16 साल की छात्रा की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। दोषियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। कोचिंग के लिए निकली छात्रा 11 जून को लापता हो गई थी। इंद्रपुरी बराज से उसका सड़ा हुआ शव 13 जून को मिला था। शरीर से स्कीन तक निकल गई थी। मौत के कारण का खुलासा अब तक नहीं हुआ है। शहर में दो दिन लगातार प्रदर्शन भी हुए। जिसके बाद पुलिस ने 24 घंटे में कार्रवाई का दावा किया है। वहीं शनिवार रात छात्रा के परिवार से शिवहर सांसद लवली आनंद ने मुलाकात की। इस दौरान पूर्व सांसद और उनके पति आनंद मोहन और बेटे व शिवहर विधायक चेतन आनंद भी साथ थे। पूर्व सांसद आनंद मोहन ने कहा कि सीएम से समय मांगा है। हम अपनी बातों को रखेंगे। एसआईटी का गठन हो चुका है। न्याय दिलाने की कोशिश होगी। मामले में तीन लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत की गई है। पुलिस का दावा है कि छात्रा ने सोमवार की रात एक लड़के से चैट पर बातें की थी। पुलिस इसे प्रेम-प्रसंग से जोड़ रही है। फिलहाल मामले का खुलासा नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। पूरे मामले में तीन लोगों को नामजद किया गया है। जिसमें मृतका की क्लोज फ्रेंड, उसकी मां और एक नाबालिग लड़का शामिल है। बच्ची का शव पानी में काफी सड़ चुका था। बॉडी से स्किन भी निकल चुकी थी। लोगों ने शव देख आशंका जताई थी कि तेजाब डालकर और धारदार हथियार से मारकर फेंक दिया गया। अब मामले में लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

बच्चों की लड़ाई में महिला की पीट-पीटकर हत्या

मां के शव से लिपटकर रोते दिखे मासूम; साइकिल हटाने को लेकर शुरू हुआ विवाद

मुंगेर। में बच्चों की लड़ाई में एक महिला की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। मामला वासुदेवपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहली पंचायत का है, जहां गली से साइकिल हटाने को लेकर शुरू हुए विवाद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए और मारपीट शुरू हो गई। मृतका की पहचान शेरपुर मोहल्ला निवासी बंटी सिंह की पत्नी पिंकी देवी (34) के रूप में हुई। इस मारपीट में 5 लोग घायल हुए हैं, जिनका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि शनिवार की देर रात बंटी कुमार के बेटे गौरव कुमार (15) और संजीत यादव के बेटे टिंकू कुमार के बीच साइकिल को लेकर लड़ाई हुई। जिसके बाद टिंकू ने अपने परिवार के लोगों को बुला लिया। सभी ने गौरव के घर में घुसकर लाठी-डंडे और रॉड से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान गौरव की मां की मौत हो गई। सदर अस्पताल में बच्चे मां के शव से लिपट कर रोते दिखे।दूसरी ओर दूसरे पक्ष से भी कुछ लोग सदर अस्पताल पहुंचे, जिसे देख जख्मी के स्वजनों ने अस्पताल परिसर में ही उनलोगों की पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही वासुदेवपुर पुलिस अस्पताल पहुंची और दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। घटना को लेकर मृतका के पति बंटी कुमार ने बताया कि मेरा बेटा गौरव कुमार पानी लाने जा रहा था। रास्ते में संजीत के बेटे की साइकिल थी। उसे हटाने को कहा तो गाली-गलौज करने लगा। इतने में हमलोग वहां पहुंचे और बच्चे को डांटा। इस बीच उसने फोन कर अपने घर से लोगों को बुला लिया। जिसके बाद लूखो यादव, संजीत यादव, गोलू यादव, फंटूश यादव सहित दर्जनों लोग हमारे घर में घुस गए और लाठी और लोहे के रॉड से उसके परिजनों से मारपीट की। इस दौरान मेरी पत्नी की मौत हो गई। वहीं बंटी कुमार, उसके भाई बच्चन देव सिंह, भाई की पत्नी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया।दो लोगों से हो रही पूछताछ-पुलिस वासुदेवपुर थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया मामले में दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। आवेदन प्राप्त होने पर संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। मृतक के शव को आज रविवार को पोस्टमॉर्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया जाएगा। घायल का सदर अस्पताल में इलाज जारी है।

संक्षिप्त डायरी

कोटा में इस साल 11वें स्टूडेंट ने सुसाइड किया

कोटा। में एक और कोचिंग छात्र ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। वह पीजी में रहकर JEE की तैयारी कर रहा था। उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। वह मूलरूप से बिहार के मोतिहारी का रहने वाला था। इस साल कोटा में अब तक 11 स्टूडेंट सुसाइड कर चुके हैं। महावीर नगर थाने के एसएचओ महेन्द्र मारू ने बताया- शनिवार रात 10 बजे कंट्रोल रूम से एक छात्र के सुसाइड की जानकारी मिली थी। इसके बाद मौके पर पहुंचे। मोतिहारी निवासी 17 साल का आयुष जायसवाल महावीर नगर इलाके में सम्राट चौक के पास पीजी में रह रहा था। शनिवार रात तक वह कमरे से बाहर नहीं आया। उसके साथियों ने दरवाजा खटखटाया। फिर भी कोई जवाब नहीं मिला। आयुष के दरवाजा नहीं खोलने पर पीजी संचालक ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर आयुष रोशनदान में फंदा बांधकर लटका हुआ था। पुलिस ने उसे उतारा और न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र आयुष जायसवाल महावीर नगर थर्ड में 1 जी 28 नंबर के मकान में पहली मंजिल पर रह रहा था। रविवार सुबह 9:00 बजे जब भास्कर टीम मौके पर पहुंची तो वहां एक महिला मिली। महिला ने बताया कि पीजी उनके ससुर संचालित करते हैं। हालांकि उन्होंने इस मामले में या पीजी संचालक के बारे में कुछ भी जानकारी देने से साफ मना कर दिया। वहीं आसपास के लोग भी इस मामले को लेकर बोलने से बचते नजर आए। एक दुकान पर जानकारी ली तो उन्होंने मकान मालिक से बात करने को कहा। नहीं थम रहे सुसाइड केस सरकारी डेटा के अनुसार, भारत में साल 2021 में सबसे ज्यादा 13,000 सुसाइड हुए हैं। ये साल 2020 के डेटा से 4.5% ज्यादा हैं। इसके साथ ही पिछले साल यानी 2023 में 29 स्टूडेंट्स ने कोटा में सुसाइड किया था, जो कि 10 सालों में सबसे ज्यादा है।

कमरे में संदिग्ध स्थिति में किसान की मौत

भोजपुर। जिले के अजीमाबाद थाना क्षेत्र के बड़गांव गांव में शनिवार को कमरे में सोए एक बुजुर्ग की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। परिजन ने हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतक बुजुर्ग अजीमाबाद थाना क्षेत्र के बड़गांव गांव निवासी 80 वर्षीय पुत्र शिवाजी सिंह हैं। पेशे से किसान थे। मृतक के भतीजे दीपक कुमार सिंह ने बताया कि उनका एक पुत्र है जो बाहर रहता है व दो पुत्री है। जिनकी शादी हो चुकी है। वह अकेले ही उसे घर में रहते हैं। रात में खाना खाने के बाद वह कमरे में सोए हुए थे। जब देर तक वह नहीं उठे तो उन्हें देखने गए। देखा कि वह अपने कमरे में मृत अवस्था में पड़े है और उनके नाक और मुंह से खून बह रहा है। सूचना स्थानीय थाना को दी गई। मृतक बुजुर्ग के भतीजे दीपक कुमार सिंह ने अपने पट्टीदार रामचंद्र राय और पड़ोसी पृथ्वी नाथ सिंह पर जमीन विवाद को लेकर हत्या की आशंका जताई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। बताया जाता है कि मृतक बुजुर्ग को दो पुत्री इंदु देवी, ललिता देवी और एक पुत्र संजय सिंह है। मृतक बुजुर्ग की पत्नी श्रीमती देवी की मृत्यु छह माह पूर्व हो गई थी।

हाइवा की चपेट में आने से 2 की मौत

दरभंगा । शहर में शनिवार की देर रात ग्यारह बजे सदर थाना क्षेत्र खुटवारा मोड के पास हुई सड़क दुर्घटना में बुलेट सवार दो युवक की मौत हो गई। दोनों आपस मे ममेरे और फुफेर भाई थे। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के खरुआ पंचायत के इस्लामपुर निवासी मो. शाहजहां उर्फ मुन्ना के पुत्र मो. लाडले और मो. इशरत परवेज के पुत्र अफजल के रूप में हुई है। दोनों युवक बुलेट बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे । इस दौरान खुटवारा मोड़ के पास ईंट-भट्ठा से निकल रहा हाईवा तेजी से सड़क पर चढ़ गया। इस दौरान वहां से बाइक से गुजर रहे दोनों युवक हाइवा की चपेट में आ गए। पुलिस ने डीएमसीएच भेजा घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना की गश्ती टीम ने घटना स्थल पर पहुंची। इसके बाद दोनों को उठाकर डीएमसीएच पहुंचा । एक युवक की मौत रास्ते में ही हो गई। जबकि दूसरे युवक की मौत इलाज के दौरान डीएमसीएच में हो गई। मृतक लाडले के चाचा मोहम्मद जहागीर ने बताया है कि लाडले मां-बाप का इकलौता लड़का था । वहीं, उसके साथ जा रहा युवक अफजल उसका फुफेरा भाई था । उन्होंने आगे बताया है कि ईट भट्ठा से निकल रहे हवा की लापरवाही से दोनों युवक की जान गई है ।

17 लोगों से भरी नाव पलटी, 5 लापता

सभी एक ही परिवार के; गंगा दशहरे पर उमानाथ घाट पर नहाने गए थे

पटना। सभी एक ही परिवार के; गंगा दशहरे पर उमानाथ घाट पर नहाने गए थे गंगा दशहरे पर हादसा हुआ सभी एक ही परिवार के; गंगा दशहरे पर उमानाथ घाट पर नहाने गए थे गंगा नदी में नाव पलटने से एक ही परिवार के 17 लोग डूब गए। नाव के पलटते ही आस-पास के नाविकों ने करीब 12 लोगों को बाहर निकाला। 5 की तलाश अब भी जारी है। एसडीआरएफ की टीम के साथ-साथ लोकल गोताखोर भी लापता लोगों को खोज रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, लापता लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि गंगा दशहरा के मौके पर बाढ़ स्थित उमानाथ घाट भारी भीड़ थी।

इसी दौरान परिवार के सभी सदस्य गंगा में स्नान करने गए थे। घटना की पुष्टि करते हुए बाढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया है। गंगा घाट पर लोगों की भीड़ जमा हो गई है। गंगा में डूबे लोगों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नाव पलटने की सूचना पर बाढ़ एसडीएम शुभम कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। एसडीआरएफ की टीम डूबे हुए लोगों की तलाश में लगी है।एसडीएम

शुभम कुमार ने बताया कि एक ही परिवार के 17 लोग नाव पर सवार हुए, उसके बाद ये घटना हुई। उन्होंने बताया कि गंगा नदी में लापता लोगों के तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया है। बताया जा रहा है कि नाव पर सवार सभी लोग एक ही परिवार के मालती गांव के निवासी हैं। नाव पर महिलाओं एवं बच्चों की होने की बात भी बताई जा रही है। गंगा दशहरा पर जुटी थी भीड़ मिल रही जानकारी के अनुसार, गंगा दशहरा के दिन श्रद्धालु बड़ी तादाद में गंगा स्नान करने के लिए यहां जुटे थे। गंगा के दोनों तरफ श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था। नदी में कई नावें भी चल रही थीं और लोग इसपार से उसपार आ-जा रहे थे। इसी दौरान एक नाव अनियंत्रित हो गई और बीच गंगा में पलट गई।

एएसपी की स्कॉर्ट गाड़ी पलटी ड्राइवर की मौत

मोतिहारी। में एएसपी की स्कॉर्ट में लगी एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई। घटना में ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गाड़ी में मौजूद 5 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बंजरिया थाना क्षेत्र के सिघिया ओवर ब्रिज की है।

बताया जा रहा है कि एक गाड़ी में खुद एएसपी मो. सलाउद्दीन सवार थे, जो पटना से अपने परिवार के साथ अपने गांव बेलथर बकरीद मानने आ रहे थे। जबकि उनके आगे चल रही स्कॉर्ट की गाड़ी में उनके बॉडीगार्ड और कुछ जवान मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक, सामने से आ रही बाइक को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो सड़क से 40 से 50 मीटर आगे रेलिंग से टकराकर पलट गई। मृतक चालक की पहचान पटना के फुलवारी शरीफ निवासी इम्तियाज(45) के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में अन्य घायलों के बारे में अभी जानकारी नहीं मिल पाई है। घटना के संबंध

में बताया जा रहा है कि बजरिया थाना क्षेत्र के सीगिया ओवर ब्रिज पर दोनों गाड़ी के बीच अचानक एक बाइक सवार आ गया। जिसके बाद ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिया, लेकिन रफ्तार तेज होने की वजह से गाड़ी अनियंत्रित हो गई और 40 से 50 मीटर आगे सड़क किनारे बने रेलिंग से टकरा गई। गनीमत रही कि उस वक्त कोई दूसरी कोई गाड़ी नहीं आ रही थी, नहीं तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। इस हादसे में स्कॉर्पियों पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने किसी तरह गाड़ी का सीधा करके ड्राइवर और अन्य लोगों को कार से बाहर निकाला। बंजरिया थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने बताया कि शनिवार की रात करीब दस बजे सूचना मिली की एक स्कॉर्पियो बीच सड़क पर पलट गई है। सूचना मिलने के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर सभी घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए, जबकि ड्राइवर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी।

झीलों की नगरी उदयपुर से लगभग 80 किलोमीटर झाडौल तहसील में आवारगढ़ की पहाडियों पर शिवजी का एक प्राचीन मंदिर स्थित है जो की कमलनाथ महादेव के नाम से प्रसिद्ध है। पुराणों के अनुसार इस मंदिर की स्थापना स्वंय लंकापति रावण ने की थी। यही वह स्थान है जहां रावण ने अपना शीश भगवान शिव को अग्निकुंड में समर्पित कर दिया था जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव नें रावण की नाभि में अमृत कुण्ड स्थापित किया था। इस स्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है की यहां भगवान शिव से पहले रावण की पूजा की जाती है क्योकि मान्यता है की शिव से पहले यदि रावण की पूजा नहीं की जाए तो सारी पूजा व्यर्थ जाती है।

कमलनाथ महादेव

यहां शिव से पहले की जाती है रावण की पूजा

पुराणो में वर्णित कमलनाथ महादेव की कथा-

एक बार लंकापति रावण भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए कैलाश पर्वत पर पहुंचे और तपस्या करने लगे, उसके कठोर तप से प्रसन्न हो भगवान शिव ने रावण से वरदान मांगने को कहा। रावण ने भगवान शिव से लंका चलने का वरदान मांग डाला। भगवान शिव लिंग के रूप में उसके साथ जाने को तैयार हो गए, उन्होंने रावण को एक शिव लिंग दिया और यह शर्त रखी कि यदि लंका पहुंचने से पहले तुमने शिव लिंग को धरती पर कहीं भी रखा तो मैं वहीं स्थापित हो जाऊंगा। कैलाश पर्वत से लंका का रास्ता काफी लम्बा था, रास्ते में रावण को थकावट महसूस हुई और वह आराम करने के लिए एक स्थान पर रुक गया। और ना चाहते हुए भी शिव लिंग को धरती पर रखना पड़ा।

आराम करने के बाद रावण ने शिव लिंग उठाना चाहा लेकिन वह टस से मस ना हुआ, तब रावण को अपनी गलती का एहसास हुआ और पश्चाताप करने के लिए वह वहीं पर पुनः तपस्या करने लगे। वो दिन में एक बार भगवान शिव का सौ कमल के फूलों के साथ पूजन करते थे। ऐसा करते-करते रावण को साढ़े बारह साल बीत गए। उधर जब ब्रह्मा जी को लगा कि रावण की तपस्या सफल होने वाली है तो उन्होंने उसकी तपस्या विफल करने के उद्देश्य से एक दिन पूजा के वक्त एक कमल का पुष्प चुरा लिया। उधर जब पूजा करते वक्त एक पुष्प कम पड़ा तो रावण ने अपना एक शीश काटकर भगवान शिव को अग्नि कुण्ड में समर्पित कर दिया। भगवान शिव रावण की इस कठोर भक्ति से फिर प्रसन्न हुए और वरदान स्वरुप उसकी नाभि में अमृत कुण्ड की स्थापना कर दी। साथ ही इस स्थान को कमलनाथ महादेव के नाम से घोषित कर दिया।

पहाड़ी पर मंदिर तक जाने के लिए आप नीचे स्थित शनि महाराज के मंदिर तक तो अपना साधन लेके जा सकते है पर आगे का 2

किलोमीटर का सफर पैदल ही पूरा करना पड़ता है। इसी जगह पर भगवान राम ने भी अपने वनवास का कुछ समय बिताया था।

ऐतिहासिक महत्व भी है आवरगढ़ की पहाडियों का-

झालौड़ झाला राजाओ की जागीर था। इसी झालौड़ से 15 किलोमीटर की दुरी पर आवरगढ़ की पहाडियों पर एक किला आज भी मौजूद है इसे महाराण प्रताप के दादा के दादा महाराणा ने बनवाया था यह अवारगढ़ के किले के प्रसिद्ध है। जब मुग़ल शासक अकबर ने चित्तौड़ पर आक्रमण किया था, तब आवरगढ़ का किला ही चित्तौड़ की सेनाओं के लिए सुरक्षित स्थान था। सन 1576 में महाराणा प्रताप और अकबर की सेनाओं के मध्य हल्दी घाटी का संग्राम हुआ था। हल्दी घाटी के समर में घायल सैनिकों को आवरगढ़ के इसी किले में उपचार के लिए लाया जाता था। इसी हल्दीघाटी के युद्ध में महान झाला वीर मान सिंह ने अपना बलिदान देकर महाराणा प्रताप के प्राण बचाये थे।

झालौड़ में सर्वप्रथम यही होता है होलिका दहन-

हल्दी घाटी के युद्ध के पश्चात झाडौल जागीर में स्थित पहाड़ी पर जहाँ आवरगढ़ का किला स्थित है, वहीं पर सन 1577 में महाराणा प्रताप ने होली जलाई थी। उसी समय से समस्त झालौड़ में सर्वप्रथम इसी जगह होलिका दहन होता है। आज भी प्रतिवर्ष महाराण प्रताप के अनुयायी झालौड़ के लोग होली के अवसर पर पहाड़ी पर एकत्र होते है जहाँ कमलनाथ महादेव मंदिर के पुजारी होलिका दहन करते है।

इसके बाद ही समस्त झालौड़ क्षेत्र में होलिका दहन किया जाता है। झाडौल के लोगों की होली देश के अन्य लोगों को प्रेरणा देती है, कि कैसे हम अपने त्यौहारों को मानते हुए अपने देश के गौरवशाली अतीत को याद रख सकते हैं।

आखिर क्यों शिव और शक्ति से जुड़े हैं सभी शक्तिपीठ मंदिर ?

भारत में आदिशक्ति के कुल 51 शक्तिपीठ हैं। सभी शक्तिपीठ मंदिर शिव और शक्ति से जुड़े हुये हैं। कहा जाता है कि माता सती ने जब अपने शरीर को अग्नि में भस्म कर दिया था भगवान शिव उनके मृतक शरीर को कंधे पर उठा कर अलग-अलग स्थानों पर गए जहां जहां माता सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ मंदिर की स्थापना हुई जिनमें से एक है माता चिंतपूर्णी शक्तिपीठ। कहा जाता है कि यहां पर माता सती के चरण गिरे इसलिए इस जगह को माता चिंतपूर्णी या छिन्नमस्तिका के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर सोला सिग्ही श्रेणी की पहाड़ी पर है।

चिंतपूर्णी चालीसा में लिखा है की माता चिंतपूर्णी चार शिवलिंग में घिरी हुई हैं जिसकी बहुत कम लोगों को जानकारी है। इन में से एक मंदिर शिववाड़ी जो गग्रेट के पास है बहुत प्रसिद्ध है दूसरा मंदिर कालेश्वर धाम जोकि अम्ब में पड़ता है। सतलुज दरिया बनने के समय यह दो मंदिर अलोप हो गए थे। जोकि बहुत खोज करने के उपरांत मिले।

तीसरा मंदिर जिसकी लोगों को जानकारी नहीं है। वो मंदिर है नारायण देव मंदिर ज्वाला जी रोड पर डेरा चौंक से हरिपुर रोड पर बीस किलोमीटर की दूरी पर कासब मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। जोकि असल में नारायण देव ही है। चौथा मंदिर मचकूंद महादेव मंदिर ज्वाला जी रोड पर डल्यिरा चौंक से बाएं होकर आगे एक कीलोमीटर दूरी पर पुली आती है पुली से बाएं हाथ होकर पांच कीलोमीटर की दूरी पर मचकूंद महादेव मंदिर आएगा। मान्यता है कि जो भक्त इन चारों मंदिरों के दर्शन करने के उपरांत माता चिंतपूर्णी के दर्शन करेगा उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

हिमाचल प्रदेश की वादियों में स्थित ये मंदिर बेहद ही खूबसूरत हैं। हसीन वादियों के बीच समुद्र स्तर से ऊपर 940 मीटर (लगभग 3000 फीट) की ऊंचाई पर चिंतपूर्णी मंदिर स्थित है। मंदिर ऊना जिले के हिल स्टेशन भरवाई से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां पहुंचने के लिए पंजाब के होशियारपुर शहर से बसें मिल जाती हैं। पंजाब के होशियारपुर रेलवे स्टेशन से 36 मील की दूरी पर है। वैसे यहां पठानकोट जोगिंदर नगर रेल मार्ग से पहुंचा जा सकता है। निकटम रेलवे स्टेशन ज्वालामुखी रोड है जो यहां से 21 किलोमीटर की दूरी पर है।

मंदिर में क्यों बजाई जाती है घंटी?

मंदिर के प्रवेश द्वार पर पुरातन काल से ही घंटी अथवा घड़ियाल लगाने की परंपरा है। मान्यता है की जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज यथाक्रम आती रहती है, वहां का परिवेश हमेशा साफ-सुथरा, धार्मिक और पावन बना रहता है। इससे नकारात्मक शक्तियों पर प्रतिबंध लग जाता है और सकारात्मकता के द्वार खुल जाते हैं। सुख समृद्धि के रास्ते प्रशस्त होते हैं।

स्कंद पुराण के मतानुसार मंदिर में प्रवेश करते ही घंटी बजाने से सौ जन्मों के पाप खत्म हो जाते हैं। जब सृष्टि का आरंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी या घड़ियाल की ध्वनि से वही नाद निकलता है। इसी नाद को ओंकार के पदाघात से भी जाग्रत हुआ माना जाता है। सर्वप्रथम धार्मिक स्थानों में घंटी लगाने का आरंभ जैन और हिन्दू मंदिरों से हुआ तत्पश्चात बौद्ध धर्म और फिर ईसाई धर्म ने इस परंपरा को अपनाया।

मंदिरों में घंटी लगाए जाने के पीछे धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक आधार भी हैं। घंटी बजाने पर वातावरण में कंपन उत्पन्न होती है। जोकि काफी दूर तक जाती है। इस कंपन से उत्पन्न होने वाली ध्वनि संपूर्ण क्षेत्र में आने वाले जीवाणु, विषाणु और सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर देती है जिससे आसपास का वायुमंडल सात्विक हो जाता है।

जिन धार्मिक स्थानों में प्रतिदिन घंटी बजती है उन्हें जाग्रत देव मंदिर कहा जाता है। देवताओं को जागृत करने का माध्यम है घंटाध्वनि। प्रवेश द्वार के घंटे दर्शनार्थीयों को सूचना देते हैं कि पूजा-आरती का समय हो गया है।

मंदिर के प्रवेश द्वार पर घंटी बजाने से भगवान का आशीर्वाद और लक्ष्मी की प्राप्ती होती है। अतः घर में देवालय बनाएं तो घंटी अवश्य लगवाएं मंदिरों में, घरों में, पूजा पाठ, प्रवचन में घंटानाद होते रहना चाहिए ताकि चारों ओर शुभता का संचार होता रहे।

पूजा-पाठ

किए बिना भी किया जा सकता है दुखों का नाश

देव पूजा की अनेक सर्वोत्तम, सर्वसुलभ एवं सरल विधियां शास्त्रों में उपलब्ध हैं। इनमें से जो भी सहज प्रतीत हो उसे चुनें। जिनके पास समय कम है अथवा कर्मकांडों मे मन नहीं रमता तो उपासना की, ध्यान की, पूजा की इस सबसे सरल विधि का अनुपालन करें।

पूजा घर को परिवार के सभी सदस्यों की शरण स्थली बनाएं, एक जगह जहां शांति और सूकून हो जहां वे भगवान से जुड़ सकें एवं अपनी प्रार्थना और व्यावहारिक जरूरतों को समर्पित कर सकें। एक आम व्यक्ति द्वारा की गई पूजा आत्मार्थ पूजा कहलाती है एवं उसे एक व्यक्तिगत पूजा अनुष्ठान माना जाता है जबकि जनमानस हेतु पुजारी द्वारा मंदिर में की गई पूजा परार्थ पूजा कहलाती है।

आज के भागदौड़ भरे जीवन में यदि आपके पास पाठ-पूजा का अधिक समय नहीं है लेकिन अपनी धार्मिक परंपराओं के प्रति आपकी विशेष श्रद्धा है तो निम्न मंत्र का उच्चारण करते हुए देवी देवताओं की प्रतिमाओं का दर्शन करें। इस मंत्र का जाप आपकी सभी प्रकार के दुखों से रक्षा करेगा।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत्।।

अर्थात- समस्त जन सुखी हों, स्वस्थ हों, शुभ व मंगल को देखें और कोई भी दुःख का सामना न करें।

ध्यान रखें कि आपसे किसी का अहित न हो और आप सभी अधार्मिक कृत्यों से खुद को दूर रखें।

स्मृति मंधाना का बड़ा शतक, 143 रन से जीती टीम इंडिया

बेंगलुरु (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के छठे शतक से टीम इंडिया ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाफ खेला गया पहला वनडे मुकाबला 143 रनों से जीत लिया। भारतीय टीम पहले खेलते हुए एक समय 99 रन पर 5 विकेट गंवा चुकी थी लेकिन मंधाना ने 127 गेंद में 117 रन की पारी खेल टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और एक छक्का लगाया। दीप्ति ने 37 तो पूजा वस्त्राकर ने 31 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम 122 रनों पर ऑल आऊट हो गई।

इससे पहले भारतीय शीर्ष क्रम की बल्लेबाज शेफाली वर्मा (सात), कप्तान हरमनप्रीत कौर (10) और जेमिमा रोड्रिग्स (17) ने आसानी से विकेट गंवा दिए लेकिन मंधाना ने एक छोर संभाले रखा। भारत ने ऋचा घोष (तीन) के रूप में अपना 5वां विकेट गंवाया था। बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने 61 गेंद में अपना पचासा पूरा किया। इस दौरान उन्हें दीप्ति का साथ मिला। मंधाना तेज गेंदबाज क्लास को छक्का जड़कर 99 रन के स्कोर पर पहुंची। उन्होंने अगली गेंद पर एक रन दौड़कर 116 गेंद में अपना शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के बाद उन्होंने खाका के खिलाफ 2 चौके जड़ रन गति बढ़ाई। अंत में शोभना आशा (नाबाद 8) ने आखिरी ओवर में चौके के साथ टीम को 260 रन के पार पहुंचाया।

कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट टीम को अच्छी शुरूआत नहीं दे पाई और पहले ही ओवर में 4 रन बनाकर रेणुका ठाकुर सिंह का शिकार हो गईं। छठे ओवर में एनेके बॉश (5) को पूजा ने शिकार बनाया। 11वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने स्ट्राइक करते हुए तजमीन ब्रिट्स (18) की विकेट ली। सुन लुस ने 58 गेंदों पर 33 तो मेरिजाना केप ने 39 गेंदों पर 24 रन बनाए। अंत में विकेटकीपर सिनालो जाफ्टा ने 27 रन बनाए लेकिन यह टीम के काम नहीं आ सके। इससे टीम को 143 रन से हार मिली। भारत की ओर से आशा शोभना ने 21 रन देकर 4 विकेट लीं। इसी तरह दीप्ति शर्मा को दो तो रेणुका, पूजा और राधा यादव को 1-1 विकेट मिली।

लवलीना ग्रां प्री मुक्केबाजी में ली कियान से हारी, रजत पदक से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन चेक गणराज्य के उस्ती नाद लाबेम में आयोजित ग्रां प्री में महिलाओं के 75 किग्रा में चीन की ली कियान से हार गईं और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी लवलीना को शनिवार देर रात मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन के खिलाफ अपने अंतिम मुकाबले में 2-3 के विभाजित फैसले से हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैम्पियनशिप में तीन स्वर्ण के साथ दो बार की ओलंपिक पदक विजेता कियान ने पिछले साल एशियाई खेलों के फाइनल में भी लवलीना को शिकस्त दी थी। लवलीना ने कहा कि उन्हें इस प्रतियोगिता में भाग लेने से पेरिस ओलंपिक में मदद मिलेगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट वीडियो में इस 26 साल की मुक्केबाज ने कहा, 'इस प्रतियोगिता में भाग लेना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा है। जहां तक मेरी तैयारी का सवाल है, ओलंपिक से पहले यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। इससे मुझे फायदा होगा। मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) और भारत सरकार का शुक्रिया करना चाहूंगी।' मांडविया ने इस वीडियो के साथ लवलीना के प्रदर्शन की सराहना करते हुए लिखा, 'ग्रां प्री 2024 में रजत पदक जीतने के लिए लवलीना को बधाई। उन्होंने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी रिंग में उनकी सफलता आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।' विश्व मुक्केबाजी के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में लवलीना और कियान के अलावा रिफ्यूजी मुक्केबाजी टीम की सिंडी नगांबा और इंग्लैंड की चैंटल रीड ने हिस्सा लिया था। इन चार मुक्केबाजों के बीच राउंड रॉबिन प्रारूप में मुकाबला आयोजित किया गया। लवलीना इस दौरान तीन मुकाबलों में से केवल एक जीत हासिल कर पाईं। असम की मुक्केबाज ने नगांबा और कियान से हारने से पहले रीड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। वह इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली भारत की इकलौती खिलाड़ी है।

ट्रेंट बोल्ट के अंतिम मैंच में पापुआ न्यू गिनी को हराने उतरेगी न्यूजीलैंड

टरूबा (एजेंसी)। पिछले 10 वर्षों में पहली बार सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हुई न्यूजीलैंड की टीम पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ मैच में बड़ी जीत दर्ज करके टी20 विश्व कप में अपने अभियान का समापन करने के लिए उतरेगी। न्यूजीलैंड का आईसीसी की प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन रहा है, लेकिन कीवि टीम ने शुरू में खराब प्रदर्शन किया, इससे टीम सुपर-8 में जगह नहीं बना सकी।

न्यूजीलैंड की टीम के लिए यह मैच इसलिए महत्वपूर्ण बन गया है, क्योंकि उसके तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने पुष्टि कर दी है कि यह टी20 विश्व कप में उनका आखिरी मैच होगा। इसके बाद केन विलियमसन की अगुवाई वाली टीम अपने इस तेज गेंदबाज को जीत से विदाई देना चाहेगी। पापुआ न्यू गिनी की टीम ने अभी तक अपने तीनों मैच गंवाए हैं और अगर उसकी टीम न्यूजीलैंड के सामने थोड़ा भी चुनौती पेश करती है, तब यह उसके लिए काफी मायने रखेगा।

टीम इस प्रकार हैं

न्यूजीलैंड = केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेट कीपर), लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स (विकेट कीपर), रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी।

पापुआ न्यू गिनी = असदुल्ला वाला (कप्तान), एली नाओ, चाड सोपर, सीजे अमिनी, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, कबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा (विकेट कीपर), लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ, टोनी उरा।

सुपर-8 की तस्वीर साफ... रोहित सेना को देना होगा विरोधियों को मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ग्रुप ए में टॉप रहने के साथ लीग स्टेज का अंत कर चुका है। भारत ने चार में से तीन मैच जीते जबकि कनाडा के खिलाफ आखिरी मैच बारिश के चलते रद्द हो गया। इसके साथ सुपर-8 की तस्वीर भी साफ हो गई है। भारत ग्रुप-1 में होगा और उसके साथ ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान का मैच होना तय है। वहीं ग्रुप-2 में द.अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अमेरिका की जगह पक्की हो चुकी है। भारत के ग्रुप में चौथी टीम बांग्लादेश या नीदरलैंड्स में से एक होगी। यानी ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान वे दो टीमें हैं, जिससे रोहित सेना को सतर्क रहने की जरूरत है। इस ग्रुप से दो टीमें ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। अफगानिस्तान को कहीं से भी कमजोर नहीं आंका जा सकता जो न्यूजीलैंड को हराकर यहां तक पहुंचा है। इसके बाद टीम रोहित को अपने बेस्ट कॉम्बिनेशन के साथ ही उतरना होगा, वरना यहां विपक्षी टीमें खराब शुरुआत से टीम इंडिया को उबरने का मौका शायद ही दें।

सुपर 8 में भारत के मैंच अफगानिस्तान के साथ 20 जून को बारबाडोस में, दूसरा मैच 22 जून को एंटीगुआ में पूल डी की दूसरे नंबर की टीम से जो की बांग्लादेश या नीदरलैंड हो सकती हैं तथा तीसरा मैच 24 जून को ऑस्ट्रेलिया से सेंट लुसिया में खेला जाना हैं। सबसे पहले सुपर-8 में क्वालीफाई करने वाली साउथ अफ्रीकी टीम ग्रुप-2 में सबसे ऊपर है। इसके बाद दोनों मेजबान टीम यानी वेस्टइंडीज और अमेरिका का नंबर आता है। आखिरी पोजिशन पर इंग्लैंड ने क्वालिफाई किया। अगर मौसम बेइमान न होता तब अमेरिका की जगह पाकिस्तान सुपर-8 में पहुंच सकता था। साउथ अफ्रीका ग्रुप डी से क्वालीफाई की। ग्रुप सी से वेस्टइंडीज आगे आई।

सुपर-8 के ग्रुप-1 में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया एकमात्र मजबूत टीम है। अफगानिस्तान और बांग्लादेश या नीदरलैंड्स को हराने में ज्यादा दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अगर कोई उलटफेर नहीं हुआ, तब भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय है। पहले राउंड के पॉइंट्स या नेट रन रेट का सुपर आठ स्टेज में कोई फायदा नहीं मिलने वाला, यहां सभी टीमें समान स्तर पर शुरुआत करेंगी। हर सुपर आठ ग्रुप की से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। पहला सेमीफाइनल 26 जून को त्रिनिदाद में है और दूसरा सेमीफाइनल 27 जून को गुयाना में है। टी-20 विश्व कप का फाइनल 29 जून को बारबाडोस में होना है।

सुपर आठ में बेहतर प्रदर्शन करेंगे विराट : बांगड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आने वाले सुपर आठ के मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। विराट अमेरिका में हुए मुकाबलों में असफल रहे हैं। विराट यहां एक बार भी दो अंकों तक नहीं पहुंच पाये हैं। अमेरिका की उछाल भरी पिचों पर उनके खराब प्रदर्शन से प्रशंसकों को निराशा हुई है। बांगड़ ने हां, मैं मानता हूं कि विराट ने न्यूयॉर्क लेग में रन नहीं बनाए हैं पर अन्य बल्लेबाज भी वहां की पिच पर संघर्ष करते दिखे हैं। न्यूयार्क की पिच पर खेलना कठिन था। भारतीय बल्लेबाजों को अमेरिका के खिलाफ पिछले मुकाबले में भी थोड़ा संघर्ष करना पड़ा था हालांकि इस दौरान भारतीय गेंदबाजों ने अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलायी थी। बांगड़ ने टीम की गेंदबाजी की सराहना करते हुए कहा कि उससे टीम को पाकिस्तान के खिलाफ 119 रन के सामान्य स्कोर का भी बचाव करने में सहायता मिली। उन्होंने कहा कि जाहिर है, हर कोई या सभी गेंदबाज अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। सभी गेंदबाज अपना काम कर रहे हैं। इसी से टीम को लाभ हो रहा है। मैं वास्तव में नहीं जानना चाहता हूं कि यहां नंबर एक कौन है, नंबर दो कौन है। यह भारतीय टीम के लिए अच्छा संकेत है कि सभी गेंदबाज एक साथ आ रहे हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं। बांगड़ ने आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार की तारीफ करते हुए कहा कि जिस तरह उसने लक्ष्य का पीछा करते समय अपनी बल्लेबाजी से टीम को संभाला।

सुपरआठ में अब रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा : युवराज

न्यूयॉर्क। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि अब सुपर 8 के मुकाबले रोमांचक होंगे और हर टीम के पास सेमीफाइनल के लिए प्रवेश का अवसर रहेगा। इस बार टी20 विश्कप में नई टीमों ने सभी को हैरान करते हुए शानदार क्रिकेट खेला है। यहां तक कि दिग्गज टीमों को भी जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा है। कुछ उलटफेर भी हुए हैं। इसी को लेकर युवराज ने कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में उलटफेर होते रहते हैं। इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। विश्वकप में इस बार जहां सहमेजबान अमेरिका के अलावा अफगानिस्तान की टीम सुपर आठ में पहुंची है। वहीं न्यूजीलैंड और पाकिस्तान बाहर हो गयी है। सह-मेजबान अमेरिका ने एक मुकाबले में 2009 के चैंपियन पाकिस्तान को हराया जबकि अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड पर जीत हासिल की। युवराज ने कहा, विश्व कप में उलटफेर होते हैं। हमने अब तक कुछ उलटफेर देखे हैं, इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता। साथ ही कहा कि अमेरिकी पिच पर हुई परेशानी को लेकर युवराज ने कहा, मुझे नहीं लगता कि आपको हालातों के लिए बहुत अधिक अनुभव की आवश्यकता है। यदि आप जल्दी पहुंचते हैं और मौसम के अनुकूल ढल जाते हैं, तो खिलाड़ियों के पास आवश्यक अनुभव होता है। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल क्रिश्चियन ने भी कहा कि कई टीमों के लिए यहां धीमी शुरुआत रही है। वर्तमान हालातों को देखते हुए सभी टीमों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए हर संभव प्रयास करने की जरुरत होगी। यह देखना कि कैसे हर कोई एक साथ खेल के साथ तालमेल बिठा रहा है कि गेंद घूमेगी या नहीं और धीमी गेंदें टिकेंगी या नहीं।।

शाहिद अफरीदी का चयनकर्ताओं से सवाल... बाबर को कप्तान क्यों चुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 से पाकिस्तान क्रिकेट टीम बाहर हो गई है। इसके बाद पूरी टीम आलोचना झेल रही हैं। विश्व कप के पिछले सीजन में इंग्लैंड के साथ फाइनल खेलने वाली पाकिस्तानी टीम इसबार ग्रुएसए से भी हार गई। पाकिस्तान के बाहर होने से कप्तान बाबर आजम को काफी कुछ सुनाना पड़ रहा है, क्योंकि टूर्नामेंट में उनका बल्ला भी नहीं चला था। इस बीच पाक के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का मानना है कि बाबर की कप्तानी पर सवाल जायज हैं, लेकिन वे पाकिस्तान के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कहा कि साथी क्रिकेट प्रेमियों को बाबर की कप्तानी की आलोचना करनी चाहिए लेकिन उनके जैसे लगातार खिलाड़ी पाकिस्तान क्रिकेट में दुर्लभ हैं। बाबर का व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा रहा है। हां, यह सच है कि वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका है। अफरीदी का कहना है कि उन्हें हमेशा उम्मीद थी कि बाबर भारत सुपरस्टार विराट कोहली की तरह एक मैच विजेता बनेगा। जिन्होंने अपने यादगार करियर के दौरान खुद को इसतरह के खिलाड़ी के रूप में विकसित किया है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा बाबर को एक मैच विजेता के रूप में देखना चाहता था जैसे हम विराट कोहली के बारे में बात करते हैं। अफरीदी ने कहा कि बाबर की आलोचना की जा रही है। क्योंकि वहां हारी हुई टीम का कप्तान है। मैं बाबर का प्रशंसक हूं (लेकिन) उन्हें कप्तान के रूप में 3-3.5 साल दिए गए और कोई आकर्षक परिणाम नहीं मिला और न ही कोई सुधार हुआ। चयन समिति से पहला सवाल यह है कि जब उन्होंने (पहले) कोई सुधार नहीं दिखाया, तब (क्यों) उन्हें फिर से कप्तान नियुक्त किया गया? एक खिलाड़ी के तौर पर हमने कभी बाबर की आलोचना नहीं की, बल्कि सिर्फ उनकी कप्तानी की आलोचना की। एक नेता

का निर्णय बहुत मायने रखता है। यह कई बार मैच के नतीजे को बदल सकता है, एक कप्तान को खिलाड़ियों के साथ जुड़ने में सक्षम होना चाहिए।

स्तेपान अवज्ञान मेमोरियल ग्रांड मास्टर शतरंज –अर्जुन एरीगैसी की एकल बढ़त कायम

जेरमुक ,अर्मेनिया। भारत के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी और दुनिया के नंबर चार शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी नें स्तेपान अवज्ञान मेमोरियल ग्रांड मास्टर शतरंज के छठे राउंड में एक और जीत दर्ज करते हुए अपनी एकल बढ़त को कायम रखा है, अर्जुन नें छठे राउंड में जर्मनी के ग्रांड मास्टर मथियस ब्लूबम को पराजित करते हुए टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज कर ली है । अर्जुन नें क्यूजीडी एक्सचेंज ओपनिंग में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए ब्लूबम को 43 चालों में पराजित किया । इस जीत के साथ अर्जुन अब लाइव रेटिंग में 2777 अंको के साथ और बेहतर स्थिति हासिल कर ली है अब विश्व नंबर 3 ग्रुएसए के फबियानो करूआना और उनके बीच 18 अंको का फासला बाकी है ।अर्जुन नें पहले दो राउंड में अर्मेनिया के रोबर्ट होवनाशियन और सर्गस्यन शांत को पराजित किया था और उसके बाद उन्होने ईरान के अमीन तबातबाई, ग्रुएसए के सेवियन सेमुयल और अर्मेनिया के मरतिरोसयान हैक से लगातार तीन बाज़ियाँ ड्रॉ खेल चुके है । छह राउंड के बाद अर्जुन फिलहाल 4.5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है तो अन्य खिलाड़ियों में ईरान के अमीन तबातबाई, ग्रुएसए के सेवियन सेमुयल, रोमानिया के बोगदान डेनियल 3.5 अंक, अर्मेनिया के मरतिरोसयान हैक,रोबर्ट एच 3 अंक । सर्गस्यन शांत और मेनुएल पेट्रोस्यन 2.5 अंक , फीडे के मुरजिन बोलोदर और जर्मनी के मथियस ब्लूबम 2 अंक बनाकर खेल रहे है ।

टी20 क्रिकेट में हालातों पर नियंत्रण करना आना चाहिये : ब्रेट ली

सिडनी(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारूप में तेजी से रन बन रहे हैं। ऐसे में बल्लेबाजों को रोकने के लिए गेंदबाजों को चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये। इसके लिए

ज्यादा से ज्यादा यॉर्कर गेंदें फेंकनी चाहिये। साथ ही कहा कि इसी प्रकार से बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सकता है। ली ने एक कार्यक्रम में कहा कि खेल पर आजकल बल्लेबाज हावी हो रहे हैं पर उनका मानना है कि संतुलन लाने के लिए मुकाबले में गेंदबाजों के लिए कुछ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को अपने ऊपर अधिक गर्व न करते हुए ये मान लेना चाहिये कि विकेट लेने के क्रम में उनपर चौके और छक्के भी लग सकते हैं।

साथ ही कहा कि यही टी20 क्रिकेट है। इसमें आपको चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये।

उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अब पहले से बेहतर हो गयी है। इसलिए मैं चाहता हूं कि तेज गेंदबाज अधिक यॉर्कर गेंद का इस्तेमाल करें। आखिरी ओवरों में यॉर्कर का प्रभावी इस्तेमाल होना चाहिए। अगर आप आईपीएल को भी देखे तो यॉर्कर पर आम तौर पर एक ही रन बनता है। उन्होंने यॉर्कर के प्रभावी इस्तेमाल के लिए जसप्रीत बुमराह का जिक्र करते हुए कहा कि मैं बुमराह के अलावा आज के दौर में किसी अन्य गेंदबाजों को अधिक यॉर्कर डालते नहीं देखता हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में मिलाकर 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले ली ने कहा कि उन्हें टी20 मैच में चौके और छक्के देखना पसंद है पर यहां गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होनी चाहिए।

साथ ही कहा कि मैं घास वाली पिच की मांग नहीं कर रहा, जहां टीम 110 रन पर आउट हो जाए लेकिन 185 से 200 रन के आसपास का स्कोर अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि हम अब 260 और 270 रन से ज्यादा रन बनते देख रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर गेंदबाज 4 ओवर में 40 से 50 से ज्यादा रन दे रहे हैं। अच्छी प्रतिस्पर्धा के लिए गेंदबाजों के लिए मदद होना चाहिए।

वसीम अकरम ने क्यों कहा.. अब कोच को नहीं पूरी टीम को बदलने का समय

नई दिल्ली । टी20 विश्व कप के पहले दौर में शर्मनाक हार के बाद से पाकिस्तान क्रिकेट टीम ट्रोल के निशाने पर है। बारिश के चलते यूएसए-आयरलैंड मैच रद्द होने से पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया। पाकिस्तान टीम को इस बार यूएसए ने हरा दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने भी करीबी मैच में पाकिस्तान को पटखनी दे दी। पाकिस्तान ने एकमात्र जीत कनाडा के खिलाफ हासिल की। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने पाक क्रिकेटरों के खराब प्रदर्शन पर निशारा जाहिर की है। अकरम ने यूएसए के सुपर आठ चरण के लिए क्वालीफाई करने की खबर पर प्रतिक्रिया दी। जहां उन्होंने मोनांक पटेल की टीम को बधाई दी, वहीं अकरम ने पाकिस्तानी टीम को भी दो टूक संदेश दिया। अकरम ने कहा कि अमेरिका को बधाई, उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। अमेरिका ने सुपर-8 के लिए क्वालीफाई किया, वे वहां रहने के हकदार हैं। उन्होंने अपने ग्रुप मैच में पाकिस्तान को हराया। पाकिस्तान के लिए अब आगे की क्या योजना है, सवाल पर अकरम ने कहा कि दुबई के लिए ईके 601 (एयरप्लेन)। उसके बाद, हम देखते हैं कि क्या होता है। इसके पहले अकरम ने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के लिए चयनकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ी सोचते हैं कि अगर वे अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं, तब कोच बर्खास्त कर दिए जाएंगे और उन्हें कुछ नहीं होगा। यह कोचों को बनाए रखने और पूरी टीम को बदलने का समय है। इस तरह पूर्व खिलाड़ी कामरान अकमल ने कहा कि शादाब खान को खेलने के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि वह कप्तान बाबर आजम के करीबी हैं और इसका मतलब इस साल के पाकिस्तान सुपर लीग में शीर्ष विकेट लेने वाले लेग स्पिनर उसामा मीर को बाहर करना है।

टेस्ट क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी होगी: जॉनी ग्रेव

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट खतरे में है और वेस्टइंडीज जैसे छोटे क्षेत्रों में खेल के पांच दिवसीय प्रारूप के अस्तित्व को बचाये रखने के साथ-साथ इसके विकास को सुनिश्चित करने में भारत जैसे देश को 'नेतृत्वकर्ता की भूमिका' निभानी होगी।

सीडब्ल्यूआई से 2017 में जुड़ने वाले ग्रेव ने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद टेस्ट क्रिकेट के प्रति बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की, लेकिन कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के स्तर पर तीन बड़े देशों (भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) के बाहर भी इस प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेंगे। तीन अन्य पूर्ण सदस्य आयरलैंड, अफ़ग़ानिस्तान और जिम्बाब्वे 2019 में शुरू की गई चैंपियनशिप का कभी हिस्सा नहीं रहे। ग्रेव वर्तमान में टी20 विश्व कप की सह-मेजबानी में व्यस्त हैं। उन्होंने खेल के भविष्य और बीसीसीआई द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर अपने मन की बात साझा की।

उन्होंने कहा, 'भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी है। ताकत, प्रभाव और संसाधनों के मामले में वे अब नंबर एक बोर्ड हैं। उन्होंने जिस तरह से खेल के तीनों प्रारूपों को खेलना जारी रखा है, वह शानदार रहा है। टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मुझे नहीं लगता कि यह कभी इतनी मजबूत रही होगी जितनी अब है।' ग्रेव ने कहा कि आईसीसी में भारत के रुख का काफी प्रभाव रहता है।

उन्होंने कहा, 'आईसीसी द्वारा लिए जाने वाले प्रमुख निर्णयों में उनकी भूमिका काफी अहम रही है। पिछले 12 महीनों में आईसीसी द्वारा हासिल की गई सबसे बड़ी चीजों में से एक में बीसीसीआई ने काफी समर्थन किया, जो कि क्रिकेट को ओलंपिक में वापस लाना है।' उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की 128 साल के बाद हुई वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, 'क्रिकेट के ओलंपिक में शामिल होने से बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। खासकर एसोसिएट सदस्य देश अब इस खेल के विकास के लिए सरकार और ओलंपिक संघों से धनराशि प्राप्त कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप से क्षेत्र में 300 मिलियन डॉलर की आर्थिक वृद्धि होगी। वेस्टइंडीज ने इससे पहले 2010 में टी20 विश्व कप की मेजबानी की थी। ग्रेव ने कहा, 'हम 14 साल के बाद किसी वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं। यह काफी मायने रखता है। विश्व कप के लिए हमने छह स्टेडियमों को अपग्रेड किया है। स्टेडियम बेहतर होने का फायदा वहां के घरेलू क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट वेस्टइंडीज को आने वाले कई वर्षों तक होगा।'

गंगा दशहरा पर लाखों श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज। तापमान 46 डिग्री और आसमान से बरसती आग के बीच श्रद्धालुओं ने गंगा दशहरा पर पवित्र त्रिवेणी में स्नान कर श्री बड़े हनुमानजी मंदिर, भगवान शिव और भगवान श्रीराम जानकी मंदिर में दर्शन कर पूजन-अर्चन किया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एकत्र होने से संगम पहुंचने वाले मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रही। गंगा दशहरा अर्थात गंगा अवतरण दिवस के अवसर पर रविवार को लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम स्थल पर डुबकी लगा पुण्य अर्जित किया। सुबह से श्रद्धालुओं के संगम तट आने का क्रम जारी हो गया था। चिलचिलाती धूप और 46 डिग्री तापमान की परवाह किए बिना श्रद्धालुओं ने संगम स्थल पहुंच पवित्र स्नान कर श्री बड़े हनुमानजी मंदिर, भगवान शिव और भगवान श्रीराम जानकी मंदिर में दर्शन कर पूजन अर्चन किया। संगम पहुंच रहे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते अधिकांश मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रही। जाम की स्थिति को देखते हुए जीटी जवाहर और अलोपी बाग से संगम की ओर वैकल्पिक मार्ग बनाया गया था, लेकिन वहां पर भी भीषण जाम का नजारा देखने को मिला। गंगा दशहरा पर संगम समेत राम घाट पर गंगा आरती और अन्य धार्मिक आयोजन किए गए। रविवार सुबह से ही श्रद्धालुओं के संगम तट पहुंचने का जो सिलसिला शुरू हुआ वह देर तक जारी रहा।

अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी पहुंचे

यहां संगम में पहुचने वाले स्थानीय, जनपद के अलावा बिहार, बंगाल, दक्षिण भारत, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों से भी श्रद्धालु पहुंचे और दर्शन पूजन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। भीषण गर्मी के बावजूद गंगा दशहरा पर लाखों श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगा पुण्य लाभ कमाया है।

गंगा नदी में नाव पलटी, 4 लापता

पटना। पटना में गंगा नदी में नाव पलटने से एक ही परिवार के 17 लोग डूब गए। सभी एनएचआई से रिटायर्ड एक अधिकारी का परिवार था। इनमें से 13 लोगों को बचा लिया गया है। जबकि रिटायर्ड अधिकारी समेत 4 लोग अभी भी लापता हैं। ये सभी नालंदा के रहने वाले हैं। लापता चार लोगों की पहचान नालंदा जिले के मालती गांव निवासी अवधेश कुमार (60), हरदेव प्रसाद (65), नीतीश कुमार (30) और मंजू देवी (45) के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि परिवार में किसी के डेथ के बाद सभी शुद्धिकरण के लिए गंगा स्नान करने के लिए पटना के बाढ़ के आए थे। फिर बाढ़ के उमानाथ घाट से नाव के जरिए दियारा की तरफ चले गए। सभी स्नान करके वापस लौट रहे थे, इसी दौरान ये हादसा हो गया।

जम्मू कश्मीर-पंजाब को खून से रंगने की आंतकियों की धमकी.. सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली। हाल ही में अंबाला रेलवे स्टेशन पर आतंकी हमले की धमकी का खत मिला है। इसमें जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश में बड़े आतंकी हमलों की बात लिखी गई है। खत के अनुसार निशाने पर पंजाब में गोल्डन टेम्पल, वैष्णो देवी मंदिर और अमरनाथ यात्रा आतंकियों के निशाने पर है। खत में लिखा गया है हे खुदा मुझे माफ कर, जम्मू-कश्मीर में अपने जेहादियों की मौत का बदला जरूर लिया जाएगा। हम ठीक 21 जून को जम्मू के रेलवे स्टेशन कठुआ, पठानकोट ब्यास, भटिंडा रेलवे स्टेशन को बम से उड़ा देने वाले है। हम ठीक 23 जून को कटरा वैष्णो देवी, शिव मंदिर अमरनाथ मंदिर, श्रीनगर के लाल चौक, अमृतसर के स्वर्ण मंदिर, हिमाचल के कई मंदिरों को बम से उड़ा देने वाले है। इस बार जम्मू कश्मीर-पंजाब को खून से रंग दिया जाएगा, तभी खुदा मुझे माफ करेगा। खत के अंत में खुलासा किया है कि ये आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के एरिया कमांडर कूला नूर अहमद ने लिखा है। पत्र 15 जून को अंबाला रेलवे पुलिस को मिला है, जिसके बाद से जांच एजेंसियां इसकी जांच में जुट गई हैं।

कई राज्यों में फैल रही है कैंसर की बीमारी

नई दिल्ली। 2022 में प्रकाशित डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में कई रूपों में कैंसर तेजी के साथ बढ़ रहा है। भारत में ब्रेस्ट कैंसर, ओरल कैंसर, बच्चेदानी का कैंसर, फेफड़े का कैंसर और ग्रास नली का कैंसर तेजी के साथ बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र,बंगाल,बिहार, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश मैं 2013 की तुलना में 2022 में कैंसर के मामले तेजी के साथ बढे हैं। 48.37 फीसदी तमिलनाडु में,38.36 फीसदी पश्चिम बंगाल में, 24.47 फीसदी मध्य प्रदेश में 21.87 फ़ीसदी महाराष्ट्र में तथा 16.87 फ़ीसदी उत्तर प्रदेश में कैंसर के रोगियों की संख्या बढ़ी है। पिछले 10 वर्षों में कैंसर की बीमारी से मरने वाली रोगियों की संख्या भी डेढ़ से 2 गुना हो गई है। भारत में कैंसर की बीमारी का पता लगाने के लिए प्राथमिक स्तर पर कोई व्यवस्था नहीं है। भारत में 734 जिला अस्पताल हैं। इनमें से मात्र 35 फ़ीसदी जिला अस्पतालों में स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध है। भारत की आबादी के 10 फीसदी लोगों तक ही जांच और इलाज की सुविधा उपलब्ध है। भारत में संचालित 163000 आयुष्मान आरोग्य केंद्र हैं। इसमें 18.46 करोड़ मुंह के कैंसर, 8.88 करोड़ स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की जांच की गई है। जांच परिणाम के आंकड़े नहीं दिए गए। इसमें से कितने लोगों को कैंसर था।

दिल्ली में अनुचित पार्किंग के लिए 2.4 लाख से अधिक लोगों के खिलाफ पर मामला दर्ज किया

नयी दिल्ली। दिल्ली यातायात पुलिस ने इस साल अब तक गलत जगहों पर वाहन खड़े करने के लिए 2.4 लाख से अधिक उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यातायात पुलिस ने इस साल गलत जगह पार्किंग के अधिक मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि इन आंकड़ों से पता चलता है कि यह कार्रवाई यातायात में सुधार लाने और दिल्ली की सड़कों पर सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की व्यापक पहल का हिस्सा है। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली यातायात पुलिस ने पिछले कई महीनों में गलत जगह पार्किंग की समस्या के समाधान के लिए प्रयास तेज किए हैं क्योंकि अक्सर अनुचित जगह पर पार्किंग से जाम लग जाता है और कई बार इससे सड़क दुर्घटनाएं भी होती हैं। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप पार्किंग उल्लंघन के लिए किए गए चालानों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अवैध पार्किंग की घटनाओं पर अधिक प्रभावी ढंग से निगरानी रखने के लिए अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया है। इसके कारण गलत जगहों पर पार्किंग करने वाले लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने में मदद मिली है। साथ ही इस कदम से लोग उचित जगह पर पार्किंग करने के लिए प्रोत्साहित हुए हैं। अधिकारी ने बताया, दिल्ली यातायात पुलिस ने इस साल अबतक गलत जगह पार्किंगके लिए 2,40,152 उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जबकि 2023 में यह संख्या 1,77,800 थी। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक है।

संसद परिसर में लगी महापुरुषों की प्रतिमाएं हटाने का मुद्दा उठाएगा इंडिया गठबंधन

-सांसद थरुर बोले- समिति की अनुपस्थिति में इन मामलों पर फैसले कौन ले रहा है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में लगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर और कुछ अन्य महापुरुषों की प्रतिमाएं उनके स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर ले जाने से जुड़े मुद्दे को इंडिया' गठबंधन संसद के आगामी सत्र में उठाएगा। यह बात कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर के एक पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए दी। संसद सत्र आगामी 24 जून से शुरु होगा और यह 18वीं लोकसभा की पहली बैठक होगी।

जानकारी के मुताबिक सांसद शशि थरूर ने कहा कि संविधान में संसद कार्यपालिका के समान ही एक संप्रभु अंग है। यह सदस्यों की संपत्ति है। संसद में प्रतिमाओं और चित्रों से संबंधित एक समिति होती है जो इन मामलों पर फैसले लेती है। अब कई सालों से इसका पुनर्गठन नहीं किया गया है। इसकी अनुपस्थिति में इन सभी मामलों पर फैसले कौन ले रहा है?

थरुर ने कहा कि कार्यपालिका को ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। आदर्श रूप से नए सदन और समिति को इस प्रस्ताव पर चर्चा करनी चाहिए थी और फैसला लेना चाहिए था। केंद्र सरकार ने यह कदम उठाकर संसद के विशेषाधिकारों का हनन किया है। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि आप सही कह रहे हैं। जब संसद दोबारा शुरु होगी तो 'इंडिया गठबंधन' को इस मुद्दे को उठाने पर विचार करना चाहिए और वह ऐसा करेगा भी। यहां तक ??कि केंद्र सरकार के एनडीए गठबंधन के भी कई सांसदों ने उनसे इस बारे में बात की है। रमेश ने पीएम मोदी की जी7 शिखर सम्मेलन में उपस्थिति को लेकर पोस्ट में लिखा- इटली में जी7 में अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, भारत, जॉर्डन, केन्या, मॉरिटानिया, ट्यूनीशिया, तुर्किये, यूक्रेन, संयुक्त अरब अमीरात और वेटिकन सिटी को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने दावा किया कि केवल भारत के एक तिहाई प्रधानमंत्री ही यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन को संबोधित किया और उनके उदास और हताश समर्थक दिखा रहे हैं कि वह आकर्षण के केंद्रबिंदु थे।

सोमवार को जम्मू-कश्मीर से जुड़ी विकास परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे गडकरी

श्रीनगर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी जम्मू-कश्मीर में विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने वाले है। बैठक में पवित्र गुफा मंदिर तक सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अमरनाथ यात्रा ट्रैक और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी चर्चा होगी। लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद गडकरी की राज्य में यह पहली बैठक होगी। जोजिला सुरंग सहित कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में निर्माणाधीन हैं। यह सुरंग लद्दाख को सड़क मार्ग के द्वारा जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों से पूरे साल जोड़े रखेगी। वर्तमान में सर्दियों के महीनों में राजमार्ग बंद रहता है। बालटाल और पहलगाम दोनों आधार शिविरों से अमरनाथ यात्रा ट्रैक पर राजमार्ग का निर्माण केंद्र की प्राथमिकता सूची में है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) यात्रा ट्रैक को चौड़ा करने, ब्लॉक लगाने, तथा मोड़ और ढलानों को ठीक करने का काम पहले ही कर चुका है। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के रामबन-बनिहाल खंड के रखरखाव पर भी बैठक में चर्चा होगी। जम्मू-कश्मीर में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं चल रही हैं। बैठक में इन सभी की समीक्षा की संभावना है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी बैठक में मौजूद रहने वाले है।

कश्मीर में आतंकवाद छद्म लड़ाई तक सीमित जड़ से मिटायेगी सरकार : अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली : केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में है तथा आतंकवाद बड़ी संगठित आतंकी हिंसाओं से अब छद्म लड़ाई तक सिमट गया है लेकिन सरकार इसे जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित हैं।

श्री शाह ने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों के मद्देनजर रविवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ केन्द्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति तथा आगामी अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की।

गृह मंत्री ने एजेंसियों को जम्मू में एरिया डॉमिनेशन प्लान और जीरो टेरर प्लान के माध्यम से कश्मीर घाटी में हासिल की गई सफलताओं को दोहराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार नये तरीकों से आतंकियों पर कार्रवाई कर मिसाल बनाने के लिए कटिबद्ध है। गृह मंत्री ने सभी एजेंसियों को मिशन मोड में काम करने और समन्वित तरीके से त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने पर बल दिया।

श्री शाह ने कहा, जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में है। हाल ही में हुई घटनाएं बताती हैं कि आतंकवाद बड़ी संगठित आतंकी हिंसाओं से सिमट कर छद्म लड़ाई तक सीमित होने के लिए मजबूर हो गया है लेकिन हम इसको भी जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित हैं।

गृह मंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय पर जोर देते हुए संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और उनकी सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान देने पर जोर दिया। गृह मंत्री ने स्थानीय खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने, सुरंगों का पता लगाने और ड्रोन का मुकाबला करने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को केन्द्र सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। आतंकवाद के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराते हुए गृह मंत्री ने कहा, जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद के सफाये के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल की 4440 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

-फरार चल रहा इकबाल, बेटे जेल में

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्थित ग्लोबल यूनिवर्सिटी को जब्त किया जा चुका है। यह यूनिवर्सिटी 121 एकड़ में है, इसकी जमीन और बिल्डिंग की कीमत 4440 करोड़ रुपये है। यह अब्दुल वाहिद एजुकेशनल व चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम पर है। अवैध खनन केस के मामले में ईडी ने कुर्क कर लिया है। ईडी ने लिखा है कि यह ट्रस्ट पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल व उनके परिवार के द्वारा संचालित हो रहा है। इस पूरे मामले में जिलाधिकारी ने कहा कि जैसे ही हमें आदेश मिलेता है, इस पर कार्रवाई होगी। दरअसल, पूर्व एमएलसी इकबाल उर्फ हाजी इकबाल के ऊपर खनन के जो केस चल रहे हैं, उसमें मोहम्मद इकबाल फरार है। जबकि उसके बेटे जेल में हैं। हाजी इकबाल का अभी तक कुछ पता नहीं चला है कि वह किस देश में है। जांच एजेंसी ईडी मोहम्मद इकबाल की जमीन और मकान कुर्क कर चुकी है। इकबाल की ग्लोबल यूनिवर्सिटी की 4440 करोड़ की बिल्डिंग को अटैच करने के बाद कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र ने बताया कि मुख्यमंत्री के सख्त आदेश हैं कि जो आपराधिक किस्म के लोग हैं या जिन्होंने गुंडागर्दी करके किसी प्रकार की संपत्ति अर्जित की है, उस पर कार्रवाई करे। डीएम ने कहा कि हाजी इकबाल उत्तर प्रदेश के माफियाओं की श्रेणी में है, जिस पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जो पुराने गैंगस्टर के मामले थे या अन्य मामले थे, उसकी संबंधित न्यायालय को रिपोर्ट भेजी गई है। उसमें 506 करोड़ की संपत्ति को न्यायालय के अंतर्गत भेजा गया है, एक दो और प्रकरण हैं, उसकी सुनवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि ईडी द्वारा जनपद स्तर से, पुलिस स्तर से, राज्य विभाग से जो संबंधित अभिलेख मांगे गए थे, उन्हें समय से पहुंचाया गया है, जिसके आधार पर ईडी ने कार्रवाई की है।

कॉलेज में हिजाब पर रोक के खिलाफ नौ छात्राओं ने कोर्ट में दायर की याचिका

- कॉलेज प्रशासन पर धर्म के आधार पर पक्षपात करने के भी लगाए आरोप

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर में स्थित आचार्य कॉलेज में हिजाब बैन को लेकर नौ छात्राओं ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। छात्राओं ने हिजाब पर बैन हटाने की मांग की है। इसके साथ ही कॉलेज प्रशासन पर धर्म के आधार पर पक्षपात करने के आरोप भी लगाए हैं। मुंबई में एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स की नौ छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन की ओर से हाल ही में लागू ड्रेस कोड को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। याचिका में छात्राओं ने कहा कि कॉलेज का प्रतिबंध मनमाना है। इस ड्रेस कोड के तहत छात्राओं को कैंपस में हिजाब पहनने पर रोक लगा दी गई है। याचिकाकर्ता छात्राओं का दावा है कि नया ड्रेस कोड गोपनीयता, गरिमा और धार्मिक स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। कॉलेज की एक छात्रा ने कहा कि कॉलेज में कोई हमारी मदद नहीं कर सका, ऐसे में हमें बस कोर्ट का रास्ता नजर आया। हमें उम्मीद है की कोर्ट से फैसला हमारे हक में होगा। कॉलेज की एक अन्य छात्रा ने कहा कि जब ड्रेस कोड की बात आई, तो हमने प्रिंसिपल से बात करने की सोची। उस वक्त मैं नहीं थीं, मेरी दोस्त प्रिंसिपल से बात करने के लिए गईं। हमने उनसे कहा कि हम ड्रेस कोड को फॉलो नहीं कर पाएंगे। उन्होंने हमें साफ कह दिया कि ड्रेस कोड फॉलो करना पड़ेगा। इसके बाद मैनेजमेंट से बात हुई। वहां से भी हमारे हक में कुछ नहीं आया। अब कक्षाएं भी शुरू हो गई हैं। हमारे ऊपर दबाव है। हमें बुर्के में क्लास में बैठने को मना कर दिया गया है। हमारे पास अंतिम विकल्प कोर्ट ही बचा था। बीएससी की छात्रा खान अंजोन ने कहा कि हम सीधे हाईकोर्ट नहीं गए हैं। हमने पहले जितनी कोशिश करनी थी, वो की, जब हमें कोई विकल्प नहीं मिला, तो हाईकोर्ट का रुख किया। हमारे लिए नकाब उतारना मामूली बात नहीं है। इसलिए इस मुद्दे को हम कोर्ट तक लेकर जा रहे हैं।

दिल्ली में जल संकट: समाधान नहीं सियासत करने में लगे हैं नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुल्लू भर पानी उन नेताओं और सियासी दलों को जरुर देना चाहिए तो जल संकट पर अपनी राजनैतिक रोटियां सेंक रहे हैं। लोगों को पानी मिल रहा है या नहीं इससे किसी का कोई लेना देना नहीं है। हितैषी सभी है पर समाधान करना नहीं चाहते है। भीषण गर्मी अब चला चली की बेला पर है,लेकिन

दिल्ली में पानी की किल्लत अब तक बरकरार है और अभी भी कई इलाकों में टैंकर का पानी लेने के लिए मारामारी मची हुई है। राजधानी के इस जल संकट को लेकर सियासत भी जमकर हो रही है। जहां सत्ताधारी आम आदमी पार्टी पानी की किल्लत का ठीकरा बीजेपी शासित हरियाणा पर फोड़ रही है तो वहीं बीजेपी इसे आप सरकार का फेल्योर बता रही है। वहीं 14 जगह बीजेपी ने मटका फोड़ प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

पूर्वी दिल्ली से लेकर दक्षिणी दिल्ली तक पानी का संकट लगातार बढ रहा है। तमाम इलाकों में पानी को लेकर हंगामा मचा हुआ है। चाणक्यपुरी जैसे पॉश इलाके के बीच कामकाजी लोगों की एक बस्ती है जिसका नाम है विवेकानंद कैंप, यहां लोग पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस गए हैं। पानी का टैंकर आते ही मारामारी मच जाती है। कुछ इसी तरह के हालात गोविंदपुरी और ओखला में भी हैं जहां टैंकर के आते ही मारामारी मच जाती है। दिल्ली का महिपालपुर का इलाका इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के बेहद पास है। विकास की तेज रफ्तार आपको यहां नजर आएगी बावजूद इसके यहां लोग पानी की एक एक बूंद को तरस रहे हैं। लोग बताते हैं कि 6 जून से यहां पानी का टैंकर नही आया है। ऐसा ही हाल साउथ दिल्ली में देवली का है। लोग पानी के प्राइवेट टैंकर का इंतजाम करने को मजबूर हैं।

दिल्ली में पानी की किल्लत को लेकर आज बीजेपी 14 जगहों पर आम आदमी पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित दिल्ली के सांसद भी अपने संसदीय क्षेत्र में प्रदर्शन करने जा रहे हैं। सुबह 10-30 बजे से शुरू हुए इस प्रदर्शन के तहत प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा लक्ष्मी नगर में, बांसुरी स्वराज आर के पुरम में, राम वीर सिंह बिधूड़ी संगम विहार में, कमलजीत सेहरावत द्वारका में और योगेंद्र चंदोलिया जहांगीरपुरी में प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं।

इससे पहले लोकसभा चुनाव में सहयोगी रही कांग्रेस ने भी शनिवार को आप के खिलाफ मोर्चा खोलकर सड़क पर उतरकर विरोध जताया। शनिवार को कांग्रेस ने सड़क पर उतरकर आप सरकार के खिलाफ मटका-फोड़ प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और इसके लिए आम आदमी पार्टी की सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

इस बीच दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर गंभीर आरोप लगाए हैं।उन्होंने कहा है कि दिल्ली में पाइपलाइन काटने की साजिश हो रही है। आतिशी ने दिल्ली पुलिस से दिल्ली में मुख्य वाटर पाइपलाइन को सुरक्षा देने का आग्रह किया। आतिशी ने कहा कि कल साउथ दिल्ली की पाइपलाइन में साजिशन 6 बोल्ट काटे गए और दिल्ली में पानी की परेशानी बढ़ाने के लिए षड्यंत्र हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस षड्यंत्र के कारण साउथ दिल्ली में आज 25 प्रतिशत पानी की कमी हुई है।

हैकिंग के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज, कहा- ईवीएम किसी ओटीपी से अनलॉक नहीं होती

मुंबई। मुंबई पुलिस के शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविंद्र वायकर के रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद एक बार फिर ईवीएम को लेकर घमासान मच गया है। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्षी दल के नेता आमने-सामने आ गए हैं। अब विपक्षी नेताओं के आरोपों पर इलेक्शन कमीशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई देते हुए सभी आरोपों को खारिज कर दिया है और कहा कि ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है। रिटर्निंग ऑफिसर वंदना सूर्यवंशी ने मुंबई में ईवीएम पर मचे घमासान पर सफाई देते हुए कहा कि आज जो खबर आई उस को लेकर कुछ लोगो ने ट्वीट किए। ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है। ईवीएम डिवाइस किसी से कनेक्ट नहीं रहता, अखबार द्वारा पूरी तरह से गलत खबर चलाई गई है। इस मामले में पुलिस की जांच के बाद हम इंटरनल जांच करेंगे कि नहीं यह आगे तय किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि मैंने पेपर के रिपोर्टर को समझाने की कोशिश की थी। आईपीसी की धारा 505 और 499 के तहत उन्हें नोटिस भेजेंगे। गौरव को जो मोबाइल रखने की इजाजत दी गई थी वो उनका खुद का मोबाइल था। पुलिस की जांच के बाद हम इंटरनल जांच करेंगे कि नहीं यह आगे तय किया जाएगा।

नीट को लेकर उबाल... दिल्ली से लेकर राजस्थान तक एनएसयूआई सड़कों पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में नीट यूजी 2024 परीक्षा में हुई धांधली का मामला लगातार जोर पकड़ता जा रहा है। कोटा में भी नीट यूजी परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में रविवार को छात्र संगठन एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के राजस्थान प्रभारी अखिलेश यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे थे, जहां प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हो गई। इस बीच बैरिकेट्स लांघते समय धक्का मुक्की होने पर पुलिस ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को लाठियां भांजकर दूर खदेड़ दिया।

एनएसयूआई राजस्थान प्रभारी यादव का कहना है कि एनएसयूआई नीट परीक्षा में धांधली को लेकर देश भर में धरना प्रदर्शन कर रही है। हमारी मांग हैं कि नीट परीक्षा रद्द की जाए और इसकी सीबीआई जांच कराई जाए। पूरे देश भर में नीट परीक्षा को लेकर बवाल मचा हुआ हैं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कहते हैं कि पेपर लीक नहीं हुआ है। साधारण और मध्यम परिवारों के लोगों के साथ यह बहुत बड़ा कुठाराघात है।

एनटीए के खिलाफ मशाल मार्च निकालने और नीट यूजी की फिर से परीक्षा और सीबीआई जांच की मांग को लेकर एनएसयूआई के सैकड़ो छात्र और कार्यकर्ता दिल्ली में अपने कार्यालयों के बाहर इकट्ठा हुए। एनएसयूआई नेताओं और कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस बल और बैरिकेडिंग लगाई गई थी। मशाल थामे एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने एनटीए, शिक्षा मंत्रालय और मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

चौधरी ने कहा कि यह 24 लाख छात्रों के भविष्य का सवाल है। गुजरात के गोधरा में कई तरह की अनियमितताएं पाई गईं और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। यह सब पीएम मोदी के गुजरात में हुआ। इसके पहले पटना में गिरफ्तारियां हुई थीं।

वहीं दिल्ली में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइशा) ने नीट 2024 के दौरान राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा कथित भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के विरोध में 19 और 20 जून को छात्रों की राष्ट्रीय हड़ताल की घोषणा की है।

आइशा दिल्ली राज्य सचिव नेहा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की मुद्दे पर चुप्पी की आलोचना करते हुए छात्रों और माता-पिता की दुर्दशा बताई, जो राहत की तलाश में हैं।

जेएनयूएसयू अध्यक्ष धनंजय ने एनटीए की निंदा करते हुए नीट 2024 की अनियमितताओं को एक गहरे प्रणालीगत समस्या का लक्षण बताया।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**